



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 92]
No. 92]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 11, 2017/चैत्र 21, 1939

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 11, 2017/CHAITRA 21, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2017

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : बंगलादेश, ताईवान, कोरिया जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाईड्रोजन पेरोक्साईड के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच।

सं 14/03/2015-डीजीएडी—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठ भूमि

1. यतः मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड और मेसर्ज हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड (जिन्हें आगे "याचिकादाता" अथवा "आवेदक" कहा गया है) ने सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार बंगलादेश, ताईवान, कोरिया जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया और पाकिस्तान (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाईड्रोजन पेरोक्साईड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरूआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें

पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

2. यतः प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर जांच की शुरूआत को यथोचित सिद्ध करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक जनवरी, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/3/2015-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी करके पाटन-रोधी नियमावली के उप-नियम 5 के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरूआत की थी, ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

ख. क्रिया-विधि

3. इस जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निम्नोक्त वर्णित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-
 - (1) निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपरोक्त नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में आवेदक से एक याचिका प्राप्त हुई है, जिसमें बंगलादेश, ताईवान, कोरिया जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाईड्रोजन पेरोक्साईड के पाटन होने का आरोप लगाया गया है।
 - (2) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन-रोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित कर दिया था।
 - (3) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरूआत करने के बारे में दिनांक 14 जनवरी, 2016 को एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी की थी जो कि भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित हुई थी।
 - (4) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों में सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के साथ-साथ अन्य घरेलू उत्पादकों को, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए उनके पतों के अनुसार प्रेषित की थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे जांच शुरू किए जाने की अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत करा दें।
 - (5) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृतांत की एक प्रति प्रदान की थी।
 - (6) प्राधिकारी ने बंगलादेश, ताईवान, कोरिया जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया और पाकिस्तान में ज्ञात निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों को (जिनके ब्यौरे आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे), पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातिक की प्रश्नावलियां भेजी थीं:-
 - (क) तसमीन केमिकल कॉम्पलेक्स, बंगलादेश
 - (ख) एएसएम केमिकल इंडस्ट्रीज, बंगलादेश
 - (ग) समुडा केमिकल कॉम्पलेक्स लिमिटेड, बंगलादेश
 - (घ) सितारा पेरोक्साईड लिमिटेड, पाकिस्तान
 - (ङ) डेस्कोन केमिलकल लिमिटेड, पाकिस्तान
 - (च) थाई पेरोक्साईड कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड

- (छ) सोल्वे पेरोक्सिथाई लिमिटेड, थाईलैंड
- (ज) टेर्इकवांग पेट्रोकेमिकल, दक्षिण कोरिया
- (झ) हन्सोल केमिलकल कंपनी लिमिटेड, दक्षिण कोरिया
- (ज) एसकेसी ईवानिक पेरोक्साईड कोरिया प्राईवेट लिमिटेड
- (ट) पीटी पेरोक्सिडा, इंडोनेशिया
- (ठ) पीटी ईवानिक डेगुस्सा पेरोक्साईड, इंडोनेशिया
- (ड) समाटोरिंटी पेरोक्सिडा, इंडोनेशिया
- (ढ) सिनार मास, इंडोनेशिया
- (7) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध देशों से निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत कर दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति, संबंधित देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी।
- (8) निम्नलिखित निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-
- (क) तसमीन केमिकल कॉम्पलेक्स, बंगलादेश
 - (ख) समुदा केमिकल कॉम्पलेक्स लिमिटेड, बंगलादेश
 - (ग) एएसएम केमिकल इंडस्ट्रीज, बंगलादेश
 - (घ) सितारा पेरोक्साईड लिमिटेड, पाकिस्तान
 - (ड) डेस्कोन केमिलकल लिमिटेड, पाकिस्तान
 - (च) थाई पेरोक्साईड कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- (9) पाठन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों को जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति प्रेषित की गई थीं और उन्हें सलाह दी गई थी कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर अपने लिखित विचारों से अवगत करा दें:-
- (क) कौशल केमिकल
 - (ख) सिनोकेम इम्पेक्स
 - (ग) एक्सीम इनकार्पोरेशन
 - (घ) यमुना फर्टालाईजर्स
 - (ड) केपीसी इंटरनेशनल लिमिटेड
 - (च) एस. गणेश नगेन्द्र एंड कंपनी
 - (छ) पोनप्पुर केम (प्राईवेट) लिमिटेड
 - (ज) क्लासिक डाईज एंड केमिकल्स
 - (झ) त्रिवेन्केम एजेंसीज

- (ज) टेक्सटाईल डार्इ केम प्राइवेट लिमिटेड
- (ट) शकुम्भारी इंटरप्राईजिज (आई) प्राइवेट लिमिटेड
- (ठ) ऊषा केमिकल्स
- (ड) आर.आर. इनोवटिव्स प्राइवेट लिमिटेड
- (ढ) राजीव केमिकल कार्पोरेशन
- (ण) सोन कमल इंटरप्राईज
- (त) खन्ना पेपर मिल्स लिमिटेड
- (थ) श्रेयन्स पेपर्स
- (द) विकास ग्लोबल वन लिमिटेड
- (ध) बल्लारपुर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (न) जे. के. पेपर लिमिटेड
- (प) सरसीन ग्रुप
- (फ) धनराज आर्गेनिक लिमिटेड
- (ब) एक्सिल कोर्प केयर
- (भ) मेकवेल आर्गेनिक लिमिटेड
- (म) ईमामी पेपर्स
- (य) एल्किल अमीन्स
- (10) उपरोक्त आयातकों/प्रयोक्ताओं में से केवल एल्किल अमीन्स ने आयातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।
- (11) प्राधिकारी ने नियम 6 (7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय वृत्तान्त को एक सावर्जनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है, जो कि हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुली रखी गई है।
- (12) भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और क्षति रहित कीमत का आकलन करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच जितना संभव हुआ है, अनुबंध-2 में निर्धारित दिशा-निर्देशों के आधार पर की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन से कमतर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (13) वर्तमान जांच के लिए जांच अवधि 1 अप्रैल, 2014 से 30 जून, 2015 (15 महीनों) तक की है। तथापि, क्षति की जांच अवधि में अप्रैल, 2011 - मार्च, 2012, अप्रैल, 2012 - मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 - मार्च, 2014 तक की अवधि और जांच अवधि भी शामिल होगी।
- (14) जितना आवश्यक समझा गया है, आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से और सूचना भी मंगाई गई थी। इस जांच के प्रयोजनार्थ जितना आवश्यक समझा गया है, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच की गई है। तथापि, निर्यातकों द्वारा दिए गए आंकड़ों की विस्तार से जांच की गई है।
- (15) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और डीजीएडीमें संगत क्रिया-विधियों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और

निर्माण और बिक्री की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन-रोधी शुल्क, पाटन मार्जिन से कम लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

- (16) भारत में संबद्ध उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा प्रकाशित सूचना को अपनाया गया है। याचिकादाता ने डीजीसीआईएंडएस से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर कारोबार-वार सूचना अधिप्राप्त की है। संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के पर्याप्त साक्ष्य हैं। जांच की कार्रवाई के दौरान प्राधिकारी ने वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से कारोबार-वार आयात के आंकड़े भी प्राप्त किए हैं और उनका विश्लेषण किया है।
- (17) प्राधिकारी ने नियम 6 (6) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से प्रकट करने का अवसर प्रदान करने के लिए 28 सितंबर, 2016 को मौखिक सुनवाई की थी। इस मौखिक सुनवाई के दौरान जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित में भी प्रस्तुत करें और साथ ही उत्तर भी दें। हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकट किए गए विचारों का उत्तर देने का भी अवसर प्रदान किया गया था।
- (18) निर्दिष्ट प्राधिकारी की पदधारिता में परिवर्तन होने के कारण नए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने माननीय उच्चतम न्यायालय के ऑटोमेटिव टायर मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के विषयक वर्ष 2006 की सिविल अपील 949 के मामले में दिनांक 07.01.2011 के निर्णय में दिए गए निर्देश के अनुसरण में 7 नवंबर, 2016 को अन्य मौखिक सुनवाई की थी। इस दूसरी मौखिक सुनवाई में जिन पक्षकारों ने अपने मौखिक विचार प्रकट किए थे, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से प्रकट किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करने के साथ-साथ विचारों के उत्तर भी प्रस्तुत करें।
- (19) जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को न तो कोई उत्तर प्रस्तुत किया है और न ही इस जांच से संबद्ध कोई सूचना प्रस्तुत की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।
- (20) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा 16 फरवरी, 2017 को संबंधित हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया गया था। उनसे अनुरोध किया था वे उन पर अपनी टिप्पणियां 3 मार्च, 2017 तक अवश्य प्रस्तुत कर दें। प्रकटन विवरण पर प्राप्त हुई टिप्पणियों को प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया है, इस अंतिम जांच परिणाम में उन पर विचार किया गया है।
- (21) प्रकटन विवरण जारी करने के बाद कुछेक हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर प्राधिकारी ने 14 मार्च, 2017 को एक और सुनवाई करने का अवसर प्रदान किया था। उक्त सुनवाई के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का निदान भी इस अंतिम जांच परिणाम में किया गया है।
- (22) इस प्रकटन विवरण में में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा ***सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय माना गया है।
- (23) प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के दौरान प्रचलित औसत विनिमय दर को अपनाया गया है, जो कि 1 अमरीकी डालर = 62.13 रुपए है।

4. प्रकटन विवरण पर जिन हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं:- मेसर्ज डेस्कोन ओक्सिकेम लिमिटेड और सितारा, मेसर्ज पेरोक्साईड लिमिटेड, मेसर्ज समुदा केमिकल कॉम्प्लेक्स लिमिटेड, मेसर्ज तनसिम केमिकल कॉम्प्लेक्स लिमिटेड, बंगलादेश, एएसएम केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मेसर्ज

थाईं पेरोक्साईड कंपनी लिमिटेड और ताईवान इकोनोमिक डिवीजन। प्रकटन पश्चात दी गई अधिकतर टिप्पणियां पहले किए गए निवेदनों की पुनरावृति मात्र हैं और उनका निदान इस जांच परिणाम में संबद्ध भागों में कर दिया गया है। तथापि, प्राधिकारी ने किए गए नए निवेदनों को ध्यान में रखा है और उनका विश्लेषण इस जांच परिणाम के संबद्ध शीर्षों के अंतर्गत कर दिया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

विचाराधीन उत्पाद के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) हाईड्रोजन पेरोक्साईड के तीन ग्रेड हैं, नामतः खाद्य ग्रेड, तकनीकी ग्रेड और इलेक्ट्रोनिक ग्रेड। ये सभी ग्रेड परस्पर परिवर्तनीय नहीं हैं और घरेलू उद्योग के पास खाद्य ग्रेड और इलेक्ट्रोनिक ग्रेड को विनिर्मित करने की क्षमता विद्यमान नहीं है। तकनीकी आंकड़ों की शीट में पदत्त सूचना से स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग (1) खाद्य ग्रेड अथवा (2) इलेक्ट्रोनिक ग्रेड अथवा (3) तकनीकी ग्रेड जिनकी 90% से भी अधिक सान्द्रण होता है, विनिर्मित नहीं कर रहा है। घरेलू उद्योग ने इस तथ्य को मौखिक सुनवाई के समय स्वतः स्वीकार किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 90% से कम सान्द्रण युक्त "हाईड्रोजन पेरोक्साईड" है। हाईड्रोजन पेरोक्साईड हाईड्रोजेनेशन प्रक्रिया से उत्पादित किया जाता है। वाणिज्यिक रूप से उत्पाद 35%, 50% और 70% सान्द्रण में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है। आईएसआरओ की 90% और उससे अधिक सान्द्रण की बहुत सीमित (नगण्य) आवश्यकता है।
- (ख) एच2ओ2 एक अत्यधिक खतरनाक सामग्री है। सुरक्षा की दृष्टि से सान्द्रण यथा संभव कम होना चाहिए। तथापि, कम सान्द्रण के परिवहन का तात्पर्य जल के परिवहन पर अतिरिक्त भाड़े का भुगतान करना है। इसलिए वाणिज्यिक दृष्टि से सान्द्रण का स्तर यथा संभव अधिक होना चाहिए।
- (ग) अधिकतर आयात 50% सान्द्रण के होते हैं और याचिकादाताओं का अधिकतर उत्पादन 50% सान्द्रण का होता है। निर्धारण के प्रयोजनार्थ याचिका के सभी आंकड़े 50% सान्द्रण के समकक्ष प्रस्तुत किए गए हैं।
- (घ) संबद्ध वस्तुओं को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के उप-शीर्ष 28470000 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और किसी भी तरीके से यह जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
- (ङ) याचिकादाताओं द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। ये दोनों उत्पाद भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण आदि के संदर्भ में तुलनीय है।
- (च) विदेशी उत्पादकों और याचिकादाताओं दोनों द्वारा प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया में कोई वस्तुपरक अंतर नहीं है। तथापि, प्रत्येक विनिर्माता आवश्यकताओं और उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार अपनी उत्पादन प्रक्रिया को सुसंगत बनाता है।
- (छ) विचाराधीन उत्पाद के दायरे में हाईड्रोजन पेरोक्साईड के खाद्य ग्रेड और इलेक्ट्रोनिक ग्रेड शामिल नहीं हैं। याचिकादाता हाईड्रोजन पेरोक्साईड के खाद्य ग्रेड और इलेक्ट्रोनिक ग्रेड का उत्पादन नहीं करते हैं। याचिकादाताओं ने जिन आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है, उनमें 90% और उससे अधिक सान्द्रण युक्त खाद्य ग्रेड अथवा इलेक्ट्रोनिक ग्रेड के आयात शामिल नहीं हैं। 90% और उससे अधिक सान्द्रण के तकनीकी ग्रेड का न तो देश में आयात किया जाता है और न ही घरेलू उद्योग द्वारा उन्हें विनिर्मित किया जाता है। हाईड्रोजन पेरोक्साईड के खाद्य ग्रेड और इलेक्ट्रोनिक ग्रेड तथा 90% और उससे अधिक सान्द्रण युक्त ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखे जाने पर विचार किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद 90% से कम सान्द्रण युक्त "हाईड्रोजन पेरोक्साईड" है। हाईड्रोजन पेरोक्साईड का उत्पादन विभिन्न सान्द्रणों में किया जा सकता है। विचाराधीन उत्पाद को खुले और सम्मिलित पैक दोनों स्वरूप में बेचा जाता है। वाणिज्यिक रूप से इस उत्पाद को 35%, 50%, 60% और 70% सान्द्रण में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है। सामान्यतया इसे 50% सान्द्रण के आधार पर उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है।

6. संबद्ध वस्तुओं को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के उप-शीर्ष 28470000 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और किसी भी तरीके से यह जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

7. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा 90% और उससे अधिक सान्द्रण के खाद्य ग्रेड, इलेक्ट्रोनिक ग्रेड और तकनीकी ग्रेड विनिर्मित नहीं किए जाते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है। इस प्रकार यह निर्णय किया जाता है कि हाईड्रोजन पेरोक्साईड के 90% और उससे अधिक सान्द्रण के खाद्य ग्रेड, इलेक्ट्रोनिक ग्रेड और तकनीकी ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं।

घ. घरेलू उद्योग और उसका आधार

8. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"(ख) घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पारित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

9. इस संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड नामक एक याचिकादाता ने, जिसका घरेलू उद्योग में लगभग 90% का योगदान है, इस आशय की घोषणा की है कि वह न तो भारत से बाहर किसी उत्पादक/निर्यातक से और न ही भारत में किसी आयातक से संबंधित है। ऐसी घोषणा गलत है और याचिकादाता ने इससे घरेलू उद्योग की अपनी अर्हता के बारे में प्राधिकारी को भ्रमित किया है।
- (ख) यह रिकार्ड का मामला है कि उक्त याचिकादाता मेसर्ज सोल्वे पेरोक्सी थाई कंपनी लिमिटेड नामक प्रमुख अयातक से संबंधित है। ऐसा संबंधित निर्यातक थाईलैंड से कुल आयातों में से 85% आयातों के लिए उत्तरदायी है। थाईलैंड में केवल दो निर्यातक हैं। इसलिए इस संबंधित निर्यातक के कुल आयातों का सत्यापन, थाईलैंड से कुल आयातों में से मेसर्ज थाई पेरोक्साईड कंपनी लिमिटेड नामक अन्य निर्यातक के आयातों को घटा कर किया जा सकता है।
- (ग) ऐसे अनेक साक्ष्य हैं जिनसे इस तथ्य की संपुष्टि होती है कि सोल्वे पेरोक्सी थाई कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड से संबंधित कंपनी है। मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2014-15 और 2015-2016 के दौरान सोल्वे एसए की याचिकादाता की कंपनी में शेयरधारिता 25.10% है। इस तथ्य को नोट किया जाए कि सोल्वे पेरोक्सी थाई कंपनी लिमिटेड जो कि संबद्ध वस्तुओं की प्रमुख निर्यातक हैं, सोल्वे एस की 100% स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी है।
- (घ) मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड, मेसर्ज बम्बई डाईग एंड मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड और सोल्वे एसए के बीच एक संयुक्त उद्यम है। वार्षिक रिपोर्ट से भी ऐसा पता चलता है कि सोल्वे एसए याचिकादाता कंपनी की एक प्रवर्तक है। तथ्यों की समग्र शृंखला से यह स्पष्ट होता है कि नियम 2 (ख) के स्पष्टीकरण

- (1) में संबंध का मुद्दा शामिल है क्योंकि थार्डलैंड में दोनों प्रमुख निर्यातिक तथा उत्पादक याचिकादाता पर सोल्वे एसए नामक तृतीय पक्षकारा द्वारा नियंत्रण रखा जा रहा है।
- (ङ) वर्तमान मामले में सोल्वे एसए, मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड को वैध के साथ-साथ प्रचालन दोनों रूप से प्रतिबंधित करने की सुदृढ़ स्थिति में है। इन दो तथ्यों से समग्र शृंखला पूरी हो जाती है कि सोल्वे एसए, याचिकादाता कंपनी की प्रवर्तक है और कंपनी में उसकी शेयरधारिता 25.10% होने के साथ-साथ वह प्रोद्योगिकी की आपूर्तिकर्ता भी है तथा सोल्वे एसए निर्यातिक होने के साथ-साथ प्रोद्योगिकी की आपूर्तिकर्ता की 100% धारक कंपनी भी है।
- (च) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 114 में उल्लेख है कि कंपनी अपने जटिल व्यवयायिक मामलों के लिए विशेष संकल्प तभी पारित कर सकती है, यदि उसके पक्ष में दिए गए मत, संकल्प के विरोध में दिए गए मतों की संख्या से तीन गुना से कम नहीं हों। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसकी कंपनी में शेयरधारिता 25% से अधिक है, वह किसी भी विशेष संकल्प को रोक सकता है अथवा अवरुद्ध कर सकता है। इसी एक कारण से सोल्वे पेरोक्सी थार्ड ने मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड में 25.10% से अधिक शेयर अधिप्राप्त किए हुए हैं, जो कि मुख्य सीमा से मामूली अधिक हैं।
- (छ) घरेलू उद्योग ने वर्तमान जांच को शुरू करवाने के प्रयोजन से नियम 2 (ख) के अतर्गत अपनी अर्हता के संबंध में संबद्ध सूचना प्रकट नहीं करके प्राधिकारी को जानबूझ कर भ्रमित किया हुआ है। प्राधिकारी को इस मुद्दे पर कि क्या याचिकादाता घरेलू उद्योग के बतौर योग्य था अथवा नहीं, अपने विवेकानुसार कार्रवाई करने का अवसर नहीं मिला है।
- (ज) वर्तमान आवेदन-पत्र मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड और मेसर्ज हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है। क्षति का निर्धारण दोनों कंपनियों के आर्थिक प्राचलों के आधार पर किया गया है। लेकिन वास्तविकता यह है हाईड्रोजन पेरोक्साईड का विनिर्माण, एचओसीएल के कोची संयंत्र में किया जाता है और एचओसीएल विगत अनेक वर्षों से रुग्ण यूनिट रहा है।
- (झ) एचओसीएल के प्रबंधन ने बीआईएफआर को यह सूचित किया है कि कंपनी को समाप्त कर दिया जाएगा। समाप्त कर दिए जाने के एचओसीएल के निर्णय से याचिकादाता को आवेदन-पत्र वापस ले लेना चाहिए क्योंकि पाटन-रोधी शुल्क लगाने का समग्र उद्देश्य निष्फल हो जाएगा।
- (ज) पाटन-रोधी नियमावली में संबंधित पक्षकार की परिभाषा बहुत स्पष्ट नहीं है। जबकि सीमा-शुल्क अधिनियम में उल्लिखित परिभाषा अधिक परिशुद्ध है, जिसमें बताया गया है कि यदि किसी कंपनी के अन्य कंपनी में 5% से अधिक शेयर हैं, तो उसे संबंधित पक्षकार माना जाएगा।
- (ट) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (6) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार सहयोगी कंपनी वह है, जिसकी अन्य कंपनी की कुल पूँजी शेयरों में न्यूनतम शेयरधारिता 25% है। सोल्वे की आवेदक कंपनी में शेयरधारिता लगभग 25.10% है। साथ ही सोल्वे उच्च कोटि के हाईड्रोजन पेरोक्साईड का निर्माण भी करती है और उसे इनटेरोक्स के ब्रांड नाम से बेचती है।
10. प्रकटन विवरण जारी करने के बाद उत्पादकों/निर्यातिकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) निर्यातिकों ने सोल्वे के मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड से संबंधित पक्षकार होने, कंपनी में उसकी शेयरधारिता 25% होने, कंपनी की प्रवर्तक होने, उसके पास विशेष संकल्प को अवरुद्ध करने की शक्ति होने, मेसर्ज नेशनल पेरोक्साईड लिमिटेड पर कानूनी प्रचालनात्मक नियंत्रण होने तथा घरेलू उद्योग के बतौर उसके अयोग्य होने के बारे में अपने तर्कों को दोहराया है।

- (ख) एनपीएल ने सोल्वे, बेल्जियम और मेसर्ज लेपोर्ट, यूके के साथ सहयोग करने का करार किया है और एनपीएल ने सोल्वे, बेल्जियम को प्रोद्योगिकी का अंतरण करने के लिए अत्यधिक राशि का भुगतान किया है।
- (ग) एनपीएल ने सहयोग करार, शेयरधारिता करार, तकनीकी जानकारी करार और संस्था के अंतर्नियम प्रस्तुत नहीं किए हैं। इसके अतिरिक्त सोल्वे द्वारा हितबद्ध पक्षकार को दिए बगैर, पत्र प्रस्तुत करना कोई महत्व नहीं रखता है।
- (घ) हाल ही में प्यूरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड की जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी ने रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मात्र इस कारण से घेरेलू उद्योग नहीं माना है कि उसकी मलेशिया में एक सहायक कंपनी है और उसने जांच अवधि के दौरान भारत को अत्यधिक मात्रा में वस्तुओं के निर्यात किए थे।
- (ङ) पोलिएस्टर स्टेपल फाईबर की हाल ही की प्रारंभिक जांच में प्राधिकारी ने रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मात्र इस कारण से घेरेलू उद्योग नहीं माना है कि उसकी मलेशिया में एक सहायक कंपनी है और उसने जांच की प्रस्तावित अवधि में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं।
- (च) लेखाकरण मानक 18 में संबंधित पक्षकारों की परिभाषा उल्लिखित है और इस परिभाषा के अनुसार एक संबंधित पक्षकार को अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से कंपनी पर नियंत्रण रखने के अनेक अधिकार प्राप्त होते हैं।
- (छ) एनपीएल ने जानबूझ कर इनके बारे में याचिका में सूचना प्रदान नहीं की है और गलत घोषणा की है, जो कि आपराधिक अवमानना के बराबर होती है।
- (ज) मुद्दा यह नहीं है कि निदेशक मंडल में सोल्वे का कोई सदस्य शामिल है, बल्कि मुद्दा यह है कि एनपीएल एक विदेशी निवेशक अथवा निर्यातक से संबंधित है अथवा एक संयुक्त उद्यम है।
- (झ) प्राधिकारी ने ऐसा निर्णय करने का कोई कानूनी आधार नहीं दिया है कि चूंकि सोल्वे का कोई भी सदस्य निदेशक मंडल में शामिल नहीं है, इसलिए वह विशेष संकल्प को अवरुद्ध करने की स्थिति में नहीं हैं। इस कारण मात्र से कि निदेशक मंडल में कंपनी का कोई सदस्य शामिल नहीं है, विशेष संकल्प को अवरुद्ध करने की उनकी शक्तियों की अनदेखी नहीं की जा सकती है।
- (ज) ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि कंपनी के सदस्य के निदेशक मंडल में शामिल होने से ही वह उसको प्रतिबंधित अथवा नियंत्रित रख सकती है।
- (ट) 14 मार्च, 2017 को हुई मौखिक सुनवाई के दौरान कंपनी के प्रबंध निदेशक ने पहली बार उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए पत्र का जिक्र किया था। पहले आयोजित किसी भी सुनवाई में ऐसा नहीं बताया गया था और न ही प्रकटन विवरण में ऐसे किसी पत्र का कोई उल्लेख किया गया है। ऐसे पत्र को रिकार्ड के लिए सार्वजनिक फाईल में भी नहीं रखा गया है। ऐसे विलंबित चरण में किसी भी नए दस्तावेज को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। स्टेनलैस स्टील के मामले में प्राधिकारी ने पीएसयू द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को इस आधार पर स्वीकार नहीं किया था कि इसे सार्वजनिक सुनवाई होने के चरण के बाद प्रस्तुत किया गया था। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे अपने दृष्टिकोण में सुसंगति बनाए रखें।
- (ठ) प्रकटन विवरण में एनपीएल के सदस्य के रूप में सोल्वे के बीच संबंध होने के बारे में किसी भी मुद्दे का उल्लेख नहीं है। साथ ही प्रकटन में इस मुद्दे का निदान भी निहित नहीं है कि 85% आयात मेसर्ज सोल्वे पेरोक्सी थाई कंपनी लिमिटेड द्वारा किए गए हैं, जो कि उसकी संबंधित कंपनी है।
11. घेरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:

- (क) याचिका मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड एंड मेसर्ज हिंदुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि. (याचिकादाता /आवेदक के रूप में संदर्भित) द्वारा दायर और गुजरात अल्कालीज एंड केमिकल्स लिमिटेड द्वारा समर्थित की गई है। समर्थक सहित याचिकादाता भारत के उत्पादन हिस्से का 96.02 प्रतिशत धारित करते हैं।
- (ख) अकेले याचिकादाताओं का उत्पादन समान वस्तु के भारतीय उत्पादन का प्रमुख भाग है और याचिकादाता ओं के पास घरेलू उद्योग के रूप में संबंधित उत्पादन के लिए वर्तमान याचिका दायर करने के लिए पर्याप्त आधार है।
- (ग) याचिकादाता ने जांच की अवधि में संबद्ध वस्तु का न तो आयात किया है और न ही वह (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से) संबद्ध देशों में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित है। याचिकादाता ओं के पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार वर्तमान याचिका दायर करने के पर्याप्त आधार हैं।
- (घ) साल्वी एसए थाइलैंड में एक संबद्ध उत्पादक है और उनकी नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड में 25.10 प्रतिशत शेयरधारिता है। इसके बावजूद मेसर्ज एनपीएल और थाई निर्यातक (साल्वे पेरॉक्सी थाई लिमिटेड) को संबंधित कंपनियां नहीं माना जा सकता। नियम 2(ख) के तहत संबंधित पक्षकारों की परिभाषा के अनुसार (1) न तो नेशनल पेरॉक्साइड न ही साल्वे पेरॉक्साइड थाई लिमिटेड एक-दूसरे को नियंत्रण करने की स्थिति में है, (2) एक साथ, ये दोनों कंपनियां किसी तीसरी कंपनी द्वारा नियंत्रित नहीं की जाती हैं।
- (ङ) यह नोट करना उपयुक्त होगा कि 25.10 प्रतिशत शेयरधारिता के बावजूद, साल्वे का नेशनल पेरॉक्साइड के निदेशक मंडल में एक भी व्यक्ति नहीं है। इसे एनपीएल की वार्षिक रिपोर्ट में देखा जा सकता है जिसमें सभी निदेशकों का विवरण दिया गया है। यह तथ्य इस बात को स्पष्ट करता है कि साल्वे एसए का नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड पर कोई विधिक या प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है।
- (च) अन्य हितबद्ध पक्षकारों का तर्क कि याचिकादाता ने प्राधिकारी को भ्रमित करने के अभिप्राय से इस तथ्य को छिपाने का प्रयास किया है, पूरी तरह से आधारहीन है। याचिकादाता ने प्राधिकारी से कभी भी इस तथ्य को नहीं छिपाया है कि साल्वे एसए की मेसर्ज एनपीएल में शेयर धारिता है। वास्तव में, याचिकादाता ने प्राधिकारी को पत्र और आवेदन प्रस्तुत किए हैं और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी और वार्षिक रिपोर्टों को संदर्भित किया है। इसके अतिरिक्त, स्वयं वार्षिक रिपोर्ट याचिका का भाग थी।
- (छ) साल्वे एसए की शेयरधारिता का तथ्य मेसर्ज एनपीएल की वार्षिक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है। अतः, अन्य हितबद्ध पक्षकारों का आरोप कि जांच आरंभ करने के समय प्राधिकारी से यह तथ्य छिपाया गया था, पूरी तरह से आधारहीन है। निर्यातक और याचिकादाता के बीच कोई संबंध नहीं है और इस प्रकार, प्राधिकारी को उनके विवेकाधिकार लागू करने से रोकने का प्रश्न नहीं उठता।
- (ज) केवल यह तथ्य कि विशेष समाधान के लिए वोटिंग अधिकार का 3/4 भाग जरूरी है, स्थिति को भिन्न नहीं बनाता। प्राधिकारी क्षति अवधि के दौरान याचिकादाता द्वारा पारित सभी विशेष समाधानों की जांच कर सकते हैं। साल्वे एसए द्वारा 25.10 प्रतिशत शेयरधारिता रखने के बावजूद, कंपनी के प्रचालन इसे स्वामित्व और शेयरधारिता से पूरी तरह से पृथक बना रहे हैं।
- (झ) वर्तमान मामले के लिए विशेष समाधान की कोई आवश्यकता नहीं है। पाटनरोधी नियमावली के संदर्भ में, चूंकि, प्रासंगिक मुद्दा पाटन के कारण क्षति अर्थात् घरेलू उद्योग के दैनिक प्रचालन है, विशेष समाधान की जरूरत और बाध्यताएं पूर्ण रूप से अप्रासंगिक हो जाते हैं।
- (ञ) सर्कुलर वीविंग मशीन मामले में, निर्यातक कंपनी की याचिकादाता कंपनी में 34.67 प्रतिशत शेयरधारिता थी। निर्यातक एक प्रोमोटर और प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ता भी थे। इसके बावजूद प्राधिकारी ने निर्णय दिया कि निर्यातक और याचिकादाता संबंधित नहीं थे क्योंकि उनका एक-दूसरे पर कोई विधिक या प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है। तथापि, वर्तमान मामले में शेयरधारिता बहुत निम्न है। यह तथ्य कि निर्यातक कंपनी के प्रोमोटर हैं, इस तथ्य को पीओआई और सर्वाधिक क्षति अवधि में पाटन के संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है। एनपीएल को कई वर्षों पहले प्रोमोट किया गया था और कुछ दशकों पहले प्रौद्योगिकी की आपूर्ति की गई थी। अतः, आज इस तथ्य का कोई परिणाम नहीं है।
- (ट) पाटन-रोधी नियमावली स्पष्ट रूप से शब्द "संबंधित पक्षकार" को परिभाषित करती है और संबंधितों के बारे में परिभाषा के रूप में एक विशेष कानूनी प्रावधान उपबंध अंतर्निहित करती है। इसलिए वर्तमान प्रयोजनार्थ कोई अन्य परिभाषा लागू नहीं की जा सकती।

- (ठ) इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि एचओसीएल एक समास या बीमार कंपनी है। दोनों कंपनियों की क्षति संबंधी जानकारी पृथक-पृथक उपलब्ध कराई गई है और जो यह प्रमाणित करती है कि चाहे एचओसीएल को शामिल न किया जाए, अकेले एनपीएल से संबंधित डाटा यह दर्शाने के लिए पर्याप्त है कि घरेलू उद्योग क्षति झेल रहा है।
12. प्रकटीकरण विवरण जारी करने के पश्चात, घरेलू उद्योग के निवेदन निम्नानुसार हैं:
- (क) प्राधिकारी ने चीन से सर्कुलर वीविंग मशीन के मामले में यह निर्णय दिया था कि चाहे घरेलू उद्योग का विदेशी कंपनी के साथ 35 % शेयर था, जो एकमात्र जांचाधीन देश से विचाराधीन उत्पाद की एकमात्र निर्यातक कंपनी का स्वामी है, यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग संबद्ध निर्यातक से संबंधित नहीं था।
- (ख) संबंध के मुद्दे को केवल जांच अवधि में निर्धारित किया जाना आवश्यक है। अब यह भली भांति निर्धारित की गई कानूनी स्थिति है कि सिर्फ जांच अवधि में किसी कंपनी द्वारा किए गए आयात, उसकी पाव्रता को निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक हैं। सिद्धांतों के अनुसरण में, किसी भारतीय घरेलू उत्पादक के तीसरे देश में किसी कंपनी के साथ संबंध, जिसके संबद्ध देश में किसी विदेशी उत्पादक के साथ संबंध हो सकते हैं, को भी केवल जांच अवधि में देखा जाना अपेक्षित है। यह अविवादास्पद है कि साल्वे की मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड में 25.1 प्रतिशत शेयरधारिता है और उन्हें कंपनी में शेयरधारकों के समस्त अधिकार प्राप्त हैं। लेकिन केवल 25.1 प्रतिशत शेयरधारिता होने का तथ्य उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड को नियंत्रित करने की स्थिति में नहीं रखता। दिनांक 19 मई, 2006 को साल्वे एसए ने यह कहते हुए मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड को त्यागपत्र भेजा था कि सा वह केवल वित्तीय शेयरधारक के रूप में सीमित रहना चाहेगा। कंपनी के दैनिक प्रचालन, पूरी तरह से कंपनी के निदेशक मंडल के अधिकार-क्षेत्र के अंतर्गत होते हैं और साल्वे एसए का कोई सदस्य वर्ष 2006 के बाद से निदेशक मंडल का भी भाग नहीं था।
- (ग) वित्तीय शेयरधारक होने के कारण, साल्वे की भूमिका केवल वित्तीय लाभांश प्राप्त करने तक सीमित है। यह स्पष्ट है कि उनका कंपनी के दैनिक प्रचालनों पर कोई नियंत्रण नहीं है और उनकी भूमिका कंपनी के वित्तीय निदेशक से अधिक नहीं है।
- (घ) विधिक रूप से, जब भी कोई विशेष संकल्प पारित किया जाता है, वहां साल्वे की भूमिका होती है। किंतु पाटन-रोधी मामले का विशेष संकल्पों से कोई संबंध नहीं है। ऐसे कार्यों की एक सूची, जिन्हें सामान्य और विशेष संकल्पों की आवश्यकता होती है, प्राधिकारी को उनके संदर्भ के लिए उपलब्ध कराई गई है। इन संकल्पों की प्रकृति से यह देखा जा सकता है कि कोई भी विशेष संकल्प पाटन-रोधी से संबद्ध नहीं है।
- (ङ) यदि जहां तक जांच की अवधि के दौरान पारित सभी विशेष संकल्पों का संबंध है, यह देखा जा सकता है कि साल्वे ने पीओआई के दौरान न तो निदेशक मंडल और न ही किसी शेयरधारकों की बैठक में भाग लिया है, कंपनी उस कंपनी के किसी कार्य में न तो निर्देश देती है, न ही उसे नियंत्रित करती है, चाहे उसकी आवश्यकता दैनिक प्रबंधन निर्णयों के लिए हो या निदेशक मंडल के निर्णय या शेयरधारकों के निर्णय के लिए।
- (च) मात्र यह तथ्य कि विशेष संकल्पों को पारित करने के लिए मताधिकारों का 3/4 भाग जरूरी है, वर्तमान स्थिति में कोई मायने नहीं रखता क्योंकि जांच अवधि में साल्वे एसए द्वारा शेयरधारकों की किसी भी बैठक में भाग नहीं लिया गया था।
- (छ) पिछले 10 वर्षों से एनपीएल में कोई ईजीएम आयोजित नहीं हुई है और वर्ष 2013 के बाद से साल्वे ने किसी भी एजीएम में भाग नहीं लिया है।
- (ज) भारत में पाटन के विरुद्ध किसी कार्रवाई के बारे में निर्णय शेयरधारकों द्वारा नहीं लिया जाता है। पाटित आयातों के विरुद्ध निर्णय रोजमर्रा के प्रबंधन द्वारा लिया जाता है।
- (झ) नियर्तिकों द्वारा रोजमर्रा के आधार पर विभिन्न बाजारों में उत्पादन और विक्री का निर्णय, रोजमर्रा के प्रबंधन या सर्वोत्तम मुख्य कार्यपालकों/निदेशक मंडल द्वारा लिया जाता है।
- (ञ) वर्ष 2006 के बाद से, जिसमें क्षति अवधि भी शामिल है, मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड के निदेशक मंडल में साल्वे एसए का कोई भी सदस्य नहीं रहा है और इसकी संपुष्टि कंपनी के तुलन पत्रों से होती है।

- (ट) साल्वे और मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड के बीच कोई सहयोग करार नहीं है। सहयोग करार के अभाव में साल्वे, मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय को नियंत्रित करने की स्थिति में नहीं है। इस प्रकार, साल्वे एसए का मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड पर कोई माना गया नियंत्रण भी नहीं है।
- (ठ) जहां तक साल्वे को रायल्टी का भुगतान करने का प्रश्न है, यह नोट किया जा सकता है कि मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड ने वर्ष 2003 के बाद साल्वे को रायल्टी का कोई भुगतान नहीं किया है। वर्ष 2003 के बाद कंपनी ने तीन बार अपना निजी विस्तार किया है और उसने साल्वे से कोई प्रोद्योगिकी नहीं ली है और न ही उसे कोई रायल्टी का भुगतान किया है। मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड ने अप्रैल, 1997 से मार्च, 1998 तक की अवधि के लिए केवल वर्ष 2005 में रायल्टी का भुगतान किया था।
- (ड) किसी भी तरह, वर्तमान मामले में ऐसे अपात्र घरेलू उद्योग का कोई स्वतः बहिष्करण नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी स्थितियों में विवेकाधिकार प्राप्त होता है। वर्तमान मामले में शामिल किया जाना स्वचल और वांछनीय है। अंतर्वेश क्षति आकलन को विकृत नहीं करेगा। एनपीएल भारत में प्राधान्य रूप से सामान का निर्माण करता है, पाठन में भागीदारी नहीं करता है और वास्तव में बिना भेद-भाव के पाठित आयातों के विरुद्ध कार्रवाई करता है। यह ऐसा मामला नहीं है कि कंपनी ने पाठन के प्रभाव से स्वयं को बचाया है अथवा स्वयं क्षति की है। हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसा कोई कारण नहीं दिया है, जो एनपीएल के बहिष्करण को सही करार देता है और केवल संबंध के अभिप्राय के साथ आगे बढ़ता है। अब यह भली-भांति स्थापित कानूनी स्थिति है कि संबंधों का अभिप्राय केवल स्वतः बहिष्करण नहीं है। वास्तव में, सर्कुलर वीर्विंग मशीन मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विदेशी उत्पादक द्वारा उच्चतर शेयरधारिता के बावजूद घरेलू उत्पादक को एक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में विचारित किया है। इस निर्णय के प्रासंगिक सारांश एक बार फिर संलग्न किए जाते हैं।
- (इ) इसके अतिरिक्त, विधि के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेन-देन संबंधी उपबंध आगे स्थापित करते हैं कि नियंत्रण केवल तभी प्रभावी होता है, जब कोई उत्पादक दूसरे उत्पादक पर विधिक या प्रचालनात्मक रूप से नियंत्रण या निर्देश देने की स्थिति में हो।
- (ण) स्पष्टीकरण भी इसे प्रत्यक्ष रूप से बताता है कि यह उपबंध केवल तभी संगत है, जब ऐसा घरेलू उत्पादक अन्य उत्पादकों की तुलना में अलग तरीके से बर्ताव करता है।
- (त) किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा इस संबंध में कोई दस्तावेजी साध्य उपलब्ध नहीं कराया गया है जिससे पता चलता हो कि एनपीएल और थाई कंपनी दुरभि संधि में काम कर रहे थे।
- (थ) जहां तक प्राधिकारी को उसके विवेकाधिकार से वंचित रखने का प्रश्न है, यह कहा गया है कि विवेकाधिकार का प्रश्न केवल तभी उठता है, यदि याचिकादाता निर्यातक से संबंधित हो। इसके अतिरिक्त, मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड में शेयरधारिता का 25.1 प्रतिशत साल्वे के पास होने के तथ्य का कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है और ये वार्षिक रिपोर्टें याचिका की भाग थीं। इसलिए, जांच आरंभ होने के समय प्राधिकारी के समक्ष यह तथ्य प्रकट करने का आरोप निराधार है। अभी तक, किसी भी तरह, यह स्थापित नहीं किया गया है कि प्राधिकारी को एनपीएल को एक अपात्र घरेलू उद्योग मानना चाहिए।
- (द) एचओसीएल के संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों ने यह प्रक्षेपित करने में प्राधिकारी को भ्रमित किया कि एचओसीएल कंपनी को बेचा जा रहा है। तथ्य यह है कि केवल रासायनी यूनिट प्रचालनों को बेचा जा रहा है। जहां तक कोचीन यूनिट प्रचालनों का संबंध है, यह लगातार प्रचालन कर रही है और इसे बेचा नहीं जा रहा है। इस संबंध में आवेदनों के साथ कंपनी से एक ई-मेल भेजा गया है।
- (ध) पाठनरोधी नियम जैसे किसी कानून के प्रारूपण के लिए विधायिका के उद्देश्य को समझना महत्वपूर्ण है। यह बाजार के विनिर्माताओं के अधिकारों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रारूपित किया गया है, इसका उद्देश्य घरेलू बाजार में उत्पादकों/विनिर्माताओं को एक उचित बाजार उपलब्ध कराना है। तदनुसार, विधि के अंतर्गत दिए गए विवेकाधिकार के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सभी संगत उपबंधों का पाठन किया जाना चाहिए। प्राधिकारी को ऐसे घरेलू उत्पादकों को बहिष्कृत करने के लिए अधिकार दिए गए हैं, जो अन्य घरेलू उत्पादकों को याचिका दायर करने में सक्षम बनाने के लिए पाठन से स्वयं को लाभ पहुँचाते हैं।
- (न) पाठन-रोधी नियम एक विशेष कानून है और वाणिज्यिक कर अधिकारी, राजस्थान बनाम मेसर्ज विनानी सीमेंट लिमिटेड और अन्य (सिविल अपील संख्या 2003 की 336) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार

माननीय न्यायालय ने निर्णय दिया कि विशेष कानून को सामान्य कानून पर प्रभावी होना चाहिए। इस निर्णय को ध्यान में रखते हुए, संबंधित पक्षकारों और विधिक तथा प्रचालनात्मक नियंत्रण की संकल्पना की पाटन-धी नियम के संबंध में जांच की जानी चाहिए और न कि कानून के किसी अन्य सामान्य उपबंध के संबंध में।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. आवेदन-पत्र घरेलू उद्योग की ओर से मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड और मेसर्ज हिंदुस्तान आर्गेनिक्स केमिकल्स लि. द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया है। उक्त घरेलू उत्पादकों के अतिरिक्त, मेसर्ज गुजरात अल्कालीज एंड केमिकल्स लिमिटेड एक अन्य उत्पादक है और उसने वर्तमान आवेदन-पत्र का समर्थन किया है। आवेदक तथा समर्थक कंपनी ने यह बताते हुए घोषणा की है कि उन्होंने संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है और वे न तो संबद्ध देशों के किसी निर्यातक या उत्पादक अथवा न ही भारत में संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक से संबंधित हैं।

14. इस तर्क के संबंध में कि साल्वे एसए मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड से संबंधित है, यह नोट किया जाता है कि मेसर्ज साल्वे एसए मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड में 25.10 प्रतिशत की स्वीकृत शेयरधारिता के साथ थाइलैंड में एक संबद्ध उत्पादक है। पाटन-रोधी नियमावली की शब्दावली में घरेलू उत्पादक और निर्यातक के बीच संबंध को निर्धारित करने में मुख्य कारक "नियंत्रण" है, चाहे वह विधिक या प्रचालनात्मक। प्राधिकारी ने इस संदर्भ में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों को नोट किया है। यह टिप्पणी की गई है कि केवल इसलिए कि साल्वे एसए के मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड में 25.10 प्रतिशत शेयर हैं, यह प्रमाणित नहीं होता कि साल्वे एसए का दूसरी कंपनी पर प्रचालनात्मक नियंत्रण है। इसके अतिरिक्त, यह देखा गया है कि नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट में क्षति अवधि के दौरान नामित निदेशकों की सूची का उल्लेख किया गया है और एनपीएल के निदेशक मंडल के सदस्य में से कोई भी साल्वे द्वारा नामांकित नहीं किया गया है, जो प्रचालनात्मक नियंत्रण का साक्ष्य हो सकता था। घरेलू उद्योग ने मार्च, 2006 में साल्वे का एक पत्र मेसर्ज एनपीएल को प्रस्तुत किया है, जिसमें साल्वे ने मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड पर अपने प्रचालनात्मक नियंत्रण का त्याग किया है और स्वयं को वित्तीय शेयरधारक के रूप में सीमित किया है। हितबद्ध पक्षकार ने तर्क दिया है कि साल्वे को विशेष संकल्प को अवरुद्ध (ब्लॉक) करने का अधिकार प्राप्त है। तथापि, इस संबंध में टिप्पणी की गई है कि विशेष संकल्प को ब्लॉक करने का अर्थ यह नहीं है कि साल्वे को मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड पर प्रचालनात्मक नियंत्रण का अधिकार प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, इस तर्क के संबंध में कि साल्वे कंपनी की प्रवर्तक है, यह नोट किया जाता है कि प्रवर्तक की वर्तमान स्थिति से भी किसी प्रचालनात्मक या विधिक नियंत्रण का पता नहीं चलता है।

15. प्राधिकारी का मानना है कि एनपीएल पर साल्वे का विधिक या प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है और साल्वे, मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड पर किसी प्रभाव को लागू करने, निर्देश देने या नियंत्रण करने की स्थिति में नहीं है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादक के रूप में एनपीएल का व्यवहार इस प्रकार का नहीं था कि यह अनुमान लगाया जा सकता कि एनपीएल एक संबंधित कंपनी के रूप में व्यवहार करती है। प्राधिकारी का यह भी मानना है कि कंपनी के अधिनियम के अंतर्गत उपबंध अथवा विशेष संकल्प वर्तमान प्रयोजनों के लिए प्रासंगिक नहीं है।

16. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का यह मानना है कि मेसर्ज नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड नियम 2 (ख) के अर्थों के भीतर साल्वे पैरॉक्सी थाई कंपनी लिमिटेड से संबंधित नहीं है। इसके अतिरिक्त किसी भी घरेलू उत्पादक के बहिष्करण का औचित्य सिद्ध करने के लिए पर्याप्त आधार भी होना चाहिए। इसके प्रमाण होने चाहिए कि संबंधित घरेलू उत्पादक ने संबंधों के कारण अलग तरह से कार्य किया है या पाटन संबंधी कार्यों में भाग लिया है और ऐसे कदम उठाए हैं, जिनके परिणामस्वरूप स्व-प्रदत्त क्षति होती। वर्तमान मामले में, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

17. जहां तक एचओसीएल का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकार्ड में इस संबंध में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे पता चलता हो कि एचओसीएल की कोचीन यूनिट की बिक्री का प्रस्ताव किया गया है। विचाराधीन उत्पाद कंपनी के कोचीन संयंत्र में उत्पादित किया जाता है। घरेलू उद्योग ने कंपनी के कोचीन संयंत्र में विचाराधीन उत्पाद के निरंतर उत्पादन होने को दर्शने वाले प्रमाण प्रस्तुत किए हैं।

18. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और रिकार्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों के अनुसार, आवेदकों का उत्पादन, समान वस्तु के घरेलू उत्पादन की मात्रा में प्रमुख भाग है। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि आवेदक पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर पात्र घरेलू उद्योग है, आवेदक ऊपर नियमावली के नियम 5 (3) की शर्तों में स्थायित्व के मानदंड को संतुष्ट करते हैं और आवेदक कंपनियां वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पाटन-रोधी नियमावली में उल्लिखित घरेलू उद्योग की परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनती हैं।

गोपनीयता

19. गोपनीयता संबंधी सूचना के बारे में नियम 7 में निम्नानुसार व्यवस्था की गई है:

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसका सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना की अवज्ञा कर सकते हैं।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए आवेदन

- (क) घरेलू उद्योग आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने में असफल रहा है और उन्होंने एमएस एक्सेल फॉर्मेट में सौदा-वार आंकड़ों की सॉफ्ट कॉपी, निर्यात कीमत समायोजन संगणना और थाइलैंड के सामान्य मूल्य के परिकलन के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता रखे जाने का दावा किया है।
- (ख) उक्त जानकारी न उपलब्ध कराना घरेलू उद्योग के आवेदन प्रपत्र की अनुदेश संख्या 6 का स्पष्ट उल्लंघन है जो बताता है कि गोपनीय रूपांतरण में दायर दस्तावेज़/जानकारी के साथ अगोपनीय रूपांतरण भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए अन्यथा पूरी जानकारी की उपेक्षा की जाएगी और उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा। इस कारण से याचिका अस्वीकृत की जा सकती है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आवेदन

- (क) कारोबार-वार आंकड़ों को एक्सेल फाइल में उपलब्ध कराने की कोई आवश्यकता नहीं है। याचिकादाताओं ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई सभी अपेक्षाओं का अनुपालन किया है। प्राधिकारी के लिए सॉफ्ट प्रतियां प्रस्तुत करने की अनिवार्यता को घरेलू उद्योग पर प्रतिपक्ष हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी सॉफ्ट प्रतियां उपलब्ध कराने के लिए एक बाध्यता के रूप में पठित नहीं किया जा सकता।
- (ख) निर्यात कीमत संगणना गैर-गोपनीय रूपांतरण में प्रकट की गई है। निर्यात कीमत में समायोजन दर्शने वाले साक्ष्य व्यापार संबंधी संवेदनशील जानकारी है और सारांशिकरण के अधीन नहीं है। संगणना में कोई त्रुटि नहीं है और निर्दिष्ट प्राधिकारी दोबारा जांच कर सकते हैं।
- (ग) याचिकाकदाता ने केवल ऐसी सूचना की गोपनीयता का दावा किया है, जो गोपनीयता कानून के अंतर्गत सुरक्षित की गई है। सूचना के पर्याप्त अगोपनीय सारांशों को गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराया गया है,

सिवाय उनके जो सारांशीकरण के लिए सुग्राह्य नहीं थे। वास्तव में प्रतिक्रियाशील हितबद्ध पक्षकारों ने अत्यधिक गोपनीय सूचना का आश्रय लिया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. प्राधिकारी ने निर्णय दिया है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना गोपनीयता के दावे की पर्यासिता आवश्यकता को पूरा करती है और जहां भी जरूरी था, उन्होंने गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है। गोपनीय समझी जा रही सूचना को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय सूचना के पर्याप्त गैर-गोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के ऐसे अगोपनीय रूपांतरणों को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया है।
23. प्रतिपक्ष पक्षकारों के इस निवेदन के संबंध में कि सौदा-वार डीजीसीआईएंडएस आयात डाटा उपलब्ध कराया जाना चाहिए, प्राधिकारी ने टिप्पणी की कि घरेलू उद्योग ने दिनांक 22.01.2016 की याचिका के गैर-गोपनीय रूपांतरण के अनुसार उक्त डाटा प्रस्तुत किया है और इसे सार्वजनिक फाइल में रखा गया है।

विविध निवेदन

24. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) संबद्ध वस्तु के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक जीएसीएल ने उनकी असाधारण रूप से अच्छी बाजार स्थितियों और बहुत लाभों के कारण वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। उनकी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, क्षति अवधि के दौरान भी वे अपनी 100 प्रतिशत क्षमता का उपयोग कर रहे थे।
- (ख) एक अन्य उत्पादक एशियन पेरॉक्साइड लि., चेन्नई ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है किंतु उन्होंने 2007 में पाटनरोधन के लिए दायर पूर्व आवेदन में भाग लिया था।
- (ग) वर्तमान जांच पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के उल्लंघन के कारण आरंभ की गई थी। घरेलू उद्योग किसी भारी क्षति से आक्रान्त नहीं है। वास्तव में, सभी आर्थिक मापदंड बताते हैं कि उनका निष्पादन असाधारण है। क्षति का कारण कथित पाटन नहीं बल्कि अन्य कारक हैं।
- (घ) घरेलू उद्योग द्वारा जांच शुरूआत के समय तथ्यों को सही रूप में प्रकट नहीं किया गया था और प्राधिकारी को भ्रमित किया था।
- (ङ) शुल्क को लागू करना भारतीय प्रयोक्ताओं के लिए हानिकारक होगा। उन पर अतिरिक्त लागत वहन करने, बाजार की प्रतिस्पर्द्धा को सीमित करने और उच्च गुणवत्ता वाले सामान की कमी सृजित करने का दबाव होगा।
- (च) घरेलू उद्योग को क्षति का दावा निराधार, आधारहीन और कंपनी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट में दिए गए विवरणों के विपरीत है।
- (छ) जांच की अवधि गलत है। वर्तमान मामले में अपनाई गई जांच की अवधि अप्रैल, 2014 से जून, 2015 है। डीजीएडी द्वारा जारी की गई तत्कालीन मार्गनिर्देशों के अनुसार जांच की अवधि 12 महीने होनी चाहिए। कंपनी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट बताती है कि जांच की अवधि की पहली तिमाही के दौरान संयंत्र 61 दिनों के लिए बंद था और वाणिज्यिक उत्पादन 29 सितंबर, 2014 से आरंभ किया गया था।
- (ज) नेशनल टैरिफ कमीशन ऑफ पाकिस्तान ने बांग्लादेश से हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क 19.32 प्रतिशत की दर से लगाया था। उक्त निर्णय पर अपील की गई है और अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है।
- (झ) जांच अवधि के दौरान संयंत्र लगभग 6 महीने के लिए बंद रहा था और इसलिए उस समय सामग्री का आयात करना प्रयोक्ताओं के लिए अनिवार्य था। तदनुसार, आयातों की मात्रा के प्रभाव का मूल्यांकन करते समय संबद्ध देशों के लिए, आयात की मात्रा को भी संचयी रूप से घटाना/समायोजित किया जाना चाहिए क्योंकि इस अवधि के दौरान आयात जरूरी था।

- (ज) इस बंद के बाद भी पाकिस्तान से आयातों में वृद्धि नहीं हुई बल्कि यह आधार वर्ष में लगभग 31 प्रतिशत से घटकर पीओआई में लगभग 14 प्रतिशत रह गया। अतः पाकिस्तान से आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ा है।
- (ट) एनपीएल की लेखा परीक्षा रिपोर्ट बताती है कि कंपनी को विपरीत स्थिति का सामना करना पड़ा। इन सबके बावजूद, कंपनी जांच की अवधि के दौरान लाभ अर्जित करने में सक्षम रही है। क्षति से ग्रस्त होने का याचिकादाता का दावा लेखा परीक्षा रिपोर्ट से मेल नहीं खाता।
- (ठ) आंकड़े दर्शाते हैं कि सभी विपरीत स्थितियों के बावजूद जांच पश्च अवधि में एनपीएल ने वास्तव में अच्छा व्यापार किया है।
- 25. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**
- (क) सिर्फ इस कारण से कि जीएसीएल ने सूचना प्रस्तुत नहीं की है, याचिकादाता ओं को क्षति नहीं झेलनी चाहिए। आवेदक व्यापार का एक प्रमुख भाग हैं और कानूनी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। प्राधिकारी को कृपया निराधार अनुमानों पर भरोसा नहीं करना चाहिए और प्रमाणनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए।
- (ख) पाकिस्तान नेशनल टैरिफ कमीशन ने समान वस्तुओं के संबंध में बांग्लादेश के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाया है। केवल अपील दायर करने का कोई अर्थ नहीं है। निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष इस संबंध में दावा नहीं किया है कि कोई पाटन नहीं है।
- (ग) याचिकादाताओं ने ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया है कि जिसमें निर्यातकों ने वर्तमान मामले में पाटन की अनुपस्थिति का दावा किया है। इसके विपरीत, जब निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विशेष रूप से, मौखिक सुनवाई के समय पूछा था कि क्या डाटा पाटन को दर्शाते हैं, निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के प्रश्न को टाल दिया था।
- (घ) संयंत्र केवल 63 दिनों के लिए बंद रहा था और उत्पादन की हानि केवल 13,099 मी. टन थी। यह उस मात्रा तक आयातों को न्यायोचित नहीं ठहराता जिस तक वे भारत में आयात किए गए थे।
- (ङ) कंपनी आंतरिक कारकों से हानि का सामना नहीं कर रही थी। उत्पादन केवल 63 दिनों के लिए स्थगित रहा था। घरेलू उद्योग ने 63 दिनों के भीतर उत्पादन दोबारा आरंभ कर दिया था और संयंत्र ने उत्पादन के वाणिज्यीकरण के पहले माह में ही 92.75 प्रतिशत उपयोग कर लिया था।
- (च) प्राधिकारी ने जांच की शुरूआत करने के प्रयोजन से साक्ष्य की पर्यासिता और परिशुद्धता से संतुष्ट होने के बाद वर्तमान जांच आरंभ की थी।
- (छ) वर्तमान मामले में जांच अवधि पश्चात् पश्च आंकड़ों का कोई औचित्य नहीं है। प्राधिकारी ने नई जांच के प्रयोजनार्थ बार-बार निर्णय दिया है कि पीओआई पश्च परिवर्धन अप्रासंगिक है। इसके अतिरिक्त, सेस्टेट ने भी निर्णय दिया है कि पीओआई पश्च परिवर्धन प्राधिकारी के लिए संगत नहीं है।
- (ज) अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने जानबूझकर सार्वजनिक सुनवाई तक प्रतीक्षा की है ताकि वे घरेलू उद्योग की पात्रता पर आपत्ति कर सकें। ऐसी आपत्ति करने के लिए सार्वजनिक सुनवाई तक उनके पास पर्याप्त समय था।

प्राधिकारी द्वारा जांच

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न निवेदनों की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

26. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि जांच की शुरूआत पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) का उल्लंघन है, का कोई आधार नहीं है। वर्तमान जांच इस मानदंड को पूरा करने पर याचिकादाता के स्वयं संतुष्ट होने पर प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई है।
27. जीएसीएल द्वारा सूचना नहीं दायर करना वर्तमान आवेदक को अपात्र आवेदक नहीं बनाता, परंतु उत्पादक द्वारा सूचना दायर नहीं करना आवेदकों की पात्रता निर्धारित नहीं कर सकता, यदि आवेदक विधि के तहत निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करता है तथा प्रमुख अनुपात में है।

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि किया गया आयात अनिवार्य था क्योंकि संयंत्र छः माह के लिए बंद था, स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार संयंत्र केवल 63 दिनों के लिए बंद था और उत्पादन की हानि केवल 13,099 मी. टन की सीमा तक थी। संगत अवधि के दौरान कीमतों में अत्यधिक गिरावट के अतिरिक्त संगत अवधि के दौरान हुए आयात में उतनी ही वृद्धि को यह औचित्यपूर्ण नहीं ठहराता। लेकिन फिर भी प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति की जांच करते समय उत्पादन की हानि को समायोजित किया है।

29. इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि त्रुटिपूर्ण है, प्राधिकारी का मत है कि उत्पादन का निलंबन केवल 63 दिनों के लिए था। प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण करते समय उत्पादन की इस हानि का समायोजन किया है।

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एचओसीएल तथा एनपीएल, दोनों के लिए क्षति सूचना पृथक-पृथक उपलब्ध कराई गई थी और यह प्रमाणित करती है कि यदि एचओसीएल को बाहर कर दिया जाता है, तब भी अकेले एनपीएल से संबंधित आंकड़े, घरेलू उद्योग को हुई क्षति को सिद्ध करते हैं।

ड. बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

31. बांग्लादेश के निर्यातिकों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) याचिका स्वयं दर्शाती है कि सभी देशों की उत्तराई कीमतें बांग्लादेश को छोड़कर एनएसआर से कम हैं।
- (ख) समुदा के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना सही नहीं की गई है।
- (ग) पाटन मार्जिन विभिन्न दृष्टिकोणों से भिन्न-भिन्न हैं। यह देखना होगा कि तनशिम केमिकल्स पीओआई के दौरान भारत में पाटन नहीं करता। डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार, तनशिम केमिकल्स की ओर से कोई पाटन नहीं है।

प्रकटीकरण विवरण के जारी किए जाने के पश्चात अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) प्राधिकारी ने पहुंच मूल्य की गणना में सीमा-शुल्क निकासी पोर्ट हेतु बॉर्डर से माल-भाड़ा लागत पर विचार नहीं किया है, जबकि प्राधिकारी ने विभिन्न मामलों में इस पद्धति को लगातार अपनाया है। मेसर्ज डेसर्कॉन और मेसर्ज सितारा के लिए आयात पोर्ट, अमृतसर रेलवे पोर्ट है, परंतु प्राधिकारी ने वाधा/अटारी बॉर्डर तक ही माल-भाड़ा जोड़ा है। प्राधिकारी ने वाधा/अटारी बॉर्डर से अमृतसर रेलवे पोर्ट तक माल-भाड़ा नहीं जोड़ा है। इसे अंतिम जांच परिणाम में संशोधित किया जाना चाहिए।
- (ख) समुदा केमिकल्स के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना सही नहीं है। प्राधिकारी ने उन बिक्रियों, जिनमें निर्यात लैंडपोर्ट के जरिए किया गया था, में अंतर्देशीय माल-भाड़े के अतिरिक्त समुद्री माल-भाड़े की गणना की है। यदि समुद्री माल-भाड़े को घटाया जाता है तो निवल बिक्री मूल्य ***/मी. टन के बजाए ***/मी. टन बनेगा।
- (ग) समुदा केमिकल्स के लिए सामान्य मूल्य का पता लगाने के लिए जोड़ा गया ***% असाधारण लाभ मार्जिन पूरी तरह से तर्क संगत नहीं है। औचित्यपूर्ण लाभ मार्जिन के रूप में केवल 5 % संरचित सामान्य मूल्य प्राप्त करने के लिए लिया जाना चाहिए।
- (घ) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रति मी. टन कीमत की गणना करते समय काल्पनिक वित्तीय व्यय पर विचार किया है, परंतु लाभ के मार्जिन का पता लगाते समय प्राधिकारी ने इस प्रकार के काल्पनिक वित्तीय व्यय पर विचार नहीं किया है। यह काल्पनिक वित्तीय व्यय वसूलने के लिए अनौचित्यपूर्ण है।
- (ङ) प्राधिकारी ने सकल आधार पर संबद्ध उत्पाद संबंधी उत्पादन की लागत के लिए लाभ जोड़कर सामान्य मूल्य की गणना की है, जबकि निर्यात कीमत कारखाना बाह्य आधार पर गणना की गई है। यह विश्व व्यापार संगठन के करार के अनुच्छेद 2.4 के असंगत है। पाटन मार्जिन का पता लगाने के लिए प्रकटीकरण विवरण के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यापार के उसी स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना नहीं की है।

- (च) निर्दिष्ट प्राधिकारी की ओर से उत्पादन की कारखाना बाह्य लागत का पता लगाने के लिए काल्पनिक ब्याज जोड़ना और 7.98 % घनात्मक पाटन मार्जिन दर्शाना, बहुत अनुचित है।
- (छ) तनशिम केमिकल्स ने यह स्पष्ट किया है कि यह अपनी सहयोगी कंपनियों से ऋण लेती है तथा उस पर कोई ब्याज नहीं वसूला जाता है।
- (ज) प्राधिकारी का मानना है कि तनशिम केमिकल्स ने जांच अवधि के दौरान भारत में आयात नहीं किया, परंतु यह आश्चर्य चकित करने वाला है कि तनशिम के लिए क्षति मार्जिन *** % के बीच है।
- (झ) प्राधिकारी ने पाकिस्तानी निर्यातकों अर्थात डेसकॉन और सितारा के लिए भारतीय पोर्ट पर उत्तराई कीमत का पता लगाने के लिए 1 % बीमा लागत को ध्यान में नहीं रखा है।
- (ज) प्राधिकारी ने घरेलू बिक्री की बजाए समुदा केमिकल्स के लिए समग्र बिक्री हेतु प्रतिशतता अंकित करने पर विचार किया है, जो कि अनुचित है। सभी स्थानीय बिक्री कीमत एक ही है क्योंकि घरेलू नकद बिक्री के कारण समय-समय पर सीमा-शुल्क, उत्पाद-शुल्क और वैट प्राधिकारी से अनुमोदन लेना अपेक्षित है।
- (ट) प्राधिकारी ने यह आकलन करने के लिए कि क्या घरेलू बाजार में बेची गई वस्तुएं सामान्य व्यापार है, व्यवहार्यता जांच गलत ढंग से लागू की है।
- (ठ) प्राधिकारी ने खुले और पैक किए हुए रूप में इस जांच को लागू करके गलत तरीके से 80:20 जांच लागू की है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) निर्दिष्ट प्राधिकारी यदि परिकलन में अथवा पद्धति में कोई गलती पाते हैं, तो वे कृपया निर्दिष्ट प्राधिकारी समुदा की निवल निर्यात कीमत की पुनःपरिकलन करें।
- (ख) विभिन्न सान्दरण के लिए विभिन्न पाटन मार्जिन, विभिन्न किस्मों के लिए पृथक पाटन मार्जिन के लिए जरूरत को मात्र लागू करता है। तथापि, अनन्तिम पाटन मार्जिन का निर्धारण करना विचाराधीन उत्पाद के लिए अपेक्षित है।

प्रकटीकरण विवरण के जारी किए जाने के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) चूंकि उत्पाद पैक रूप में और खुले रूप में बेचा जाता है, इसलिए पाटन और क्षति मार्जिन की गणना, दोनों के लिए अलग-अलग की जाए।
- (ख) संबद्ध उत्पाद का संबद्ध देश से भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम पर किया जाता है, जिसके फलस्वरूप संबद्ध देश से पाटन होता है।
- (ग) पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन काफी हैं।
- (घ) मेसर्ज तनशिम केमिकल्स के लिए पाटन मार्जिन, मेसर्ज समुदा केमिकल्स की तुलना में काफी कम है। यहां तक कि जब दोनों कंपनियां, उसी देश से और उसी बाजार में बिक्री कर रही हैं।
- (ङ) यह मानते हुए कि कंपनी ने स्थल पर जांच किए जाने के पश्चात अपने उत्तर में कई बार संशोधन किए हैं, समुदा की प्रश्नावली के उत्तर अस्वीकृत किए जाने चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

32. निर्यातक द्वारा इस तर्के के संबंध में कि बॉर्डर से सीमा-शुल्क स्वीकृति पोर्ट तक माल-भाड़ा लागत पर उत्तराई मूल्य की गणना में विचार नहीं किया गया है, यह नोट किया जाता है कि निर्यातकों ने यह दर्शाने के लिए कि सीमा-शुल्क स्वीकृति का स्थान वाघा/अटारी बॉर्डर नहीं है, परंतु अमृतसर रेलवे स्टेशन है, कोई सामग्री उपलब्ध नहीं कराई है। इसके अतिरिक्त, डीजीसीआईएंडएस लेन-देन-वार आंकड़े भी अटारी रोड को आयात के पोर्ट के रूप में दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, देश के भीतर सामान की आवाजाही के लिए निर्यातकों द्वारा खर्च की गई माल-भाड़ा लागत को आयात की उत्तराई लागत में नहीं जोड़ा जा सकता, जबकि देश के भीतर सामान की आवाजाही पर घरेलू उद्योग द्वारा खर्च की गई माल-भाड़ा लागत घरेलू उत्पाद में नहीं जोड़ी गई है।

33. समुदा केमिकल्स द्वारा इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने उन बिक्रियों, जो लैंडपोर्ट के जरिए निर्यातित की गई थी, में अंतर्देशीय माल-भाड़े के अतिरिक्त समुद्री माल-भाड़े को घटाया है, यह स्पष्ट किया गया है कि माल-भाड़ा उनकी प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातिकों द्वारा दावा की गई सीमा तक ही घटाया गया है। कोई अतिरिक्त राशि नहीं जोड़ी गई है। निर्यातिक (मेसर्ज समुदा केमिकल्स) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े कंपनी के प्रतिनिधियों को दिखाए गए थे। जिस समय वे प्रकटीकरण पश्चात सुनवाई में भाग लेने के लिए आए थे, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि निर्यातिक द्वारा उपलब्ध कराए गए माल-भाड़ा आंकड़े केवल कटौती के लिए प्रयोग किए गए हैं। प्रकटीकरण विवरण जारी करने के पश्चात बाद के चरण पर समुदा केमिकल्स द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के नए सेट स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं, क्योंकि उसे पहले ही काफी अवसर दिए जा चुके हैं।

34. इस तर्क के संबंध में कि ***% का असामान्य लाभ मार्जिन समुदा केमिकल्स के लिए सामान्य मूल्य प्राप्त करने हेतु विचार किया गया है, यह नोट किया जाता है कि निर्यातिक द्वारा स्वयं प्रस्तुत किए गए परिशिष्ट-7 के अंतिम रूपांतरण से आंकड़े प्राप्त किए गए हैं। तथापि, प्राधिकारी ने उत्पादन की लागत के लिए काल्पनिक ब्याज लागत जोड़ दी है, इसलिए लाभ मार्जिन पुनः निर्धारित किया गया है जो ***% प्रतिशत बनता है। निर्यातिक द्वारा किए गए दावे को ध्यान में रखते हुए ***% लाभ मार्जिन का प्रयोग अब पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए किया गया है।

35. इस निवेदन के संबंध में कि सभी स्थानीय बिक्रियां सांविधिक विनियमों के कारण एक हैं, यह नोट जाता है कि वर्तमान जांच में भाग लेने वाले एक देश के दो अन्य निर्यातिक हैं। इन दो अन्य उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना विभिन्न उपभोक्ताओं के लिए एक ही बिक्री कीमत नहीं दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, विचाराधीन उत्पाद ऐसी मद नहीं है, जिसके संबंध में कीमत, सरकारी प्राधिकारियों द्वारा प्रशासित की जाती है। तर्क/अनुरोध दोषयुक्त हैं और उनमें कोई गुण नहीं है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने केवल निर्यातिक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार किया है और तदनुसार, सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त, सभी तुलनाएं व्यापार के एक ही स्तर पर की गई हैं।

36. यह तर्क कि तनश्शिम केमिकल्स ने धारक को कोई निर्यात नहीं किया है, पूर्णतः गलत है। प्रकटीकरण पश्चात की गई सुनवाई के दौरान निर्यातिक का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता द्वारा इसे माना गया था।

37. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने घरेलू बाजार में बेची गई वस्तुओं का आकलन करने के लिए कि वह सामान्य व्यापार है, व्यवहार्यता जांच गलत ढंग से लागू की है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह पाटन-रोधी नियमावली के प्रावधानों के अनुसार है। यह एक स्वीकृत स्थिति है कि क्रृष्ण संबद्ध कंपनी का है और इसलिए ब्याज लागत कंपनी के बहीखातों में निकटस्थ दूरी से नहीं दर्शाई गई है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध वस्तुओं के खुले और पैक रूप में लागत और कीमत में काफी अंतर है तथा इसलिए व्यवहार्यता जांच दोनों रूपों के लिए उपयुक्त ढंग से पृथक-पृथक लागू की गई है।

नियमावली के अंतर्गत "सामान्य मूल्य"

38. सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) (ग) के अनुसार, वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" से अभिप्रेत है:

"व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित निर्यातिक देश या भू-भाग में खपत के लिए नियत हो, अथवा

जब निर्यातिक देश या भू-भाग के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न होई हो अथवा जब निर्यातिक देश या भू-भाग की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या भू-भाग से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्घम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

बशर्ते यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम के देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्घम के देश में उसकी कीमत के संबंध में किया जाएगा।"

39. लागत और कीमत में काफी अंतर को ध्यान में रखते हुए संबद्ध वस्तुओं की खुली और पैकड के लिए सामान्य मूल्य पृथक-पृथक निर्धारित किया गया।

पाकिस्तान में सामान्य मूल्य

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू किए जाने के परिणामस्वरूप पाकिस्तान के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं:

- (क) मेसर्ज सितारा पैराँक्साइड लि., पाकिस्तान
- (ख) मेसर्ज डेस्कॉन ऑक्सीकेम लि., पाकिस्तान

मेसर्ज सितारा पैराँक्साइड लि., पाकिस्तान के लिए सामान्य मूल्य

41. निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज सितारा संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। पाकिस्तान के घरेलू बाजार में जांच की अवधि के दौरान ईक्यू उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, सितारा पैराँक्साइड लि. ने **** मिलियन पीकेआर के सकल बीजक मूल्य के लिए **** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है जिसमें से **** मी. टन नगण्य मात्रा संबद्ध पक्षकारों को बेची गई थी।

42. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए 80/20 जांच की गई है और कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में लाभ योग्य बिक्री का प्रतिशत निर्धारित किया गया है। लाभ योग्य बिक्री प्रतिशत कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से कम निर्धारित किया गया है ताकि सामान्य मूल्य निर्धारित करने में केवल लाभ योग्य बिक्री को ध्यान में रखा गया है। पसंद दर पसंद आधार पर तुलना की सुविधा के लिए खुली और पैक, दोनों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। करों, छूट, कमीशन, अंतर्देशीय माल-भाड़ा और ऋण लागत के कारण समायोजनों का दावा किया गया है और अनुमति दी गई है।

43. पैक की हुई मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है और खुली मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है। भारित औसत सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है।

मेसर्ज डेस्कॉन ऑक्सीकेम लि., पाकिस्तान के लिए सामान्य मूल्य

44. निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज डेस्कॉन ऑक्सीकेम लि. संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। पाकिस्तान के घरेलू बाजार में जांच की अवधि के दौरान ईक्यू उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, डेस्कॉन ऑक्सीकेम लि. ने **** मिलियन पीकेआर के सकल बीजक मूल्य के लिए **** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है जिसमें से **** मी. टन नगण्य मात्रा संबद्ध पक्षकारों को बेची गई थी।

45. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए 80/20 जांच की गई है और कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में लाभ योग्य बिक्री का प्रतिशत निर्धारित किया गया है। लाभ योग्य बिक्री प्रतिशत कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से कम निर्धारित किया गया है ताकि सामान्य मूल्य निर्धारित करने में केवल लाभ योग्य बिक्री को ध्यान में रखा गया है।

46. जांच की अवधि में घरेलू बिक्री पैक रूप में थी, इसलिए सामान्य मूल्य पैक रूप में निर्धारित किया गया है। खुले रूप में सामान्य मूल्य परिशिष्ट-8 में दी गई प्रति मी. टन पैकिंग लागत की कटौती करने के बाद निर्धारित की गई है। इसलिए सामान्य मूल्य पसंद दर पसंद आधार पर तुलना की सुविधा के लिए खुली और पैक, दोनों के लिए निर्धारित किया गया है। करों, छूट, कमीशन, इनलैंड माल-भाड़ा और ऋण लागत के कारण समायोजनों का दावा किया गया है और अनुमति दी गई है।

47. पैकड मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है और खुली मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है। भारित औसत सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है।

मेसर्ज एएसएम केमिकल्स लि., बांगलादेश के लिए सामान्य मूल्य

48. निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज एएसएम केमिकल्स लि., बांगलादेश संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है।

49. एएसएम लि. ने **** मिलियन बीडीटी सकल बीजक मूल्य के लिए संबद्ध वस्तुओं की **** मी. टन संबद्ध वस्तुएं बेची हैं। सभी घरेलू बिक्री असंबद्ध पक्षकारों को की गई थी।

50. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए 80/20 जांच की गई है और कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में लाभ योग्य बिक्री का प्रतिशत निर्धारित किया गया है। लाभ योग्य बिक्री प्रतिशत कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से कम निर्धारित किया गया है ताकि सामान्य मूल्य निर्धारित करने में केवल लाभ योग्य बिक्री को ध्यान में रखा गया है।

51. सामान्य मूल्य पसंद दर पसंद आधार पर तुलना की सुविधा के लिए खुली और पैक, दोनों के लिए निर्धारित किया गया है। ब्याज, बैंक प्रभार, इनलैंड माल-भाड़ा के कारण समायोजनों का दावा किया गया है और अनुमति दी गई है। पैकड मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है और खुली मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है। भारित औसत सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है।

मेसर्ज तनशिम केमिकल्स लि., बांगलादेश के लिए सामान्य मूल्य

52. निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज तनशिम केमिकल्स लि., बांगलादेश संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। तनशिम केमिकल्स लिमिटेड ने **** मिलियन बीडीटी के सकल बीजक मूल्य के लिए संबद्ध वस्तुओं की **** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। सभी घरेलू बिक्री असंबद्ध पक्षकारों को की गई थी।

53. सामान्य मूल्य पसंद दर पसंद आधार पर तुलना की सुविधा के लिए खुली और पैक, दोनों के लिए निर्धारित किया गया है। सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए 80/20 जांच की गई है और कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में लाभ योग्य बिक्री का प्रतिशत निर्धारित किया गया है। लाभ योग्य बिक्री प्रतिशत कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से कम निर्धारित किया गया है ताकि सामान्य मूल्य निर्धारित करने में केवल लाभ योग्य बिक्री को ध्यान में रखा गया है, जबकि खुली बिक्री के लिए लाभ योग्य बिक्री 100 प्रतिशत के लिए बंद कर दी गई थी इसलिए संपूर्ण बिक्री सामान्य मूल्य निर्धारित करने में ध्यान में रखी गई है। बैंक प्रभार, अंतर्देशीय माल-भाड़ा और कर के कारण समायोजनों का दावा किया गया है और अनुमति दी गई है।

54. पैक की हुई मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है और खुली मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है। भारित औसत सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है।

मेसर्ज समुदा केमिकल्स लि., बांगलादेश के लिए सामान्य मूल्य

55. निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज समुदा केमिकल्स लि., बांगलादेश संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। मेसर्ज समुदा केमिकल्स लि., बांगलादेश ने **** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। समुदा ने केवल मास्टर बीजक उपलब्ध कराया है और कई अवसर दिए जाने के बावजूद वैयक्तिक लेन-देन-वार बीजक उपलब्ध नहीं कराया है। दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि घरेलू बिक्री कीमत नकद में 50 प्रतिशत पैक बिक्री के लिए विभिन्न ग्राहकों को आपूर्ति के बावजूद सम्पूर्ण पीओआई के लिए वही थी। इस निर्यातक के बिक्री

आंकड़े अविश्वसनीय पाए गए हैं। तदनुसार, उनके मामले में सामान्य मूल्य उनकी प्रति मी. टन उत्पादन लागत (खुली और पैक बिक्री, दोनों के लिए) के परिशिष्ट-7 में इस कार्यालय द्वारा अनुमान लगाए गए लाभ मार्जिन को जोड़कर निर्धारित किया गया है।

56. पैक की हुई मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है और खुली मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है। भारित औसत आधार पर सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन बनता है।

मेसर्ज थाई पैरॉक्साइड कंपनी लिमिटेड, थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य

57. निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज थाई पैरॉक्साइड कंपनी लिमिटेड, थाइलैंड संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। मेसर्ज थाई पैरॉक्साइड लि. ने **** टीएचबी के सकल बीजक मूल्य के लिए **** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। केवल **** मी. टन घरेलू बिक्री संबद्ध पक्षकारों को की गई थी। उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य पसंद दर पसंद आधार पर तुलना की सुविधा के लिए खुली और पैक स्थिति में, दोनों के लिए निर्धारित किया गया है।

58. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए 80/20 जांच की गई है और कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में लाभ योग्य बिक्री का प्रतिशत निर्धारित किया जाता है। लाभ योग्य बिक्री प्रतिशत पैक की हुई बिक्री के लिए कुल बिक्री के 80 प्रतिशत से कम निर्धारित किया गया है इसलिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने में केवल लाभ योग्य बिक्री को ध्यान में रखा गया है, जबकि खुली बिक्री के लिए लाभ योग्य बिक्री 80 प्रतिशत से अधिक लिए थी इसलिए संपूर्ण बिक्री सामान्य मूल्य निर्धारित करने में ध्यान में रखी गई है। अंतर्देशीय माल-भाड़ा और ऋण लागत के कारण समायोजनों का दावा किया गया है और अनुमति दी गई है।

59. पैक की हुई मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है और खुली मात्रा के लिए सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन निर्धारित किया गया है। भारित औसत पर सामान्य मूल्य अमरीकी डालर **** प्रति मी. टन बनता है।

इंडोनेशिया, कोरिया और ताइवान के लिए सामान्य मूल्य

60. इंडोनेशिया, कोरिया और ताइवान के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की कीमत की सूचना/साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने तथा इन देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के सहयोग नहीं करने को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने उत्पादन की लागत के बेहतर अनुमानों, और औचित्यपूर्ण लाभ के आधार पर उपरोक्त संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

च. निर्यात कीमत के अनुमान

61. सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) (ख) के अनुसार, वस्तु के संबंध में "निर्यात कीमत" से अभिप्रेत है:-

(ख) किसी वस्तु के संबंध में "निर्यात कीमत" का तात्पर्य निर्यातिक देश या क्षेत्र से निर्यातित वस्तु की कीमत से है अथवा ऐसे मामलों में जहाँ कोई निर्यात कीमत नहीं है अथवा जहाँ निर्यातिक और आयातक अथवा किसी तीसरे पक्षकार के बीच सहयोग या किसी प्रतिपूरक व्यवस्था के कारण निर्यात कीमत अविश्वसनीय है, वहाँ निर्यात कीमत का परिकलन उस कीमत के आधार पर किया जा सकता है जिस कीमत पर आयातित वस्तुओं की प्रथम पुनः बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को की जाती है और यदि उक्त वस्तु की बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को नहीं की जाती है अथवा आयातित रूप में उसकी पुनः बिक्री नहीं की जाती है, वहाँ उसका परिकलन ऐसे उचित आधार पर किया जाता है जैसा कि उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाए;

सितारा पैरॉक्साइड लि., पाकिस्तान के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना

62. उत्पादक/निर्यातक ने अमरीकी डालर ****/मी. टन की भारित औसत निवल निर्यात कीमत पर, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर खुली, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर पैकड, **** मी. टन हाइड्रोजन पैरॉक्साइड पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए अंतर्देशीय माल-भाड़ा और बैंक प्रभारों को ध्यान में रखा गया है।

डेस्कन ऑक्सीकेम लि., पाकिस्तान के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना

63. उत्पादक/निर्यातक ने अमरीकी डालर ****/मी. टन की भारित औसत निवल निर्यात कीमत पर, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर खुली, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर पैकड, (****) मी. टन हाइड्रोजन पैरॉक्साइड पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए अंतर्देशीय माल-भाड़ा, कमीशन, सीमा-शुल्क, संभाल प्रभार और बैंक प्रभारों को ध्यान में रखा गया है।

पाकिस्तान से गैर-सहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाकिस्तान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। पाकिस्तान में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर अमरीकी डालर ****/मी. टन निवल निर्यात कीमत निर्धारित की है।

मेसर्ज एएसएम केमिकल्स लि., बांग्लादेश के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना

65. एएसएम केमिकल्स ने अमरीकी डालर ****/मी. टन की भारित औसत निवल निर्यात कीमत पर, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर खुली, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर पैकड, **** मी. टन हाइड्रोजन पैरॉक्साइड पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए अंतर्देशीय माल-भाड़ा और बैंक प्रभारों को ध्यान में रखा गया है।

मेसर्ज तनशिम केमिकल्स लि., बांग्लादेश के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना

66. तनशिम केमिकल्स ने अमरीकी डालर ****/मी. टन की भारित औसत निवल निर्यात कीमत पर, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर खुली, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर पैकड, **** मी. टन हाइड्रोजन पैरॉक्साइड पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए अंतर्देशीय माल-भाड़ा, बैंक प्रभारों, कराधान तथा संभाल प्रभारों को ध्यान में रखा गया है।

मेसर्ज समुदा केमिकल्स, बांग्लादेश के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना

67. थाई समुदा केमिकल्स ने अमरीकी डालर ****/मी. टन की भारित औसत और पैकड निवल निर्यात कीमत पर **** मी. टन हाइड्रोजन पैरॉक्साइड पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए समुद्री माल-भाड़ा, अंतर्देशीय माल-भाड़ा, ऋण लागत और बैंक प्रभारों को ध्यान में रखा गया है।

बांग्लादेश से असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत की गणना

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बांग्लादेश के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। बांग्लादेश में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर अमरीकी डालर ****/मी. टन निवल निर्यात कीमत निर्धारित की है।

मेसर्ज थार्ड पेरॉक्साइड लि., थाइलैंड के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना

69. थार्ड पेरॉक्साइड लि. ने अमरीकी डालर ****/मी. टन की भारित औसत निवल निर्यात कीमत पर, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर खुली, अमरीकी डालर ****/मी. टन पर पैकड, **** मी. टन हाइड्रोजन पेरॉक्साइड पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए समुद्री माल-भाड़ा, समुद्री बीमा, अंतर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा तथा बैंक प्रभारों को ध्यान में रखा गया है।

थाइलैंड से असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत की गणना

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाइलैंड के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। थाइलैंड में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर अमरीकी डालर ****/मी. टन निवल निर्यात कीमत निर्धारित की है।

ताइवान, कोरिया और इंडोनेशिया की निर्यात कीमत

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताइवान, कोरिया और इंडोनेशिया के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। इसलिए ताइवान, कोरिया और इंडोनेशिया में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए माल-भाड़ा, बीमा आदि के लिए आवश्यक समायोजन करने के पश्चात डीजीसीआईएंडएस निर्यात कीमतों के आधार पर क्रमशः ताइवान के लिए **** प्रति मी. टन तथा इंडोनेशिया के लिए भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की है।

पाटन मार्जिन

72. यथा-निर्धारित उपरोक्त सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों की तुलना करते हुए पीओआई के दौरान संबद्ध देशों के लिए निर्धारित किए जाने हेतु प्रस्तावित पाटन मार्जिन नीचे दिए अनुसार हैं:

देश	निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य अमेरिकी डॉलर/मी. टन	निवल निर्यात कीमत अमेरिकी डॉलर/मी. टन	पाटन मार्जिन अमेरिकी डॉलर/मी. टन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन % सीमा
इंडोनेशिया	सभी उत्पादक/निर्यातक	****	****	****	****	20-30
ताइवान	सभी उत्पादक/निर्यातक	****	****	****	****	40-50
कोरिया आरपी	सभी उत्पादक/निर्यातक	****	****	****	****	30-40
थाइलैंड	थाइ पेरॉक्सी लिमिटेड, थाइलैंड	****	****	****	****	25-35
	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	****	****	****	****	40-50

पाकिस्तान	सितारा पैरॉक्साइड लिमिटेड, पाकिस्तान	****	****	****	****	70-80
	डेस्कॉन आँक्सीकेम लिमिटेड, पाकिस्तान	****	****	****	****	60-70
	गैर-सहयोगी उत्पादक/नियांत्रिक	****	****	****	****	120-130
बांग्लादेश	समुदा केमिकल्स, बांग्लादेश	****	****	****	****	10-20
	तनशिम केमिकल्स, बांग्लादेश	****	****	****	****	0-10
	एएसएम केमिकल्स, बांग्लादेश	****	****	****	****	10-20
	असहयोगी उत्पादक/नियांत्रिक	****	****	****	****	40-50

क्षति और कारणात्मक संपर्क का निर्धारण

73. उत्पादकों/नियांत्रिकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

- क. क्षति और निर्दिष्ट आयात के बीच कोई कारणात्मक संपर्क नहीं है। घरेलू उद्योग लुगदी और कागज उद्योग में दिए गए इस प्रकार के विज्ञापनों के अनुसार अन्य कारकों की वजह से घरेलू उद्योग क्षति वहन कर रहा है।
- ख. सभी मात्रा प्राचलों ने याचिका में सुधार दर्शाया है। लाभप्रदता में गिरावट मात्र आयात के कारण नहीं हो सकती। कीमत कटौती पीओआई में तथा पिछले वर्षों में ऋणात्मक रही है।
- ग. संयंत्र लगभग पांच माह के लिए प्रभावी रूप से बंद था और इस समय के दौरान कोई वाणिज्यिक उत्पादन नहीं हुआ था। बंदी की लागत तथा नए संयंत्र के लिए उचित समायोजन किया जाना चाहिए।
- घ. संयंत्र बंद होने के कारण कोई वाणिज्यिक उत्पादन नहीं हुआ, इसलिए कंपनी अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण हानि उठा रही थी। घरेलू उद्योग विस्तार से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ।
- ड. उत्पादन बढ़ा हुआ दिखाकर याचिकादाता द्वारा किए गए समायोजन का कोई आधार नहीं है। संयंत्र बंद करने, जो पीओआई की सम्पूर्ण अवधि और शुरूआती लागत के अंतर्गत आता है, के लिए उचित समायोजन करने के लिए एनआईपी निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध है।
- च. कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट निष्पादन को प्रभावित करने वाले दो प्रमुख कारकों अर्थात् गेल के साथ दीर्घकालिक संविदा को रेखांकित करती हैं। कंपनी की लागत कञ्जे तेल की कीमतों में गिरावट के अनुरूप नहीं है क्योंकि कंपनी ने गेल के साथ दीर्घकालिक संविदा की है और दूसरे संयंत्र बंद था।
- छ. कंपनी ने जन सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि संविदा वास्तव में गेल और एनपीएल के बीच नहीं है, परंतु सामान्य रूप में गेल के लिए है। यह स्वयं वार्षिक रिपोर्ट में प्रकटीकरण को अस्वीकार करता है।
- ज. प्राधिकारी संविदा आमंत्रित कर सकता है और तथ्यों की जांच स्वयं कर सकता है। वे अपनी स्वयं की लेखा परीक्षा वार्षिक रिपोर्ट का विरोध कर रहे हैं और प्राधिकारी के समक्ष अपना मामला लड़ने के लिए तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं।
- झ. घरेलू उद्योग ने कोई क्षति वहन नहीं की है और यह इस तथ्य से प्रमाणित है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन, घरेलू बिक्री और क्षमता उपयोग आधार वर्ष की तुलना में बढ़ा है।

- ज. थाइलैंड से आयात में 5 प्रतिशत तक गिरावट आई है। सभी संबद्ध देशों से आयात में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में 14.9 प्रतिशत तक गिरावट आई है।
- ट. आवेदन में उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर, यह देखा जा सकता है कि कर्मचारियों की संख्या और मजदूरी में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की क्षमता बढ़ाई गई थी। अन्य उत्पादकों के उत्पादन और बिक्री में भी वृद्धि हुई है।
- ठ. यदि घरेलू उद्योग अब भी क्षति वहन कर रहा है तो यह मूल्यहास लागत, निश्चित लागत तथा ब्याज लागत में वृद्धि के कारण हो सकती है। कंपनी ने पीओआई के दौरान अपनी क्षमता बढ़ाई है। संयंत्र बंद होने के कारण उत्पादन बढ़ा है।
- ड. बांग्लादेश से आयात एनपीएल की तुलना में प्राकृतिक गैस की कम कीमत के कारण किया जा रहा था।
- ढ. गेल के साथ एनपीएल की दीर्घकालिक संविदा ने याचिकादाता ओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज केजी बेसिन से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। मांग कम होने के कारण एलएनजी का आयात भी कम हुआ है। यह कीमतों में अत्यधिक गिरावट के कारण नाफ्था जैसे द्रव्य ईंधनों के साथ इसकी घटी हुई प्रतिस्पर्द्धात्मक तुलना के कारण है।
- ण. कोच्चि टर्मिनल 5 प्रतिशत क्षमता के समीप प्रचालनरत है। यह भूमि अधिग्रहण की समस्याओं के कारण बैंगलोर को तमिलनाडु से जोड़ने के लिए गैस पाइप लाइन बिछाने के कारण प्रभावित हुआ है।
- त. कच्चे तेल की कीमतों में अत्यधिक गिरावट के कारण प्राकृतिक गैस बाजार में काफी परिवर्तन हुए हैं जिससे नाफ्था जैसे द्रव ईंधनों में अत्यधिक गिरावट आई है। चूंकि दीर्घकालिक गैस कीमतें नियंत्रण के साथ कच्चे तेल की कीमतों के 60 माह के औसत पर आधारित हैं और प्राकृतिक गैस की चालू स्पॉट कीमतें दीर्घकालिक संविदा कीमतों से काफी कम हैं।
- थ. कीमत क्षति खुले/पैक उत्पाद के आधार पर निर्धारित नहीं की जा सकती। घरेलू उद्योग का यह दावा कि कीमत कटौती क्रृष्णात्मक नहीं होगी, यदि खुले और पैक का पृथक रूप से विश्लेषण स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि कीमत कटौती का निर्धारण केवल खुले और पैकिंग आधार पर है और संयुक्त आधार पर शेष प्राचल कुछ नहीं है बल्कि पसंद और चयन का दृष्टिकोण है तथा प्राधिकारी से दृष्टिकोणों और तुलनाओं में समानता बरतने का अनुरोध है।
- द. एप्पल से एप्पल तुलना होनी चाहिए। घरेलू बाजार और निर्यात दोनों में बिक्री पीसीएन आधार में प्रस्तुत की गई है जिसमें तीन घटक अर्थात् उत्पाद, कंसंट्रेशन स्तर और पैकेजिंग की किस्म/स्वरूप/श्रेणी शामिल हैं। इस प्रकार, पाठन और क्षति की गणना किस्म आधार पर की जानी चाहिए।
- ध. बांग्लादेश से आयातों का उत्तराई मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में अधिक है। यह रूख सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान जारी रहा है और इसका कारण यह है कि बांग्लादेश से आयात की कीमत कटौती क्रृष्णात्मक रही है।
- न. बांग्लादेश की उत्तराई कीमत अन्य देशों की तुलना में 10 प्रतिशत और घरेलू उद्योग की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है।
- प. सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान बांग्लादेश आयात के लिए कीमत कटौती क्रृष्णात्मक रही है। क्षति निर्धारण के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्राचल है। बांग्लादेश से आयात कुल आयात का 25 प्रतिशत है। थाइलैंड की कीमतें बांग्लादेश की कीमतों के लगभग समान हैं और थाइलैंड से कुल आयात 46 प्रतिशत है। चूंकि कुल आयात का 71 प्रतिशत घरेलू उद्योग की कीमत कटौती नहीं है और घरेलू उद्योग की उपरोक्त 20 प्रतिशत अधिक कीमतें इस प्रकार घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारण हो सकता है।
- फ. याचिका सुझाव देती है कि मांग आपूर्ति में भारी अंतर है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 93 प्रतिशत है। क्षमता उपयोग में सीमांत कमी आयात के कारण नहीं है। इस प्रकार के उद्योग 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग हासिल नहीं कर सकते। आयात, मांग आपूर्ति अंतर के कारण बढ़ा है।

प्रकटीकरण विवरण जारी करने के पश्चात उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या और वेतन में वृद्धि हुई है।
- (ख) निर्यातक ने संयंत्र बंद किए जाने के कारण क्षति के संबंध में गेल के साथ दीर्घकालिक संविदा, बांग्लादेश की क्रृष्णात्मक कीमत कटौती और घरेलू उद्योग को कोई विशेष क्षति का तर्क दोहराया है।
- (ग) हितबद्ध पक्षकारों/निर्यातकों/आयातकों ने ताइवान से न्यूनतम अथवा लगभग कोई आयात नहीं होने के संबंध में तर्क दोहराए हैं। अन्य संबद्ध देशों से आयातों की तुलना में ताइवान से आयात की मात्रा को ध्यान में रखते हुए अन्य देशों के आयातों के साथ ताइवान के संचयी आयातों को औचित्यपूर्ण नहीं ठहराया जाएगा।
- (घ) निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को ध्यान में रखते हुए अपने विवेक का प्रयोग करना चाहिए।
- (ङ) ताइवान से आयात न्यूनतम से कम थे, परंतु याचिकादाता ने इन्हें 3.7 प्रतिशत दर्शाया है और प्रकटीकरण विवरण में भी इसे देखा जा सकता है। इसकी जांच करने के लिए आयात विवरण की एक प्रति ताइवान सरकार को उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

- (क) घरेलू उद्योग पाटन के कारण क्षति वहन कर रहा है। तिमाही दर तिमाही आधार पर उद्योग के निष्पादन की जांच करने के लिए प्राधिकारी द्वारा अन्य कारकों की जांच की जा सकती है।
- (ख) घरेलू उद्योग पाटन के कारण क्षति वहन कर रहा है। तिमाही दर तिमाही आधार पर उद्योग के निष्पादन की जांच करने के लिए प्राधिकारी द्वारा अन्य कारकों की जांच की जा सकती है।
- (ग) जांच अवधि के दौरान तथा वाणिज्यिक उत्पादन पूरी तरह से शुरू होने के पश्चात घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है। जिस समय उत्पादन निलंबित किया गया था, उस समय घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बेहतर थी। जब पूरा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ, यह प्रतिकूल हो गई।
- (घ) घरेलू उद्योग अगली तिमाही में ही इष्टतम क्षमता उपयोग हासिल कर सकता था। इस तथ्य के बावजूद भी घरेलू उद्योग हानि वहन कर रहा था। इस प्रकार लाभप्रदता में गिरावट और देश में उत्पाद के पाटन के बीच स्पष्ट रूप से संबंध है।
- (ङ) फोरम ऑफ एक्रिलिक फाइबर मैन्युफैक्चरर्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी (अपील सं. सी/848 में अंतिम आदेश संख्या 34-35/2006-एडी दिनांक 02.08.2006) के मामले में सेसेट का निर्णय संदर्भित करना संगत और लाभपूर्ण होगा जो रेखांकित करता है कि लाभ नियोजित पूँजी पर आय और नकद लाभ अति महत्वपूर्ण क्षति प्राचल हैं।
- (च) बंद करने की अवधि के लिए लागत रेखांकन के संगत समायोजन किए गए हैं। यह मुद्दा जांच शुरू करने से पूर्व निदेशालय द्वारा उठाया गया था तथा इसकी जांच शुरू करने से पहले ही याचिकादाताओं द्वारा समाधान किया गया था।
- (छ) देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग सदैव बढ़ती और घनात्मक रही है।
- (ज) पाटन क्षति का अकेला कारण नहीं होना चाहिए। जहां पाटन अन्य घटकों सहित क्षति के कारणों के घटकों में से एक है, प्राधिकारी अन्य घटकों के कारण हुई क्षति को समाप्त करने के पश्चात पाटन के कारण क्षति करेंगे।
- (झ) निलंबन के कारण उत्पादन के प्रभाव की घरेलू उद्योग का उत्पादन उपयुक्त ढंग से बढ़ाकर प्राधिकारी द्वारा जांच की जा सकती है। याचिकादाता ओं ने यह पहले ही कर दिया है। यह देखा जा सकता है कि याचिकादाता अब भी बंद किए जाने के कारण उत्पादन नहीं किया गया था, तब भी क्षति वहन कर रहा था।
- (ज) निलंबन के कारण उत्पादन के प्रभाव की घरेलू उद्योग का उत्पादन उपयुक्त ढंग से बढ़ाकर प्राधिकारी द्वारा जांच की जा सकती है। याचिकादाता ओं ने यह पहले ही कर दिया है। यह देखा जा सकता है कि याचिकादाता अब भी बंद किए जाने के कारण उत्पादन नहीं किया गया था, तब भी क्षति वहन कर रहा था।
- (ट) बांग्लादेश में प्राकृतिक गैस की कीमत कम नहीं है। यह छूट प्राप्त है। बांग्लादेश में प्राकृतिक गैस की कम कीमत यह विवीक्षा नहीं करती कि घरेलू उद्योग पाटन से क्षति वहन करेगा।

- (ठ) निर्यातक देशों में उत्पादन की कम लागत पाटन के प्रश्न का समाधान नहीं करता। पाकिस्तानी प्राधिकारियों द्वारा अधिसूचित जांच परिणाम उत्पाद में पर्याप्त पाटन के अस्तित्व को स्पष्ट रूप से प्रमाणित करते हैं।
- (ड) आयात की विवरणी और आयातों की उत्तराई कीमत रिकार्ड पर है। यह सच नहीं है कि बांग्लादेश की उत्तराई कीमत अन्य देशों की तुलना में 10 प्रतिशत और घरेलू उद्योग की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है।
- (ण) संबद्ध देशों से कीमत कटौती का विवरण यह दर्शाएगा कि कीमत कटौती घनात्मक है।
- (त) मांग के आंकड़े दर्शाते हैं कि देश में उत्पाद की मांग और क्षमताएं हैं। भारतीय उत्पादक देश में उत्पाद के लिए मांग का लगभग 95 प्रतिशत पूरा कर सकते हैं। तथापि, आयात बाजार का 24 प्रतिशत है जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आयात काफी अधिक हिस्सा रखता है जो मांग आपूर्ति के अंतर द्वारा औचित्यपूर्ण नहीं है।
- (थ) निर्यातकों द्वारा दावा किए गए विचाराधीन उत्पाद की बिक्री कीमत में कमी दर्शाती है कि उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारण है। यदि कीमतों में कमी का रूख निर्यात बाजार में केवल विचाराधीन उत्पाद में देखा गया है और निर्यातकों के घरेलू बाजार में नहीं है तो यह अनिवार्यतः निष्कर्ष निकाला जाए कि विचाराधीन उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है।
- (द) यह विवरण कि सभी देशों की उत्तराई कीमतें बांग्लादेश को छोड़कर एनएसआर से नीचे थीं, भारित औसत आधार की तुलना का आधार है और माल-भाड़ा लागतों को शामिल किए बिना है। चूंकि आयात का पर्याप्त हिस्सा पैक स्थिति के आधार पर है और बांग्लादेश से आगे पर्याप्त आयात केवल पश्चिम बंगाल क्षेत्र में हो रहा है, जबकि घरेलू उद्योग बिक्री का अधिकांश हिस्सा खुली स्थिति में है और उत्तरी क्षेत्र में है, इस प्रकार की कीमत तुलना लागत में अंतर तथा खुले उत्पाद एवं पैक उत्पाद की कीमत को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। संगत सूचना रिकार्ड पर है। यह देखा गया है कि आयात संपूर्ण अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कटौती कीमतें हैं।
- (ध) याचिकादाता के माह-वार उत्पादन का विश्लेषण करने पर यह देखा जा सकता है कि उत्पादन पुनः शुरू करने के तत्काल पश्चात औचित्यपूर्ण पूँजी उपयोग हासिल कर लिया गया है। इसलिए निश्चित रूप से यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें निर्धारित लागतें प्रचालन शुरू करने के कारण अधिक थी।
- (न) रोजगार और मजदूरी में क्षति अवधि में सुधार दर्शाया है, परंतु क्षति निर्धारण के लिए यह अकेला मानदंड नहीं है। मजदूरी और रोजगार में वृद्धि, नई क्षमताएं स्थापित करने तथा उत्पादन में वृद्धि के कारण हैं। रोजगार और मजदूरी घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रदर्शित नहीं करते हैं।

प्रकटीकरण विवरण जारी करने के घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) प्राधिकारी द्वारा परिकलित क्षति रहित कीमत सही नहीं है। नियोजित प्रति यूनिटपूँजी का निर्धारण करने के लिए उत्पादन के लिए प्राधिकारी द्वारा किया गया परिकलन सही नहीं है और प्राधिकारी द्वारा विचारित लाभ विकट रूप से कम है। प्राधिकारी ने आंकड़ों को 12 महीनों के बजास 15 महीनों से विभाजित करने के बाद नियोजित पूँजी का निर्धारण किया है।
- (ख) कंपनी (एनपीएल) की क्षमता के संवर्धन को वर्ष 2014 में वाणिज्यिकृत किया गया था और यह क्षमता याचिकादाता को केवल जांच अवधि में आंशिक अवधि के लिए उपलब्ध थी। इस संयंत्र के एनएफए को इस अवधि के उत्पादन द्वारा विभाजित किए जाने की आवश्यकता है। इस अवधि के लिए एनएफए पर विचार करना और उत्पादन को 12/15 महीनों से विभाजित करना अनुचित है।
- (ग) क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय सीएसआर व्यय की अनुमति नहीं दी गई है।
- (घ) एचओसीएल के लिए ली गई मूल्यहास लागत सही नहीं है। प्रयोज्यता लागत पर विचार करने में त्रुटि है।
- (ड) निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत अनुचित है और यह पाटन कानून के उद्देश्य के विपरीत है। इसके अतिरिक्त यह रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध भी है।

- (च) क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय भाडा शामिल नहीं किया गया है। वर्तमान मामले में भाडे को शामिल करना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि खुले उत्पाद के मामले में भाडा बहुत अधिक होता है और निर्यातकों के लिए ऐसे भाडे की लागत को पहुंच कीमत का निर्धारण करने के लिए शामिल किया जाना चाहिए।
- (छ) निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत में उत्पाद-शुल्क को और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए आयातों पर प्रतिकारी शुल्क (सीमा-शुल्क के अतिरिक्त शुल्क) को जोड़ना चाहिए।
- (ज) क्षति मार्जिन को अपनुपातिक सीमा तक कम माना जाता है, यदि क्षति रहित कीमत में बिक्री कर को नहीं जोड़ा जाता है।
- (झ) चूंकि विचाराधीन उत्पाद को भिन्न सान्द्रणों में बेचा जाता है और तदनुसार उसकी कीमतों में अंतर होता है, इसलिए प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे खपत कारकों में व्याप्त अंतर पर विचार करने के बाद क्षति मार्जिन, पाटन मार्जिन और कीमत कटौती का निर्धारण करें।

प्राधिकारी द्वारा जांच

75. प्राधिकारी के द्वारा इसके नीचे किया गया क्षति विश्लेषण, हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए विभिन्न निवेदनों का स्वतः समाधान करता है। विशिष्ट निवेदनों का समाधान नीचे किया गया है।

76. इस तर्क के संबंध में कि लाभप्रदता के मापदंड में गिरावट से कोई अंतर नहीं पड़ता है और यह घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारक नहीं बन सकता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लाभप्रदता सबसे महत्वपूर्ण मापदंडों में एक है, जिसके बारे में क्षति का निर्धारण करते समय विचार करना चाहिए। लाभप्रदता में गिरावट होना एक वृद्ध कारक है, जो यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

77. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों की वजह से है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली में यह वर्णित नहीं है कि क्षति केवल पाटन की वजह से ही होनी चाहिए। क्षति अन्य कारकों की वजह से भी सकती है। प्राधिकारी ने उचित स्थलों पर बंदी की वजह से हुई बिक्रियों की हानि को समायोजित किया है।

78. की गई क्षति जांच यह दर्शाती है कि मांग में कोई गिरावट नहीं हुई है। क्षति अवधि के दौरान मांग में बढ़ोत्तरी हुई है तथा बढ़ते हुए आयातों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

79. इस तर्क के संबंध में कि मांग और आपूर्ति के बीच में अंतर होता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मांग और आपूर्ति के अंतर से संबद्ध देशों के द्वारा पाटन के कार्य को स्वतः उचित ठहराया नहीं जा सकता है। यह भी देखा गया है कि भारतीय उत्पादकों में समग्र बाजार की 95% मांग को पूरा करने की क्षमता है, परंतु बाजार के एक बहुत बड़े हिस्से पर संबद्ध देशों का कब्जा है तथा इससे मांग और आपूर्ति के अंतर को समाप्त नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव देखा है। लाभों, निवेशों पर लाभ और नकद लाभों जैसे मापदंडों के संबंध में क्षति पर निष्कर्ष, घरेलू उद्योग के निष्पादन में वस्तुगत विकृति पर बहुत ज्यादा आधारित है।

80. इस तर्क के संबंध में कि ताइवान से आयात न्यूनतम हैं, जांच से यह पता चला है कि ताइवान से आयात न्यूनतम से अधिक सीमा पर है और आयात मूल्य, सामान्य कीमत से कम है। ताइवान से आयातों के मामले में जांच ने सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को दर्शाया है। हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसी कोई सामग्री उपलब्ध नहीं कराई है, जो यह दर्शाएँ कि ताइवान से आयातों को अन्य देशों से आयातों के साथ संचयी नहीं होनी चाहिए।

81. क्षति रहित कीमत का परिकलन करने के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण, अनुबंध-2 के अनुसार तथा प्राधिकारी की विगत पद्धति को ध्यान में रख कर किया गया है।

संचयी मूल्यांकन

82. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 (3) में यह अपेक्षा है कि जहां पर एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद से आयात, पाटनरोधी जांचों के अध्यधीन साथ-साथ हो रहे हों, वहां पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभावों का संचयी तौर पर तब मूल्यांकन करेगा जब यह निर्धारित हो कि:

- (1) प्रत्येक देश से आयातों से संबंधित सुनिश्चित पाटन मार्जिन स्पष्ट तौर पर 2 प्रतिशत से अधिक हो, क्योंकि प्रत्येक देश से निर्यात मूल्य और आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है अथवा जहां पर अलग-अलग देशों के निर्यात 3 प्रतिशत से कम है, तो सामूहिक रूप से आयात समान वस्तु के आयातों के 7 प्रतिशत से अधिक होता है।
- (2) आयातित वस्तु और घरेलू वस्तु के बीच में प्रतिस्पर्द्धा की शर्तों के संदर्भ में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उचित है।

83. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटित आयात संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में एक साथ आ रहे हैं। नियमों के तहत क्षति की संचयी की शर्तें, वर्तमान मामले में पूरी होती हैं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया है, जो यह दर्शाता हो कि घरेलू उद्योग में पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी तौर पर मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा। इन स्रोतों से पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी मूल्यांकन करने के मुद्दे की उपर्युक्त मापदंडों के संदर्भ में जांच की गई है और यह देखा गया था कि:-

- (1) प्रत्येक संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के पाटन के मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- (2) प्रत्येक संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- (3) संबद्ध देशों से आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें कम हो रही हैं।
- (4) आयातित वस्तु और घरेलू वस्तु के बीच में प्रतिस्पर्द्धा की शर्तों के संदर्भ में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उचित है।

84. उपर्युक्त के दृष्टिगत आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के बीच में प्रतिस्पर्द्धा की शर्तों के संदर्भ में प्राधिकारी घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी तौर पर मूल्यांकन करना उचित समझते हैं।

85. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में इन दोनों की वस्तुपरक जांच करने का प्रावधान है, (क) समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में पाटित आयातों की मात्रा और कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव, और (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव के बारे में प्राधिकारी के द्वारा यह जांच करनी होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णतः अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के संदर्भ में काफी बढ़ोत्तरी हुई। पाटित आयातों के कीमत पर प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करनी होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमत काफी कम हो रही है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त सीमा तक कीमतों को अन्यथा नियंत्रित करना अथवा कीमत में बढ़ोत्तरी को रोकना है जो काफी हद तक अन्यथा हुई होगी।

86. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार बताया है:

“संबंधित घरेलू उद्योग के पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों एवं सूचकांकों का मूल्यांकन करना शामिल होगा। इनमें विक्रियों की स्वाभाविक एवं संभावित गिरावट, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर लाभ अथवा क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, नकद प्रवाह पर पाटन के वास्तविक और संभावित प्रभावों के मार्जिन की मात्रा, सामान सूचियां, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की सामर्थ्य शामिल है।”

87. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-2 (4) के अनुसार, उत्पादन, क्षमता उपयोग, विक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल विक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन जैसे उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले ऐसे और सूचकांकों के बारे में विचार किया है।

88. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रभावों के बारे में तथा पाटन एवं क्षति के बीच में क्षति और कारणात्मक संबंधों के होने की जांच करने हेतु कीमतों और लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच की है। पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की नीचे जांच की गई है।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

(1) मांग और बाजार हिस्सा

89. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत के उत्पाद की मांग और स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री एवं सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार, आंकलन की गई मांग नीचे सारणी में दी गई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में इस अवधि में बढ़ोत्तरी हुई है।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015	अप्रैल, 2014 - जून, 2015
आयात मात्रा						वार्षिक
संबद्ध देश	मी. टन	17,464	33,759	63,286	67,300	53,840
अन्य देश	मी. टन	7,404	53	19	-	-
कुल	मी. टन	24,868	33,812	63,305	67,300	53,840
आयात में हिस्सा						
संबद्ध देश	%	70.23	99.84	99.97	100.00	100
अन्य देश	%	29.77	0.16	0.03	-	-
मांग		100.00	100.00	100.00	100.00	100
संबद्ध देश	मी. टन	17,464	33,759	63,286	67,300	53,840
अन्य देश	मी. टन	7,404	53	19	-	-
डीआई की घरेलू बिक्री	मी. टन	70,810	89,139	87,161	109,336	87,469
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	66,789	63,815	62,781	102,493	81,994
कुल	मी. टन	162,468	186,766	213,247	279,128	223,303
बाजार हिस्सा						
संबद्ध देश	%	10.75	18.08	29.68	24.11	24.11
अन्य देश	%	4.56	0.03	0.01	-	-
डीआई की घरेलू बिक्री	%	43.58	47.73	40.87	39.17	39.17

अन्य भारतीय उत्पादक	%	41.11	34.17	29.44	36.72	36.72
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

90. विभिन्न स्रोतों से आयातों तथा घरेलू उद्योग की बिक्रियों को ध्यान में रखते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से के बारे में जांच की गई थी। जबकि आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों से पाठित आयातों के हिस्से में काफी बढ़ोत्तरी हुई है, परंतु पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में इसमें हल्की-सी गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है।

2. आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

91. इस अवधि में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015	अप्रैल, 2014 - जून, 2015 (वार्षिकीकृत)
आयात की मात्रा						
संबद्ध देश	मी.टन	17,464	33,759	63,286	67,300	53,840
बंगलादेश	मी.टन	1,925	4,571	11,862	17,475	13,980
चीनी ताईपाई	मी.टन	-	-	40	2,495	1,996
इंडोनेशिया	मी.टन	2,678	7,066	5,445	4,457	3,566
कोरिया जनवादी गणराज्य	मी.टन	1	2,815	12,032	3,007	2,405
पाकिस्तान	मी.टन	7,545	4,614	7,930	9,034	7,227
थाईलैंड	मी.टन	5,315	14,693	25,977	30,832	24,666
अन्य देश	मी.टन	7,404	53	19	-	-
कुल	मी.टन	24,868	33,812	63,305	67,300	53,840
आयातों में हिस्सा						
संबद्ध देश	%	70.23	99.84	99.97	100.00	100.00
बंगलादेश	%	7.74	13.52	18.74	25.97	25.97
चीनी ताईपाई		-	-	0.06	3.71	3.71
इंडोनेशिया	%	10.77	20.90	8.60	6.62	6.62

कोरिया जनवादी गणराज्य		0.00	8.33	19.01	4.47	4.47
पाकिस्तान	%	30.34	13.64	12.53	13.42	13.42
थाईलैंड	%	21.37	43.46	41.04	45.81	45.81
अन्य देश	%	29.77	0.16	0.03	-	-
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

92. चूंकि हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि आयातों में बढ़ोत्तरी घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादन की बंदी की वजह से हुई है, इसलिए प्राधिकारी ने उत्पादन की बंदी की वजह से घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादन करने हेतु आयातों को कम करने के बाद संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा का निर्धारण किया है। बंदी की वजह से बिक्रियों की हानि को समायोजित करने के बाद संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा नीचे दिए अनुसार है। सारणी से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादन की हानि के कारण आयातों को समायोजित करने के बाद भी पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुछ गिरावट होने के साथ क्षति अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में काफी वृद्धि हुई है।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015	अप्रैल, 2014 - जून, 2015 (वार्षिक)
संबद्ध देश (बिक्री की हानि को घटाने के बाद)	मी. टन	17,464	33,759	63,286	54,200	43,360
अन्य देश	मी. टन	7,404	53	19	0	0
डीआई की घरेलू बिक्री (बिक्री की हानि जोड़ने के बाद)	मी. टन	70,810	89,139	87,161	122,435	97,948
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	66,789	63,815	62,781	102,493	81,994
कुल	मी. टन	162,468	186,766	213,247	279,128	223,303
बाजार हिस्सा						
संबद्ध देश	%	10.75	18.08	29.68	19.42	19.42
अन्य देश	%	4.56	0.03	0.01	-	-
डीआई की घरेलू बिक्री	%	43.58	47.73	40.87	43.86	43.86
अन्य भारतीय उत्पादक	%	41.11	34.17	29.44	36.72	36.72
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

कम कीमत पर बिक्री

96. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति का मूल्यांकन करने के लिए कम कीमत पर बिक्री एक महत्वपूर्ण सूचक है। क्षतिरहित कीमत निकाली गई है और कम कीमत पर बिक्री की सीमा तक संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य के साथ इसकी तुलना की गई है। इसके लिए घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित स्पष्ट विक्रय मूल्य अथवा क्षतिरहित कीमत की आयातों की पहुँच कीमत से तुलना की गई है। कम कीमत पर बिक्री के बारे में निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ कीमत कटौती के लिए विचार किए गए आयातों के पहुँच मूल्य को भी स्वीकार किया गया है। आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य के साथ घरेलू उद्योग के भारित और एनआईपी (क्षतिरहित कीमत) की तुलना नीचे दिए अनुसार दर्शाई है:

कोरिया जनगण	पैकड	2,981	****	****	****	****	****	10-20
कोरिया जनगण	कुल	3,007	****	****	****	****	****	10-20
पाकिस्तान	पैकड	9,034	****	****	****	****	****	30-40
थाइलैंड	पैकड	30,832	****	****	****	****	****	0-10
कुल		67,300	****	****	****	****	****	10-20

कीमत नियंत्रण और दबाव (कम करना):

97. प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या पाठित आयातों का प्रभाव भारत में समान वस्तु की कीमतों को कम करना अथवा कीमत में बढ़ोत्तरी को रोकना था जो अन्यथा हुई होगी।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015
बिक्री की लागत	रुपए/मी. टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	101.19	113.69	120.05
बिक्री कीमत	रुपए/मी. टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100.00	105.48	113.81	99.96

98. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्रियों की लागत में बढ़ोत्तरी हुई है, जबकि क्षति अवधि में विक्रय मूल्य में गिरावट आई है। अतः यह स्पष्ट है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें कम हो रही हैं।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

1. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा

99. घरेलू उद्योग की क्षति अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा नीचे सारणी में दी गई है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता में बढ़ोत्तरी हुई है जबकि वर्ष 2012-13 और 2013-14 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में (उत्पादन की हानि को समायोजित करने के बाद भी) गिरावट आई है।

मानदंड	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015 (वार्षिकीकृत)
क्षमता	मी. टन	94,450	94,450	94,450	103,250
उत्पादन	मी. टन	67,373	88,089	93,288	83,863
समायोजित किया गया उत्पादन	मी. टन	67,373	88,089	93,288	94,342
क्षमता उपयोग	%	71.33	93.27	98.77	81.22
समायोजित किया गया क्षमता उपयोग	%	71.33	93.27	98.77	91.37
घरेलू बिक्री	मी. टन	70,810	89,139	87,161	87,469

100. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है। तथापि, पाटित आयातों के हिस्से में हुई वृद्धि तथा इसी अवधि के दौरान मांग में हुई वृद्धि की तुलना में बिक्री की मात्रा में वृद्धि कम हुई है।

2. लाभ/हानि, नकद प्रवाह, नियोजित पूँजी पर लाभ

101. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता नीचे सारणी में दी गई है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान गिरावट हुई है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में बहुत ज्यादा गिरावट आई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ में भी गिरावट आई है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकद प्रवाह स्थिति पर पाठन के प्रभाव की जांच करने के लिए नकद लाभों में प्रवृत्तियों की जांच की है। यह देखा गया है कि पूर्ववर्ती वर्षों और आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि घरेलू उद्योग के नकद लाभों में काफी गिरावट आई है।

मानदंड	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015
लाभप्रद.	रुपए/मी. टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	125	114	9
आरओआई	%	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	175	147	28
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	138	125	34

3. माल-सूची

102. यह नोट किया है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ष की तुलना में पीओआई में घरेलू उद्योग की सामान सूचियों में बढ़ोत्तरी हुई है।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015
मालसूची – औसत स्टॉक	मी. टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	39	96	111

4. रोजगार, वेतन और उत्पादकता

103. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान उत्पादकता, घरेलू उद्योग के पास रोजगार और भुगतान की गई मजदूरियों में बढ़ोत्तरी हुई है।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	119	138	176
मजदूरी	रुपए/मी. टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	91	100	113
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	100	100	106
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	संख्या	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	131	138	118
प्रति दिन उत्पादकता	संख्या	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	131	138	124

5. पाटन की मात्रा

104. एक सूचक के रूप में पाटन की मात्रा, जिस सीमा तक घरेलू उद्योग पाटित उद्योगों से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं, उसकी मात्रा यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों के बारे में निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

6. संवृद्धि

105. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लाभ/हानि, आरओआई, नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग की संवृद्धि प्रतिकूल थी।

विवरण	मापन यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	अप्रैल, 2014 - जून, 2015
पिछले अवधि में बदलाव					
उत्पादन	%		30.75	5.90	(10.10)
बिक्री	%		25.88	(2.22)	0.35
क्षमता उपयोग	%		21.93	5.50	(17.55)
लाभ/हानि प्रति यूनिट	%		24.83	(8.39)	(91.86)
नकद लाभ	%		38.14	(9.47)	(73.19)
नियोजित पूंजी पर लाभ	%		12.74	(4.66)	(20.39)

7. पूंजी निवेश जुटाने का सामर्थ्य

106. एक याचिकादाता, मेसर्ज नेशनल पेरांक्साइड लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान क्षमता का विस्तार किया है। याचिकादाताओं ने यह निवेदन किया है कि चूंकि पूंजी निवेश संबंधी निर्णय एक दीर्घकालिक कार्य है, इसलिए इसका पूंजी निवेश जुटाने की वर्तमान क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं होता है। तथापि, यदि पाटन जारी रहता है, तो वित्तीय संस्थानों के लिए ब्याज और ऋण की किस्तों के लिए पर्याप्त प्रतिलाभ सृजित करना घरेलू उद्योग के लिए कठिन होगा।

8. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

107. संबद्ध देशों और अन्य देशों की आयात कीमतों की जांच, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा, पाटित आयातों के अलावा घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों आदि की जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है, जिसकी वजह से भारतीय बाजार में कीमतों काफी कम हो रही हैं। यह भी नोट किया जाता है कि पीओआई सहित क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग काफी बढ़ोत्तरी को दिखा रही थी और इसीलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक कारक हो सकता है। अतः घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक मुख्य कारक संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तुओं के आयातों का पहुँच मूल्य है।

108. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के लिए निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिए अनुसार है:

देश	निर्यातक/उत्पादक	क्षति मार्जिन अमेरिकी डॉलर/मी. टन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % सीमा
इंडोनेशिया	सभी	****	****	0-(-10)
ताइवान	सभी	****	****	10-20
कोरिया गणराज्य	जनवादी	****	****	10-20
थाइलैंड	थाई पेरॉक्सी लिमिटेड, थाइलैंड	****	****	0-10
	थाइलैंड में गैर-सहयोगी उत्पादक/निर्यातक	****	****	10-20
पाकिस्तान	सितारा पेरॉक्साइड लिमिटेज, पाकिस्तान	****	****	10-20
	डेस्कॉन ऑक्सीकेम लिमिटेज, पाकिस्तान	****	****	10-20
	पाकिस्तान में गैर-सहयोगी उत्पादक/निर्यातक	****	****	30-40
बांग्लादेश	समुदा केमिकल्स, बांग्लादेश	****	****	10-20
	तसनिम केमिकल्स, बांग्लादेश	****	****	10-20
	एएसएम केमिकल्स, बांग्लादेश	****	****	20-30
	बांग्लादेश में गैर-सहयोगी उत्पादक/निर्यातक	****	****	20-30

9. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

109. उपरोक्त विश्लेषण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों में भारत में पूर्णतः और सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन और खपत के संबंध में वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। ये आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास कर रहे हैं। पाठित आयातों के फलस्वरूप कम कीमत पर बिक्री हो रही है। घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह पाया गया है कि यद्यपि संबद्ध वस्तुओं के मांग में वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में मांग में हुई वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान कीमत में अत्यधिक ह्रास होने के फलस्वरूप लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ जैसे मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है। कीमत प्राचलों के संबंध में हुई वृद्धि, घरेलू उद्योग पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाती है। जबकि क्षमता उपयोग में गिरावट उत्पादन में बंदी के कारण आई है, लाभ, नकद लाभ और निवेशों पर प्रतिलाभ में गिरावट, पाठित आयातों से कीमतों में कटौती होने और कीमतों में ह्रास होने के कारण आई है। इस प्रकार निष्कर्ष यह है कि घरेलू उद्योग को वास्तव में क्षति हुई है।

ज. कारणात्मक संबंध

110. आर्थिक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच करने के बाद प्राधिकारी द्वारा भारतीय नियमावली और पाटन-रेधी करार के अंतर्गत कीमत में कटौती, कम कीमत पर विक्री और कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के प्रभाव के अन्य ऐसे सूचक प्राचलों की जांच यह देखने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों से भिन्न कोई अन्य कारक भी है, जो कि घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार हो। तदनुसार निम्नलिखित प्राचलों की जांच की गई है:-

(क) त्रुटीय देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें

111. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयाता मात्रा में नगण्य मात्र हैं। इसलिए अन्य देशों से आयातों को घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।

(ख) प्रतिबंधित व्यापारिक पद्धतियां तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा

112. कोई प्रतिबंधित व्यापारिक पद्धति होने तथा विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा होने का कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे पता चलता हो कि उनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(ग) मांग में संकुचन अथवा खपत के पेटर्न में परिवर्तन

113. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान संबद्ध उत्पाद की मांग में वृद्धि परिलक्षित हुई है। इसलिए प्राधिकारी का यह निर्णय है कि घरेलू उद्योग को क्षति होने का कारण मांग में संकुचन होना नहीं था।

(घ) प्रोद्योगिकी में विकास

114. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे प्रोद्योगिकी में ऐसे अत्यधिक परिवर्तन होने का पता चलता हो जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो। न ही जांच से पता चला है कि प्रोद्योगिकी में संभावित विकास होना घरेलू उद्योग की क्षति का एक कारक हो सकता है।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

115. जांच अवधि के दौरान याचिकादाता कंपनियों द्वारा अत्यधिक निर्यात नहीं किए गए हैं। इसलिए निर्यात निष्पादन में कोई भी संभावित गिरावट आना घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

116. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग की उत्पादकता ने गिरावट की प्रवृत्ति दर्शाई है।

117. उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे पता चलता हो कि अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

झ. कारणात्मक संबंध को सिद्ध करने वाले कारक

118. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण करने से पता चलता है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग में वास्तविक रूप से गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंध होने की संपुष्टि निम्नोक्त आधार पर होती है:-

- (1) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में पूर्णरूप से और साथ ही भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और खपत के संबंध में वृद्धि हुई है।
- (2) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास कर रहे हैं।
- (3) जांच अवधि में लाभ, नकदी लाभ और नियोजित पूँजी पर प्रतिलाभ में तेजी से गिरावट आई है।

- (4) पाठित आयातों के कारण लाभ, नियोजित पूँजी पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की संवृद्धि नकारात्मक थी।
- (5) यह तर्क दिया गया है कि एनपीएल द्वारा अपनी क्षमता का विस्तार करने के लिए उत्पादन के स्थगन के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन और उसके परिणाम स्वरूप कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है। इस पर विचार करते हुए कि कंपनी द्वारा उत्पादन का स्थगन करने से विभिन्न अन्य प्राचलों के संबंध में उसका उत्पादन और कार्य-निष्पादन प्रभावित हुआ है, प्राधिकारी ने कार्य-निष्पादन की विस्तार से जांच की है। जहां तक उत्पादन स्थगन की अवधि के दौरान व्यय का संबंध है, उसे किसी भी तरह से आय के विवरण में प्रभारित नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त उत्पादन शुरू होने के बाद कंपनी ने बहुत शीघ्र क्षमता उपयोग का उचित स्तर प्राप्त कर लिया था। फिर भी प्राधिकारी ने स्थगन अवधि के लिए उत्पादन को जोड़ दिया था और उसके बाद कार्य-निष्पादन और क्षति मार्जिन का निर्धारण किया था। साथ ही यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि में अलग-अलग महीने के आधार पर बिक्री कीमत में अत्यधिक गिरावट आई थी। घरेलू उद्योग को हुए कीमत ह्रास का कारण उत्पादन का स्थगन नहीं हो सकता था। देश में पाटन के कारण घरेलू उद्योग को कीमत ह्रास हुआ है, जिसके फलस्वरूप लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह में गिरावट आई है।

119. इस प्रकार प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

क्षति मार्जिन की मात्रा

क्षति मार्जिन

120. प्राधिकारी ने यथा संशोधित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। इस प्रकार से निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमतों के साथ की गई है भारित औसत क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

देश	निर्यातिक/उत्पादक	क्षति मार्जिन अमरीकी डालर/ मी.टन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % सीमा
इंडोनेशिया	सभी	****	****	0-(-10)
ताईवान	सभी	****	****	10-20
कोरिया जनवादी गणराज्य	सभी	****	****	10-20
थाईलैंड	दि पिरोक्सी लिमिटेड, थाईलैंड	****	****	0-10
	थाईलैंड में असहयोगी उत्पादक/निर्यातिक	****	****	10-20
पाकिस्तान	सितारा पिरोक्सी लिमिटेड, पाकिस्तान	****	****	10-20
	डेस्कोन ओक्सीकेम लिमिटेड, पाकिस्तान	****	****	10-20

	पाकिस्तान में असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	****	****	30-40
बंगलादेश	समुडा केमिकल्स, बंगलादेश	****	****	10-20
	तसनीम केमिकल्स, बंगलादेश	****	****	10-20
	एएसएम केमिकल्स, बंगलादेश	****	****	20-30
	बंगलादेश में असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	****	****	20-30

ट. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

121. प्राधिकारी इस बात को मानते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद की कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटन-रोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटन-रोधी उपाय करने से पाटन की पद्धतियों द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करने की अनुचित प्रक्रिया समाप्त होगी, घरेलू उद्योग में होने वाली गिरावट रूकेगी तथा उपभोक्ताओं की व्यापक पसंद की संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। पाटन-रोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतया पाटन की अनुचित व्यावहारिक पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में ऐसा खुला और उचित प्रतिस्पर्द्धा वातावरण बहाल किया जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में हो। इसलिए पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से किसी भी तरह से उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी उपाय लागू करने से किसी भी तरह से ईरान से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए ये उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेंगे। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो अर्थवा उससे अधिक स्रोतों को बनाए रख सकते हैं।

ठ. सिफारिशें

122. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखने के बाद प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:-

- (क) भारत को संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के निर्यात, उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किए गए हैं।
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हुई है।

123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू की गई थी और उसका संचालन किया गया था तथा सार्थक पाटन मार्जिन के

साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई आर्थिक क्षति की पुष्टि हो जाने पर, प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटन और क्षति को समाप्त करने के लिए पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है। प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को इधान में रखते हुए प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा नीचे तालिका के कालम 8 में निर्दिष्ट राशि के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रमांक	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ़ की मद	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मुद्रा	यूनिट
1.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	बंगलादेश	बंगलादेश	मेसर्ज सामुडा केमिकल्स	मेसर्ज सामुडा केमिकल्स	46.90	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
2.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	बंगलादेश	बंगलादेश	तसनीम केमिकल्स	तसनीम केमिकल्स	27.81	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
3.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	बंगलादेश	बंगलादेश	एएसएम केमिकल्स	एएसएम केमिकल्स	46.29	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
4.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त क्रमांक 1, 2 और 3 में उल्लिखित से भिन्न अन्य कोई संयोजन		91.47	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
5.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	बंगलादेश	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	91.47	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
6.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	बंगलादेश	कोई	कोई	91.47	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
7.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाकिस्तान	पाकिस्तान	सितारा पिरोक्सी लिमिटेड	सितारा पिरोक्सी लिमिटेड	51.91	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
8.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाकिस्तान	पाकिस्तान	डेस्कोन ओक्सीकेम लिमिटेड	डेस्कोन ओक्सीकेम लिमिटेड	61.05	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
9.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाकिस्तान	पाकिस्तान	उपरोक्त क्रमांक 7 और 8 में उल्लिखित से भिन्न अन्य कोई संयोजन		117.94	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
10.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	पाकिस्तान	कोई	कोई	117.94	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
11.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाकिस्तान	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन	कोई	कोई	117.94	अमेरिकी डॉलर	मी.टन

				देशों से भिन्न कोई अन्य देश					
12.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	थाईलैंड	थाईलैंड	दि पिरोक्सी लिमिटेड	दि पिरोक्सी लिमिटेड	16.91	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
13.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	थाईलैंड	थाईलैंड	उपरोक्त क्रमांक 12 में उल्लिखित से भिन्न अन्य कोई संयोजन		63.32	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
14.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	थाईलैंड	कोई	कोई	63.32	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
15.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	थाईलैंड	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	63.32	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
16.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	कोरिया	कोरिया	कोई	कोई	46.15	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
17.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	कोरिया	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	46.16	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
18.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोरिया	कोई	कोई	46.16	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
19.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	ताईवान	ताईवान	कोई	कोई	56.33	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
20.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	ताईवान	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	56.33	अमेरिकी डॉलर	मी.टन
21.	2847	हाईड्रोजन पेरोक्साईड	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देशों से भिन्न कोई अन्य देश	ताईवान	कोई	कोई	56.33	अमेरिकी डॉलर	मी.टन

आगे की प्रक्रिया

124. इस अंतिम निर्णय के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमा-शुल्क अधिनियम के अनुसार) उत्पाद-शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****Directorate General of Anti- Dumping and Allied Duties****NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th April, 2017

FINAL FINDINGS**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Hydrogen Peroxide originating in or exported from Bangladesh, Taiwan, Korea RP, Indonesia, Pakistan and Thailand.**

No. 14/3/2015-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the Case

1. Whereas M/s. National Peroxide Limited and M/s. Hindustan Organic Chemicals Ltd. (hereinafter also referred to as the “petitioners” or “applicants”) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of Anti-dumping duty concerning imports of Hydrogen Peroxide (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Bangladesh, Taiwan, Korea RP, Indonesia, Pakistan and Thailand (hereinafter also referred to as the subject countries).
2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 14/3/2015-DGAD dated 14th January, 2016, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the said countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein under has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Designated Authority, under the above Rules, received a petition from the Applicant as the domestic industry, alleging dumping of Hydrogen Peroxide originating in or exported from Bangladesh, Taiwan, Korea, Indonesia, Pakistan and Thailand.
 - ii. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - iii. The Authority issued a Notification dated 14th January, 2016, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
 - iv. The Authority sent copy of the initiation notification to the embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - v. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - vi. The Authority sent Exporter’s Questionnaire to the following known producers/ exporters in Bangladesh, Pakistan, Thailand, South Korea and Indonesia and Taiwan (whose details were made available by the applicant) to elicit relevant information and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Tasmin Chemical Complex, Bangladesh
 - b. ASM Chemical Industries, Bangladesh
 - c. Samuda Chemical Complex Limited, Bangladesh
 - d. Sitara Peroxide Ltd., Pakistan
 - e. Descon Chemical Ltd., Pakistan

- f. Thai Peroxide Company Ltd., Thailand
 - g. Solvay Peroxithai Ltd., Thailand
 - h. Taekwang Petrochemical, South Korea
 - i. Hansol Chemical Co Ltd., South Korea
 - j. SKC Evanik peroxide Korea P Ltd.
 - k. PT Peroxida, Indonesia
 - l. PT Evanik Degussa Peroxide, Indonesia
 - m. SamatorIntiPeroksida, Indonesia
 - n. Sinar Mas, Indonesia
- vii. The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from their respective countries.
- viii. The following exporters responded to the exporter's questionnaire:
- a. Tasnim Chemical Complex Ltd., Bangladesh
 - b. Samuda Chemical Complex Limited, Bangladesh
 - c. ASM Chemical Industries Ltd., Bangladesh
 - d. Sitara Peroxide Ltd., Pakistan
 - e. Descon Oxychem Ltd., Pakistan
 - f. Thai Peroxide Company Ltd., Thailand
- ix. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
- a. Kushal Chemical
 - b. Sinochem Impex
 - c. EXIM Incorporation
 - d. Yamuna Fertilizers
 - e. KPL International Limited
 - f. S. Ganesh Nagendra & Co
 - g. Ponpure Chem (P) Limited
 - h. Classic Dyes and Chemicals
 - i. Trivenkem Agencies
 - j. Textile Dye Chem Pvt. Ltd.
 - k. Shakumbhari Enterprises (I) Pvt. Ltd.
 - l. Usha Chemicals
 - m. R.R Inovatives Pvt. Ltd.
 - n. Rajiv Chemical Corporation
 - o. Son Kamal Enterprise
 - p. Khanna Papers mills Ltd.
 - q. Shreyans Papers
 - r. Vikas Global One Ltd.
 - s. Ballarpur Industries Ltd.

- t. J K Paper Ltd.
 - u. Sareen Group
 - v. DhanrajOrganic Limited
 - w. Excel Corp care
 - x. Mackwell Organic Pvt. Ltd.
 - y. Emami Papers
 - z. Alkyl Amines
- x. Out of the above importers/users, Alkyl Amines filed importer questionnaire response.
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule6 (7).
- xii. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii. The period of investigation (POI) for the present investigation is from 1st April, 2014 to 30th June 2015 (15 months). The injury investigation period will however covers the period April' 2011-March' 2012, April' 2012-March' 2013, April' 2013-March' 2014 and the POI.
- xiv. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation. The data given by exporters was examined in detail.
- xv. Non-injurious price has been determined based on the cost to make and sell the subject goods in India with reasonable profit, based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xvi. Information published by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) has been adopted for determination of volume and value of imports of product concerned in India. The petitioner has procured transaction-wise information on imports of the product under consideration from DGCI&S. There is sufficient evidence of export price of the subject goods in the subject countries. During the course of investigation, the Authority also procured and analysed transaction-wise import data from Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S)
- xvii. The Authority held an oral hearing on 28thSeptember, 2016 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry, exporters from subject countries and importers. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were also provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties.
- xviii. Due to change in the incumbency of the Designated Authority another oral hearing was conducted by the new Designated Authority on 7th November, 2016 in pursuance of the direction given in the judgment delivered by the Hon'ble Supreme Court on 07-01-2011 in the matter of Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) Vs The Designated Authority in Civil Appeal 949 of 2006. The parties, who presented their views in the 2nd oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xix. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xx. In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts were disclosed by the Authority on 16th February, 2017 to the concerned interested parties. Comments were requested by 3rd March, 2017. Comments received on the disclosure statement to the extent considered relevant by the Authority have been considered in this final finding.
- xxi. At the request of some of the interested parties, the Authority granted another hearing on 14th March 2017 subsequent to issuance of the Disclosure Statement. Submissions made after the said hearing have also been addressed in this findings.

- xxii. *** in this final finding represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The exchange rate adopted by the Authority during the POI for the subject investigation is 1 US\$ = 62.13 Rs
4. Comments to Disclosure Statement has been received from the following interested parties, viz the domestic industry, M/s. Descon Oxychem Limited and Sitara M/s. Peroxide Ltd., M/s. Samuda Chemical Complex Ltd., M/s. Tasnim Chemical Complex Ltd., Bangladesh, ASM Chemical Industries Ltd., M/s. Thai Peroxide Company Ltd. and Taiwan Economic Division. Most of the post disclosure comments are mere reiteration of the submissions made earlier and addressed in this finding at relevant places. However the Authority has taken account of the fresh submissions made and analyzed the same at relevant headings in the findings.

C. Product under consideration and Like Article

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties are as follows:

- a. There are three grades of hydrogen peroxide i.e. food grade, technical grade and electronic grade. All these grades are not interchangeable and the domestic industry does not have the capability to manufacture food and electronic grades. Information provided in technical data sheet makes it clear that the domestic industry is not manufacturing (i) food grade or (ii) electronic grades or (iii) technical grade having concentration above 90% . The fact was accepted by the domestic industry during the oral hearing as well.

Submissions by the Domestic Industry are as follows:

- a. The product under consideration in the present petition is “Hydrogen Peroxide (H₂O₂) below 90% concentration”. Hydrogen Peroxide (H₂O₂) is produced through the process of hydrogenation. Commercially, the product is produced and sold in 35%, 50%, 60% and 70% concentration. ISRO has a very limited (insignificant) requirement of 90% and above concentration.
- b. H₂O₂ is an extremely hazardous material. From safety point of view, the concentration should be as low as possible. However, transportation of lower concentration means paying additional freight on transportation of water. Therefore, from commercial point of view, concentration level should be as high as possible.
- c. The majority of imports are of 50% concentration and majority of production of the petitioners is of 50% concentration. All data in the petition has been presented on equivalent of 50% for the purpose of determination.
- d. Subject goods are classified under Chapter 28 under sub heading 28470000 of the Customs Tariff Act, 1975. The customs classification is indicative only and in no way it is binding on the scope of the investigation.
- e. There is no known difference in product produced by the petitioners and that exported from the subject countries. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc.
- f. There is no material difference in the production process employed by the foreign producers and that employed by the petitioner. However, every manufacturer fine-tunes its production process as per the necessities and available facilities.
- g. The scope of product under consideration does not include food grade and electronic grade of Hydrogen Peroxide. The petitioners do not produce food grade and electronic grade Hydrogen Peroxide. The import data relied upon by the petitioners does not include imports of food grade or electronic grade. Technical grade of concentration 90% and above is neither imported into the country nor manufactured by the domestic industry. Food grade and electronic grade of Hydrogen Peroxide and that having concentration of 90% and above should be considered beyond the scope of PUC.

Examination by Authority

5. The product under consideration in the present investigation is “Hydrogen peroxide of concentration below 90%”. Hydrogen peroxide can be produced in different concentrations. The product under consideration is sold in both loose and packed conditions. Commercially, the product is produced and sold in 35%, 50%, 60% and 70% concentration. It is generally produced and sold on 50% basis.
6. Subject goods are classified under Chapter 28 under sub heading 28470000 of Customs Tariff Act, 1975. The customs classification is indicative only and in no way it is binding on the scope of the investigation.
7. As regards the contention that food grade, electronic grade and technical grade of concentration 90% and above is not manufactured by the domestic industry, the Authority notes that the domestic industry has also accepted the same. Thus, it is concluded that the food grade and electronic grade and technical grade of concentration 90% and above of Hydrogen Peroxide is beyond the scope of PUC.

D. Domestic Industry & Standing

8. Rule 2(b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers."

9. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties are as follows:

- a. One of the petitioners M/s. National Peroxide Ltd., which holds almost 90% shares of domestic industry, has furnished declaration that it is neither related to producer/exporter of the goods produced outside India nor any importer in India. Such declaration is wrong and the petitioners have misled the Authority with regard to its eligibility as domestic Industry.
 - b. It is a matter of record that the said petitioner is related to the major exporter i.e. M/s. Solvay peroxy Thai Co. Ltd. This related exporter is liable for 85% of the total import from Thailand. There are only two exporters from Thailand, so total imports of this related exporter can be verified by deducting the shares of the other exporter i.e. M/s. Thai Peroxide Company Limited from the total imports from Thailand.
 - c. There are several evidences to substantiate the fact that Solvay peroxy Thai Co Ltd. is a related company of M/s. National Peroxide Ltd. As per the Annual Report of M/s. National Peroxide Ltd., Solvay SA holds 25.10% in petitioner's company during the financial year 2014-15 and 2015-16. The fact to be noted is that Solvay Peroxy Thai, which is the major exporter of the subject good is 100% owned subsidiary of Solvay SA.
 - d. M/s. National Peroxide Ltd. is a joint venture between M/s. Bombay Dyeing & Mfg. Co, Ltd. and Solvay SA. Annual report also suggests that Solvay SA is one of the promoters of the petitioner company. This entire series of facts make it clear that the issue of relationship is covered by Explanation (i) of Rule 2(b) as both the major exporter in Thailand and the producer Petitioner are being controlled by a third party namely Solvay SA.
 - e. In the present case Solvay SA is well in position to restrain or direct National Peroxide Ltd., legally as well as operationally. The entire chain of relation can be completed by these two facts that Solvay SA is a promoter of the Petitioner Company holding 25.10% share in the company as well as the technology supplier and Solvay SA is the 100% holding company of the Exporter as well as the technology supplier.
 - f. Section 114 of the Companies Act, 2013 states that a company can pass a special resolution for its critical business matters only if the votes cast in favour of the resolution are not less than three times of the number of the votes cast against the resolution. This precisely means that anyone holding more than 25% shares in the company can hold back or block any special resolution. This is the reason why Solvay Peroxy Thai has acquired more than 25.10% shares in M/s. National Peroxide Ltd. that is marginally above than the critical threshold limit.
 - g. The domestic industry has intentionally misled the Authority by not disclosing relevant information with regard to its eligibility under Rule 2 (b) just for the sake of getting the present investigation initiated. The Authority did not get chance to exercise its discretion on the issue of whether or not the petitioner was eligible as domestic industry.
 - h. The present application is filed by M/s. National Peroxide Ltd. and M/s. Hindustan Organic Chemical Ltd. The injury determination is based on economic parameters of both the companies. But the matter of fact is that hydrogen peroxide is manufactured in Kochi plant of HOCL and HOCL has been sick unit for the last several years.
 - i. The management of HOCL has informed BIFR that the company will be wound up. With the decision of HOCL being wound up the petitioner should withdraw the application as the entire purpose of imposition of anti-dumping duty is infructuous.
 - j. The definition of related party is not very clear in ADD Rules. The definition under Customs tariff Act is more accurate which says if any company has more than 5% share in the other company they will be treated as related parties.
 - k. Section 2 (6) of the Companies Act defines associate Company as the company in which another company holds at least 20% of total capital shares. Solvay holds about 25.10% shares in the applicant company. Solvay also manufactures high quality Hydrogen Peroxide, sold under the trade name INTEROX.
10. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties post issuance of disclosure statement are as follows:
- a. The exporters have reiterated the arguments with regard to Solvay being related party to M/s. National Peroxide and has 25.1% shareholding in the company, is a promoter of the company, has the power to block special

resolution, have legal operational control over M/s. National Peroxide Limited and not eligible to be the domestic industry.

- b. NPL has entered into collaboration agreement with Solvay, Belgium and M/s. Laporte, UK and NPL has paid huge amount for transferring technology to Solvay, Belgium.
 - c. NPL has not filed the collaboration agreement, shareholder agreement, technical know-how agreement and Article of Association. Also, submissions of a letter by Solvay without providing it to the interested parties are of no importance.
 - d. Recently, in the final finding issued by the Authority in the investigation of Purified Terephthalic Acid the Authority did not consider Reliance Industries Ltd. as domestic industry because it has a subsidiary company in Malaysia and they exported significant amount of the subject good to India during the POI.
 - e. In the recent initiation of Polyester Staple Fibre the Authority did not consider Reliance Industries Limited eligible as domestic industry because it had subsidiary in Malaysia and had exported goods during the proposed period of investigation.
 - f. Accounting Standard 18 defines related parties and as per that definition a related party has so many rights to control the company indirectly or directly.
 - g. NPL has deliberately not provided information in these regard in the petition and has made a wrong declaration which amounts to criminal contempt.
 - h. The issue is not that if there's any member of Solvay in the board of directors but it is that if NPL is related to a foreign investor or exporter or is a joint venture.
 - i. Authority has not given any legal basis for holding that since none of the members of Solvay is present on the Board of Directors, they are not in a position to block the special resolution. Just because they are not in the Board of Directors their power to block special resolution cannot be ignored.
 - j. It cannot be said that a company can apply restraint or control by only being present in the Board of Directors.
 - k. During the hearing on 14th March, 2017 the Managing Director of the company, for the first time, spoke of a letter filed by them. It was never mentioned in any of the hearing held earlier and not even the disclosure statement deals with such letter. That letter is not even placed in the public file for record. At such belated stage any new document cannot be accepted. In the case of stainless steel the Authority did not accept a report prepared by a PSU solely on the ground that it is submitted after the public hearing stage. The Authority is requested to maintain consistency in its approach.
 - l. The disclosure does not deal with any of the issue with regard to the relationship between Solvay as promoter of NPL. Also the disclosure does not address the issue that 85% of the import comes from M/s. Solvayperoxy Thai Co Ltd. that is from the related company.
11. Submissions by the Domestic Industry are as follows:
- a. The petition has been filed by M/s. National Peroxide Limited and M/s. Hindustan Organic Chemicals Limited (referred to as Petitioner/Applicant) and supported by Gujarat Alkalies and Chemicals Ltd. . Petitioner along with supporter hold 96.02% of the production share of India .
 - b. The production of the petitioners alone constitute a major proportion of Indian production of the like article and the petitioners have sufficient standing to file the present petition as domestic industry for the product concerned.
 - c. The petitioner has neither imported the subject good in the period of investigation nor related to (either directly or indirectly) to any exporter or importer of product under consideration in the subject countries. The Petitioners have standing to file the present petition as per Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules.
 - d. Solvay SA has an affiliated producer in Thailand and has 25.10% shareholding in National Peroxide Ltd. Despite that M/s. NPL and Thai Exporter (Solvay Peroxy Thai Limited)) cannot be treated as related companies. As per the definition of related parties under Rule 2 (b) (i) neither National Peroxides nor Solvay Peroxy Thai Limited are in a position to control each other, (ii) together, these two companies are not controlled by third company.
 - e. It is pertinent to note that despite 25.10% shareholding, Solvay does not have a single person in the Board of Directors of National Peroxide. The same can be found in the annual report of NPL which has the details of all the Directors. This fact makes it clear that Solvay SA does not have any legal or operational control over National Peroxide Ltd..
 - f. The argument of the other interested parties that the petitioner tried to suppress this fact with intent of misleading the Authority is completely baseless. The petitioner has never suppressed the fact from the Authority

that Solvay SA holds share in M/s. NPL. In fact petitioner has filed letters and submissions to the Authority and has referred to publically available information and annual reports. Also, the annual report was a part of the petition itself.

- g. The fact of shareholding of Solvay SA is clearly mentioned in the annual report of M/s. NPL. Hence, the allegation of the other interested parties that this fact was suppressed from the Authority at the times of initiation is completely baseless. There is no relationship between the exporter and the petitioner and so the question of depriving the Authority from exercising its discretion does not arise.
 - h. The mere fact that the special resolutions require $\frac{3}{4}$ of the voting right does not make situation any different. The Authority may examine all the special resolutions passed by the petitioner over the injury period. Despite Solvay SA having 25.10% shareholding, the operations of the company have remained totally insulated from its ownership and shareholding.
 - i. There is no requirement of special resolution for the present matter. In the context of anti-dumping, since the relevant point is dumping causing injury, i.e. day to day operations of the domestic industry, the requirements and obligations of special resolution become entirely irrelevant.
 - j. In Circular weaving machine case, the exporter company had 34.67% shareholding in the petitioner company. The exporter was also a promoter and technology supplier. Despite that the Authority held that the exporter and the petitioner were not related because they did not have any legal or operational control over each other. However, in the present case the shareholding is much lower. The fact that the exporter is the promoter of the company, this fact needs to be seen with reference to the dumping in POI and at the most over the injury period. NPL was promoted several years back and technology was supplied few decades back. The fact is therefore of no consequence today.
 - k. The ADD Rules clearly defines the term related party and contains a specific legal provision in the form of definition with regard to relationship. So no other definition can be imposed for the present purposes.
 - l. There is no basis for the argument that HOCL has been wound up or sick company. Injury information of both the companies has been provided separately and that goes on to prove that even if HOCL is excluded, data relating to NPL alone is sufficient enough to show that the domestic industry has suffered injury.
12. Submissions by the Domestic Industry post issuance of disclosure statement are as follows:
- a. The Authority had held in the matter of circular weaving machine from China, even when the domestic industry's 35% share were with a foreign company who owned the sole exporter of the product under consideration from the only country under investigation that the domestic industry was not related to subject exporter.
 - b. Relationship issue is required to be determined in the POI only. It is by now well settled legal position that the imports made by a company in POI alone are relevant to determine its eligibility. Following the corollary, relationship of an Indian domestic producer with a company in third country who may have relationship with a foreign producer in subject country is also required to be seen in the investigation period only. It is undisputed that Solvay has 25.1% of shareholding in M/s. National Peroxide Ltd. and they have all the rights of shareholders in the company. But mere the fact of having 25.1% of shareholder does not make them in a position to control National Peroxide Ltd. either directly or indirectly. On 19th May, 2006 Solvay SA had sent a resignation letter to M/s. National Peroxide Ltd. stating that Solvay will not contribute towards operations of M/s. National Peroxide Ltd. and would like to be limited as financial shareholder only. The day to day operations of the company is entirely under the domain of the board of the directors of the company and any of the members of Solvay SA was not even part of the Board of the Directors 2006 onwards.
 - c. Being a financial shareholder, Solvay's role is limited to receive financial dividends only. It is explicit that they have no control over the day to day operations of the company and its role is not more than a financial investor of the company.
 - d. Legally, Solvay has a role to play when there is a special resolution is passed. But the matter of anti-dumping has nothing to do with special resolutions. A list of business that requires general and special resolution is provided to the Authority for its reference. It would be seen from the nature of these resolutions that none of the special resolution has any relevance to anti-dumping.
 - e. If all special resolutions passed during the investigation period are concerned, it would be seen that Solvay has not attended any of the meetings either of the Board of Directors or any shareholders meeting during the POI. When the company has not even attended any of the Board of Directors or any shareholders meeting during the POI, the company did not exercise direction or restrain over any of the affairs of the company – whether it required day to day management decision, or board of directors decision or shareholders decision.

- f. The mere fact that special resolution requires 3/4th of the voting rights does not make the situation any different in the present situation as none of the shareholders meetings were attended by Solvay SA in the POI.
- g. Since last 10 years, no EGM has taken place in NPL and after 2013 Solvay has not participated in any of the AGMs.
- h. Action against dumping in India is not decided by shareholders. The decision against dumped imports is taken by the day to day management.
- i. The production and sales in different market on day to day basis by exporters is decided by day to day management or at the best Chief Executives/Board of Directors.
- j. None of the members of Solvay SA has been in the Board of Directors of M/s. National Peroxide Ltd. from 2006 onwards, which includes the injury period as well, and the same is evident from the balance sheets of the company.
- k. There is no collaboration agreement between Solvay and M/s. National Peroxide Limited. In absence of collaboration agreement Solvay can nowhere be in position to control any of the decisions taken by M/s. National Peroxide Limited. So Solvay SA did not even have a deemed control over M/s. National Peroxide Limited.
- l. As far as the question of paying royalties to Solvay is concerned, it may be noted that M/s. National Peroxide Limited has not paid any Royalty to Solvay after 2003. The Company has done three expansions after 2003 on its own and has neither taken technology from Solvay nor has paid any Royalty to them. M/s. National Peroxide Limited paid Royalty to Solvay only in 2005 for the period of April 1997 to March 1998.
- m. In any case, there is no automatic exclusion of such an ineligible domestic industry in the present case. The Designated Authority has discretion in such situations. Inclusion is automatic and desirable in the present case. Inclusion will not distort the injury assessment, NPL predominately manufactures the goods in India, did not participate in dumping and in fact has taken action against dumped imports in a non-discriminatory basis. It is not a case that the company has shielded itself from the effect of dumping or the injury is self-inflicting. The interested parties have given no reasons which justify exclusion of NPL and have proceeded with a mere contention of relationship. It is by now well settled legal position that mere relationship does not mean automatic exclusion. In the circular weaving machine case, in fact, the Designated Authority had considered domestic producer as an eligible domestic industry despite higher shareholding by the foreign producer. Relevant extracts from that decision are enclosed once again.
- n. Further, the dealing provision specified under the law further establishes that the control shall exist only when one producer is legally or operationally in a position to restrain or direction over other producer.
- o. The explanation also makes it obvious that this provision is relevant only when such domestic producer has behaved differently than other producers.
- p. There is no documentary evidence provided by any interested party that any of the NPL action shows that NPL and Thai Company were acting in collusion.
- q. As far as depriving the Authority from exercising its discretion is concerned, it is submitted that question of discretion arises only if the petitioner was related to the exporter. Moreover, the fact of Solvay is having 25.1% of the shareholding in M/s. National Peroxide Ltd. is very much mentioned in the Annual report of the company and these annual reports were part of the petition. So the allegation of not disclosing the fact to the Authority at the time of initiation of the investigation has no basis. In any case, even now, it has not been established that the Authority should have treated NPL as an ineligible domestic industry.
- r. With regard to HOCL, the interested parties misled the authority in projecting that HOCL is being sold off. The fact is that the only Rasayani unit operations are being sold. As far as Cochin unit operations are concerned, the same continues to be in operation and the same is not being sold off. An email from the company has been filed with the submissions.
- s. It is important to understand the intent of the Legislature for drafting a law like Anti-Dumping Rule. It is drafted to encourage the rights of the manufacturers of the market, the intent is to provide a fair playing market to the producers/manufacturers in the domestic market. Accordingly all the relevant provisions must be read in light of the intent of the discretion given under the law. The Designated Authority has been given the power, to exclude such domestic producers who benefit themselves from dumping, to enable other domestic producers from filing petition.
- t. Anti-dumping Rule is a special law and as per the judgement of the Supreme Court in the matter of COMMERCIAL TAX OFFICER, RAJASTHAN v. M/s. BINANI CEMENT Ltd. & ANR. (Civil Appeal No. 336 of 2003) the Hon'ble court held that special law should prevail over general law. In light of this

judgement the concept of the related parties and legal and operational control should be examined with respect to the Anti-Dumping Rule and not any other general provisions of law.

Examination by the Authority

13. The Application has been jointly filed by M/s. National Peroxide Limited and M/s. Hindustan Organic Chemicals Ltd., on behalf of the domestic industry. Apart from the above domestic producers, M/s. Gujarat Alkalies and Chemicals Ltd. is another producer and has supported the present application. The applicants as well as the supporting company have furnished declaration stating that they have not imported the PUC from the subject countries and are not related either to any exporter or producer of the subject goods in the subject countries or any importer of the subject goods in India.
14. With regard to the argument that Solvay SA is related to M/S. National Peroxide Limited, It is noted that M/s. Solvay SA has an affiliated producer in Thailand and admittedly has 25.10% shareholding in National Peroxide Ltd. The key element in determining the relationship between the domestic producer and the exporter in terms of AD Rules is ‘control’, legal or operational. The Authority notes the arguments raised by the interested parties in this context. It is noted that merely because Solvay SA has 25.10% share in M/s. National Peroxide Limited, it does not imply that Solvay SA has operational control over the other. It is further seen that the Annual report of National Peroxide Ltd. mentions the list of Directors during the injury period and none of the members in the Board of the Directors of NPL was nominated by Solvay which could have been an evidence of operational control. The domestic industry has submitted a letter by Solvay to M/s. NPL dated March 2006 wherein Solvay had surrendered its operational control over M/s. National Peroxide Ltd. and limited itself as a financial shareholder. Interested party has argued that Solvay has the right to block special resolution. It is however noted in this regard that power to block a special resolution does not mean that Solvay gets an operational control on M/s. National Peroxide Limited. Further, with regard to the argument that Solvay is the promoter of the company, it is noted that the status of promoter also does not suggest any operational or legal control.
15. The Authority holds that there is absence of legal or operational control by Solvay on NPL and Solvay is not in a position to direct or restrain or exercise any influence on M/s. National Peroxide Ltd. Further, the Authority notes that behaviour of NPL as a domestic producer was not such that it could be construed that NPL has behaved as a related company. The Authority also holds that the provisions under Company’s Act or requirements of special resolutions are not relevant for the present purposes.
16. Keeping in view the above the Authority holds that M/s. National Peroxide Ltd. is not related to Solvay Peroxy Thai Co Ltd. within the meaning of Rule 2(b). Further, there must also be sufficient grounds justifying exclusion of a related domestic producer. There must be evidence that the related domestic producer has acted differently due to relationship, or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self inflicted injury. In the instant case, no such evidence has been provided by the interested parties.
17. As regards HOCL, the Authority notes that there is no evidence on record to show that Cochin unit of HOCL has been offered for sale. The product under consideration is produced in Cochin plant of the company. The domestic industry has provided evidence showing continued production of the product under consideration in Cochin plant of the Company.
18. In view of the above, and as per the evidence available on record, the production of the applicants account for a major proportion in the domestic production of the like article. The Authority has determined that the applicants constitute eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-dumping Rules, the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra and the applicant companies constitute domestic industry within the meaning of antidumping rules for the purpose of the present investigations.

Confidentiality

19. With regards to confidential information Rule 7 provides as follows:

7. Confidential information- (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

20. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

- a. Domestic industry has failed to provide essential information and has claimed excessive confidentiality with regard to soft copy of transaction wise data in MS excel format, export price adjustment calculation and computation of normal value of Thailand.
- b. Not providing the above information is a clear violation of instruction no 6 of the application Performa of domestic industry which enumerates that the document/ information filed in confidential version must be accompanied by non confidential version, otherwise the entire information should be ignore and rejected. On that account the petition ought to be rejected.

21. Submissions by the Domestic Industry :

- a. There is no requirement of providing transaction wise data in excel file. Petitioners have complied with all requirements laid down by the authority. Requirement of soft copies for the authority cannot be read as an obligation on the domestic industry to provide such soft copies to the opposing interested parties.
- b. Export price calculation has been disclosed in the non-confidential version Evidence showing adjustments in export price are business sensitive information and not susceptible to summarization. There is no error in calculation and the Designated Authority may recheck.
- c. Petitioners have claimed only such information as confidential, confidentiality of which is protected under the law. Sufficient non-confidential summaries of the information have been provided on confidential basis except for those which are not susceptible to summarization. In fact the responding interested parties have resorted to excessive confidential information.

Examination by the Authority

- 22. The Authority holds that the information provided by interested parties on confidential basis meets the sufficiency requirement of the confidentiality claim, and has accepted the confidentiality claims wherever warranted. Information being considered confidential has not been disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available such non confidential versions of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
- 23. Regarding the submission of opposite parties that the transaction-wise DGCIS imports data should be made available, the Authority notes the domestic industry vide non-confidential version of the petition dated 22. 01.2016 has submitted the said data and the same has been placed in public file.

Miscellaneous Submissions

- 24. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties are as follows:
 - a. GACL being one of the biggest producers of the subject good has not participated in the present investigation due to their exceptionally good market conditions and huge profits. As per their annual report they were running their capacity utilization on 100% during the Injury period.
 - b. The other producer Asian Peroxide Ltd., Chennai also has not participated in the present investigation but had participated in the earlier application filed for anti-dumping in 2007.
 - c. The present investigation was initiated in violation of Rule 5(3) of the Anti-dumping Rules. The Domestic Industry is not suffering any material injury. In fact all the economic parameters say that their performance has been outstanding. The reason of injury is not alleged dumping but other factors.
 - d. The Domestic industry did not disclose the facts properly at the time of initiation and misled the Authority.
 - e. Imposition of duty will be detrimental to the Indian users. They will be forced to bear extra cost, restrict the competition of the market and create the shortage of high quality goods.
 - f. Claims of injury to the Domestic Industry is ill founded, baseless and contrary to the statements made in the Audit Report of the Company.
 - g. The period of investigation is faulty. The period of investigation adopted in the present case is April 2014 to June 2015. As per then guidelines issued by the DGAD the period of investigation should be 12 months. The Audited report of the company says that the plant was shut down for 61 days, during the first quarter of the period of investigation and the commercial production started from 29th September 2014.

- h. National Tariff Commission of Pakistan imposed provisional ADD @ 19.32% on imports of Hydrogen Peroxide from Bangladesh. The said decision has been appealed and the final decision is yet to come.
- i. The plant was shut down for almost 6 months during the POI and hence it was essential for the users to import the material at that time. Accordingly import volume should also be reduced/ adjusted at cumulative level for the subject countries while evaluating the volume effect of imports since imports during this period was essential.
- j. Even after such shut down the imports from Pakistan did not increase rather it decreased around 14% in the POI from about 31% in the base year. So imports from Pakistan did not have any material effect on domestic industry.
- k. The Audit report of NPL says that the company suffered adverse situation. Despite all that the company has been able to earn profit during the period of investigation. Petitioner's claim of suffering injury does not match with the Audit report.
- l. The data shows that NPL has performed really well post period of investigation despite facing all odds.

25. Submissions made by the Domestic Industry

- a. The petitioners cannot be made to suffer just because GACL has not furnished information. The applicants constitute a major proportion and fulfil the legal requirement. The authority may not kindly rely on conjectures and may kindly proceed based on verifiable information.
- b. Pakistan National Tariff Commission has imposed Anti-Dumping duty against Bangladesh with respect to the same goods. Mere filing of appeal does not mean anything. The exporters have not claimed before the Designated Authority that there is no dumping.
- c. The petitioners have no submissions wherein exporters have claimed absence of dumping in the present case. On the contrary, even when the Designated Authority specifically asked at the time of oral hearing whether the data shows dumping, exporter evaded the query of the Designated Authority.
- d. The plant was shut down only for 63 days and the loss of production was only to the extent of 13,099 MT. This may not justify imports to the extent the goods were imported into India. This does not answer the steep decline in price over the relevant period.
- e. The company was not suffering due to internal factor. The production was suspended for only for 63 days. Domestic industry recommenced production within 63 days and the plant had achieved 92.75% utilization even in the first month of commercialization of production.
- f. The Designated Authority had initiated the present investigation after being satisfied with the adequacy and accuracy of evidence for the purpose of initiation of investigations.
- g. There is no relevance of post- POI data in the present case. The authority has repeatedly held for the purpose of fresh investigations that the post POI data is irrelevant. Further, the CESTAT also held that post POI developments are not relevant to the authority.
- h. The other interested parties have deliberately waited till public hearing to raise an objection on the eligibility of the domestic industry. They had enough time before the public hearing to raise such an objection.

Examination by the Authority

Miscellaneous submissions raised by the interested parties have been examined as under:

- 26. The contention of the opposing interested parties that initiation of the investigation is in violation of Rule 5(3) of the Anti-dumping Rules does not have any basis. The present investigation was initiated by the Authority after satisfying itself about the petitioner meeting this criterion.
- 27. Non filing of information by GACL does not make the applicants ineligible to file the present application. Non filing of information by a major producer cannot detriment the eligibility of the applicants if the applicants constitute a major proportion and satisfies the requirements laid down under the law.
- 28. The argument of other interested parties that the imports made were essential because the plant was shut for 6 months cannot be accepted because as per the records available the plant was shut down only for 63 days and the loss of production was only to the extent of 13,099 MT. This may not justify as much increase in imports as made during the relevant period besides steep decline of prices during the relevant period. In any case, the Authority has adjusted the loss of production while examining injury to the domestic industry.
- 29. As regards the argument that the period of investigation is faulty, the authority holds that suspension of production was only for 63 days. Authority has made adjustments of this production loss while carrying out injury analysis.

30. The Authority notes that the injury information for both HOCL and NPL were provided separately and it does establish that even if HOCL is excluded, data relating to NPL alone establishes injury suffered by the domestic industry.

E. Market Economy Treatment, Normal Value , Export Price And Dumping Margin

Submission by other interested parties

31. Exporters from Bangladesh made following submissions.
- The petition itself says that landed prices of all the countries were below NSR except for Bangladesh.
 - Net export price for Samuda is not calculated correctly.
 - Dumping margin varies for different concentration. It would be seen that Tasnim Chemicals did not dump in India during POI. According to DGCI&S data there is no dumping on the part of Tasnim Chemicals.

Submissions by other interested parties post issuance of disclosure statement are as follows:

- The Authority has not considered freight cost from border to customs clearance port in the calculation of landed value whereas the Authority has consistently adopted this method in various cases. For M/s. Descon and M/s. Sitara the importation port is Amritsar Railway Port but the Authority has added freight only till Wagha/Attari boarder. The Authority has not added freight from Wagha/Attari boarder to Amritsar Railway Port. The same should be revised in the Final findings
 - Net Export price for Samuda Chemicals is incorrectly calculated. The Authority has deducted ocean freight in addition to inland freight in those sales which were exported through land port. If ocean freights are deducted the net sales value will stand at *****/MT instead of *****/MT.
 - Abnormal profit margin of ****% added to arrive at normal value for Samuda Chemical is completely illogical. Only 5% as reasonable profit margin should be taken to arrive at the constructed normal value.
 - The Designated Authority has considered notional financial expenses at the time of calculation of cost per MT, but while arriving at the margin of profit the Authority has not considered such notional financial expenses. It is unjustified to charge notional finance expense.
 - The Authority has worked out normal value by adding profit to the cost of the production on the Product under consideration on gross basis whereas the export price has been worked out on ex-factory basis. This is inconsistent with Article 2.4 of the WTO Agreement. As per the disclosure statement to arrive at the Dumping Margin the Designated Authority has not made comparison between Normal value and Export Price on same level of trade.
 - It is very unfair at the part of Designated Authority to add notional interest to arrive at ex-factory cost of production and shown positive dumping margin as ****%.
 - Tasnim Chemical has made it clear that it takes loan from its sister concern and no interest is charged on that.
 - The Authority has held that Tasnim Chemical did not make imports into India during the POI but it is surprising that the Injury margin for Tansim ranges from ****%.
 - The Authority has not considered insurance cost of 1% to arrive at landed price at the Indian Port for Pakistan Exporters i.e. Descon and Sitara.
 - The Authority has considered mark up percentage for overall sales for Samuda Chemicals instead of domestic sales, which is not fair. All local sale price is same because for domestic cash sale it is required to take approval from Customs, Excise and VAT authority from time to time.
 - The Authority has wrongly applied the viability test to assess whether the goods sold in the domestic market are in the ordinary course of trade.
1. The Authority has applied 80:20 tests in a wrong manner by applying this test on loose and packed forms.

Submission by the domestic industry

- The Designated Authority may kindly recalculate Samuda's net export price in case the Designated Authority finds any errors in the calculations or in the methodology.

- b. Different dumping margin for different concentration merely implies a need for separate dumping margin for different types. However, eventual dumping margin is required to be determined for Product Under Consideration.

Submissions by the domestic industry post issuance of disclosure statement are as follows:

- a. Since the product is sold in packed as well as in loose form the dumping and injury margin may be calculated separately for both.
- b. The product under consideration is exported to India from the subject country below normal value resulting dumping from the subject country.
- c. The dumping margin and injury margin are significant.
- d. The dumping margin for M/s. Tasnim Chemical is much lower than M/s. Samuda Chemicals even when both the companies are selling from the same country and in the similar market.
- e. Questionnaire response of Samuda should be rejected, given that the company has modified its response several times and even after verification visit.

Examination by the Authority

32. With regard to the argument by the exporter that freight cost from border to customs clearance port has not been considered in the calculation of landed value, it is noted that the exporters have not provided any material to show that place of custom clearance is not Wagah/Attari border but Amritsar Railway station. Further, DGCI&S transaction wise data also shows port of import as Attari Road. Further, freight cost incurred by the exporters, for movement of goods within the Country cannot be added to the landed price of imports when freight cost incurred by the domestic industry on movement of the goods within the country has not been added to the domestic product.
33. As regards the argument by Samuda Chemicals that the Authority has deducted ocean freight in addition to inland freight in those sales which were exported through land port, it is clarified that freight has been deducted only to the extent claimed by the exporter in their questionnaire response. No additional amount has been deducted. The data provided by the exporter (M/s. Samuda Chemicals) was shown to the company representatives when they came to attend the post-disclosure hearing, which clearly demonstrated that the freight data provided by the exporter only has been used for deduction. Fresh set of data submitted by Samuda Chemicals at the belated stage of post issuance of disclosure statement cannot be entertained since enough opportunities had already been provided.
34. As regards the argument that abnormal profit margin of ****% has been considered to arrive at normal value for Samuda Chemical, it is noted that the figure has been taken from final version of Appendix-7 submitted by the Exporter themselves. However, since the Authority has added notional interest cost to the cost of production, the profit margin has been re-determined, which comes to ****%. Considering the claim made by the exporter, profit margin of ****% has now been used to determine dumping margin.
35. As regards the submission that all local sales are the same due to statutory regulations, it is noted that there are two other exporters from the same country participating in the present investigation. Information provided by these two other producers does not show the same selling price for different consumers. Besides, the product under consideration is not an item in respect of which price is administered by the government authorities. The argument/submission is fallacious and devoid of merit. Further, Authority has considered the information provided by the exporter only and has determined normal value accordingly. Further, all comparisons have been made at same level of trade.
36. The argument that Tasnim Chemical has not made any exports to India is absolutely incorrect. This was acknowledged by the advocate representing the exporter during post-disclosure hearing.
37. With regard to the argument that the Authority has wrongly applied the viability test to assess whether the goods sold in the domestic market are in the ordinary course of trade, the Authority notes that the same is in accordance with the provisions of antidumping rules. It is an admitted position that the loans are from affiliated company and therefore the interest cost is not reflected at arm's length in the books of accounts of the company. Further, loose and packed form of subject goods have significant difference in cost and price and therefore viability test has been appropriately applied separately for both forms.

'Normal Value' under the Rules-

38. According to Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975 'Normal Value' in relation to an article means:-

comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

39. Normal value has been determined for loose and packed subject goods, separately, in view of significant difference in cost and price.

Normal value in Pakistan

40. The Authority notes that consequent upon issue of initiation, the following producers/exporters from Pakistan have filed exporter questionnaire response:

- M/s. Sitara Peroxide Ltd., Pakistan
- M/s. Descon Oxychem Ltd., Pakistan

Normal Value for M/s. Sitara Peroxide Ltd., Pakistan

41. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s. Sitara Peroxide Ltd., Pakistan is a producer/exporter of the subject goods. As per information available in the EQ response, during the Period of investigation, in the domestic market of Pakistan, Sitara Peroxide Ltd., has sold the subject goods **** MT of subject goods for the Gross invoice value of **** Million PKR out of which negligible quantity of **** MT was sold to affiliated parties.

42. For working out normal value 80/20 test has been conducted and % of profitable sales as a % of Total Sales is determined. Profitable Sales % is determined as lower than 80% of total Sales so only profitable sales has been considered in determining Normal Value. Normal Value has been determined for both loose and packed to facilitate comparison on like to like basis. Adjustments on account of taxes, discount, commission, inland freight and credit cost has been claimed and allowed.

43. Normal Value for packed quantity has been determined as USD **** per MT and normal value for loose quantity has been determined as USD **** per MT. Weighted average Normal Value has been determined as USD **** USD per MT.

Normal Value for M/s. Descon Oxychem Ltd., Pakistan

44. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s. Descon Oxychem Ltd., Pakistan is a producer/exporter of the subject goods. As per information available in the EQ response, during the Period of investigation, in the domestic market of Pakistan Descon Oxychem Ltd., has sold the subject goods. Descon Oxychem Ltd., has sold the subject goods **** MT of subject goods for the Gross invoice value of **** Million PKR out of which negligible quantity of **** MT was sold to affiliated parties.

45. For working out normal value 80/20 test has been conducted and % of profitable sales as a % of Total Sales is determined. Profitable Sales % is determined as lower than 80% of total Sales so only profitable sales has been considered in determining Normal Value.

46. Domestic Sales in period of investigation was in packed form so Normal Value has been determined in packed form. Normal Value in loose form is determined by deducting per MT Packing Cost given in Appendix 8. So normal Value has been determined for both and Loose and Packed to facilitate comparison on like to like basis. Adjustments on account of taxes, commission, inland freight and credit cost has been claimed and allowed.

47. Normal Value for packed quantity has been determined as USD **** per MT and normal value for loose quantity has been determined as USD **** per MT. Weighted average Normal Value has been determined as **** USD per MT.

Normal value for M/s. ASM Chemicals Ltd. Bangladesh,

48. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s. ASM Chemicals Ltd. , Bangladesh is a producer/exporter of the subject goods
49. ASM Chemicals Ltd., has sold the subject goods **** MT of subject goods for the Gross invoice value of **** Million BDT. All Domestic sales were made to unaffiliated parties.
50. For working out normal value 80/20 test has been conducted and % of profitable sales as a % of Total Sales is determined. Profitable Sales % is determined as lower than 80% of total Sales so only profitable sales has been considered in determining Normal Value.
51. Normal Value has been determined for both and Loose and Packed to facilitate comparison on like to like basis. Adjustments on account of interest, bank charges, inland freight has been claimed and allowed. Normal Value for packed quantity has been determined as USD **** per MT and normal value for loose quantity has been determined as USD **** per MT. Weighted average Normal Value has been calculated as USD **** per MT.

Normal value for M/s. Tasnim Chemicals Ltd. Bangladesh,

52. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s. Tasnim Chemicals Ltd. , Bangladesh is a producer/exporter of the subject goods. Tasnim Chemicals Ltd., has sold the subject goods **** MT of subject goods for the Gross invoice value of **** Million BDT. All Domestic sales were made to unaffiliated parties.
53. Normal Value has been determined for both Loose and Packed to facilitate comparison on like to like basis. For working out normal value 80/20 test has been conducted and % of profitable sales as a % of Total Sales is determined. Profitable Sales % so determined is lower than 80% of total Sales for Packed Sales, so only profitable sales has been considered in determining Normal Value, while for loose sales profitable sales were close to 100% so entire sales has been considered in determining Normal Value. Adjustments on account of bank charges, inland freight and Taxes has been claimed and allowed.
54. Normal Value for packed quantity has been determined as USD **** per MT and normal value for loose quantity has been determined as USD **** per MT. Weighted average Normal Value has been calculated as USD **** per MT.

Normal value for M/s. Samuda Chemicals Ltd. Bangladesh,

55. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s. Samuda Chemicals Ltd., Bangladesh is a producer/exporter of the subject goods. Samuda Chemicals Ltd. has sold the subject goods **** MT. Samuda provided master invoice only, not individual transaction-wise invoices despite several opportunities having been provided. Secondly and more importantly, the domestic selling price was exactly the same throughout the POI despite supplies to different customers for 50% Packed Sales in Cash. The sale data of this exporter has been found to be unreliable. Accordingly, Normal Value in their case has been determined by adding profit margin worked out by this office in Appendix 7 to the their cost of production per MT (both for Loose and Packed sales).
56. Normal Value for packed quantity has been determined as USD **** per MT and normal value for loose quantity has been determined as USD **** per MT. Normal Value on weighted average basis comes as **** USD per MT.

Normal value for M/s. Thai Peroxide Co Ltd., Thailand

57. From the Exporter Questionnaire (EQ) response, the Authority notes that M/s. Thai Peroxide Co Ltd., Thailand is a producer/exporter of the subject goods. Thai Peroxide Ltd., has sold **** MT of the subject goods for the Gross invoice value of **** Million THB. Only **** MT of Domestic sales were made to affiliated parties. Normal Value has been determined for product both in Loose and Packed condition to facilitate comparison on like to like basis.
58. For working out normal value 80/20 test has been conducted and % of profitable sales as a % of Total Sales is determined. Profitable Sales % so determined is lower than 80% of total Sales for Packed Sales, so only profitable sales has been considered in determining Normal Value, while for loose sales profitable sales were more than 80% so entire sales has been considered in determining Normal Value. Adjustments on account of inland freight and credit cost has been claimed and allowed.
59. Normal Value for packed quantity has been determined as USD **** per MT and normal value for loose quantity has been determined as USD **** per MT. Normal Value on weighted average has been calculated as USD **** per MT.

Normal value for Indonesia, Korea and Taiwan

60. In the absence of availability of information/evidence of price of subject goods in the domestic market of Indonesia, Korea and Taiwan and in view of non cooperation from the producer-exporters in these countries, the Authority has determined normal value in the above subject countries on the basis of best estimates of cost of production , and reasonable profits.

F. Estimates of Export Price

61. According to Section 9A(1)(b) of the Customs Tariff Act, 1975, 'Export Price' in relation to an article means:-

(b) “*export price*”, in relation to an article, means the price of the article exported from the exporting country or territory and in ‘cases where there is not export price or where the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party, the export price may be constructed on the basis of the price at which the imported articles are first resold to an independent buyer or if the article is not resold to an independent buyer, or not resold in the condition as imported, on such reasonable basis as may be determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Calculation of Net Export Price for Sitara Peroxide Ltd., Pakistan

62. The producer/exporter exported **** MT of Hydrogen Peroxide to India during POI at a weighted average Net Export Price of USD ****/MT, Loose at **** USD/MT, Packed at **** USD/MT. Claimed adjustments considered by the authority are on account of Inland Freight, and Bank Charges to determine net export price at ex-factory level.

Calculation of Net Export Price for Descon Oxychem Ltd., Pakistan

63. The producer/exporter exported **** MT of Hydrogen Peroxide to India during POI at a weighted average Net Export Price of**** USD /MT, Loose at **** USD/MT and Packed at **** USD/MT .Claimed adjustments considered by authority are on account of Inland Freight, Commission, Customs Handling Charges and Bank Charges to determine net export price at ex-factory level.

Export Price of Non Cooperative exporters from Pakistan

64. The Authority notes that no other producer/exporter from Pakistan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Pakistan, the Authority has determined the net export price as **** USD/MT on the basis of best available information.

Calculation of Net Export Price from M/s. ASM Chemicals Ltd. Bangladesh

65. ASM Chemicals Ltd. exported **** MT of Hydrogen Peroxide to India during POI at a weighted average Net Export Price of USD ****/MT, Loose at **** USD/MT and Packed at **** USD/MT. Claimed adjustments considered by authority are on account of Inland Freight and Bank Charges to determine net export price at ex-factory level.

Calculation of Net Export Price from M/s. Tasnim Chemicals Ltd. Bangladesh

66. Tasnim Chemicals has exported **** MT of Hydrogen Peroxide to India during POI at a weighted average Net Export Price of USD ****/MT, Loose at **** USD/MT and Packed at **** USD/MT. Claimed adjustments considered by authority are on account of Inland Freight, Bank Charges, Taxation and Handling Charges to determine net export price at ex-factory level.

Calculation of Net Export Price from M/s. Samuda Chemicals , Bangladesh

67. Thai Samuda Chemicals has exported **** MT of Hydrogen Peroxide to India during POI at a weighted average and Packed Net Export Price of USD ****/MT. Claimed adjustments considered by authority are on account of Ocean Freight, Inland Freight, Credit Cost and Bank Charges to determine net export price at ex-factory level.

Calculation of Net Export Price from Non Cooperative Exporters –Bangladesh

68. The Authority notes that no other producer/exporter from Bangladesh has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Bangladesh, the Authority has determined the net export price as USD ****/MT on the basis of best available information.

Calculation of Net Export Price from M/s. Thai Peroxide Ltd. Thailand

69. Thai Peroxide Ltd. has exported **** MT of Hydrogen Peroxide to India during POI at a weighted average Net Export Price of USD ****/MT, Loose at **** USD/MT and Packed at **** USD/MT. Claimed adjustments considered by authority are on account of Ocean Freight, Ocean Insurance, Inland Freight and Bank Charges to determine net export price at ex-factory level.

Calculation of Net Export Price from Non Cooperative Exporters -Thailand

70. The Authority notes that no other producer/exporter from Thailand has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Bangladesh, the Authority has determined the net export price as USD ****/MT on the basis of best available information.

Export Price of Taiwan, Korea and Indonesia

71. The Authority notes that no producer/exporter from Taiwan, Korea and Indonesia has filed exporters questionnaire response in the present investigation. Therefore for all producers/exporters in Taiwan, Korea and Indonesia, the Authority determines the weighted average net Export Price as USD **** per MT for Taiwan, **** per MT for Korea and **** per MT for Indonesia respectively on the basis of DGCI&S import prices after making necessary adjustments for freight, insurance etc.

DUMPING MARGIN

72. Comparing the aforesaid normal values and export prices as determined, the dumping margin proposed to be determined for the subject countries during POI are as follows:

Country	Exporter/ Producer	Normal Value US\$/MT	Net Export Price US\$/MT	Dumping Margin US\$/MT	Dumping Margin %	Dumping Margin % Range
Indonesia	All producers/ exporters	****	****	****	****	20-30
Taiwan	All producers/ exporters	****	****	****	****	40-50
Korea RP	All producers/ exporters	****	****	****	****	30-40
Thailand	Thai Peroxy Limited, Thailand	****	****	****	****	25-35
	Non-Co-operative producers/ exporters	****	****	****	****	40-50
Pakistan	Sitara Peroxide Limited, Pakistan	****	****	****	****	70-80
	Descon Oxychem Limited, Pakistan	****	****	****	****	60-70
	Non-Co-operative producers/ exporters	****	****	****	****	120-130
Bangladesh	Samuda Chemicals, Bangladesh	****	****	****	****	10-20
	Tasnim Chemicals, Bangladesh	****	****	****	****	0-10
	ASM Chemicals, Bangladesh	****	****	****	****	10-20
	Non-Co-operative producers/ exporters	****	****	****	****	40-50

Determination of Injury and Causal Link

73. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

- a. There is no causal link between the injury and the alleged import. The domestic industry is suffering injury due to other factors such as adversities in pulp and paper industry.
- b. All the volume parameters showed improvement in the petition. Merely decline in profitability cannot be attributed to imports. Price undercutting has been negative in POI and in the previous years as well.
- c. The plant was effectively shut for almost 5 months and no commercial production was taking place during this time. Proper adjustment for cost of shutdown and the new plant should be made.
- d. No commercial production took place due to plant shut down and so the company was suffering due to its own internal problems. The domestic industry was adversely affected by expansion.
- e. The adjustment made by the petitioner by inflating production has no basis. The Authority is requested, while determining NIP, to carry out proper adjustments to account for the plant shut down, which falls entirely in the POI, as well as for the start up cost.
- f. The annual report of the company underlines two broad factors affecting the performance of the company i.e. Long term contract with GAIL. The cost of the company did not go in line with the fall in crude oil prices because the company has a long term contract with GAIL and secondly the plant was shut down.
- g. The company accepted during the public hearing that the contract is not between GAIL and NPL per se but GAIL in general. This amounts to disowning the disclosure in the annual report itself.
- h. The Authority may call the contract and examine the facts on its own. They are contradicting their own audited annual report and putting the facts to suit their case before the Authority.
- i. The domestic industry has not suffered any injury and the same is evident from the fact that the production, domestic sales and capacity utilization of the domestic industry have increased as compared to the base year.
- j. Imports from Thailand declined by 5%. Imports from all subject countries also declined by 14.9% in period of investigation in comparison to the immediately preceding year.
- k. Based on the information provided in the application it can be figured that the number of employees and wages has increased. Capacity of the domestic industry was enhanced. Production and sales of the other producers has also increased.
- l. If the domestic industry is still suffering any injury it may be due to increase in depreciation cost, fixed cost and interest cost. The company has increased its capacity during the POI. The production decreased due to plant shut down.
- m. Import from Bangladesh was being made because of the lower price of natural gas as compared to NPL.
- n. NPL's long term contract with GAIL adversely affected the petitioners. The supply of natural gas from Reliance industries' KG Basin has been seriously affected. The imports of LNG have also been low due to weak demand. This is on account of its reduced competitiveness compared with liquid fuels such as naphtha due to sharp price decline.
- o. The Kochi terminal is operating close to 5% capacity. This is because of laying the gas pipeline to connect Bengaluru to Tamilnadu having been affected due to the problems of land acquisition.
- p. There is a significant change in the natural gas market due to significant drop in crude oil prices leading to sharp decline in liquid fuels such as naphtha. Since long term gas prices are based on 60 months' average of crude oil prices with a cap and floor price the current spot prices of natural gas are much lower than the long term contract prices.
- q. Price injury cannot be determined on the basis of loose and packed product. The claim of Domestic Industry that price undercutting will not be negative if analyzed separately for loose and packed cannot be accepted because determination of price undercutting only on loose and packed basis and rest of the parameters on combined basis is nothing but a pick and choose approach and the Authority is requested to observe uniformity in the approaches and comparisons.
- r. There should be apple to apple comparison. Sales, both in domestic market and exports, is presented in PCN basis consisting three factors i.e. type/nature/category of the product, concentration level and packaging. So, the dumping and injury should be calculated on PCN basis.
- s. The landed value of the imports from Bangladesh is higher than then the net sales realization of the Domestic Industry. This trend has continued throughout the injury period and that is the reason that the price undercutting of imports from Bangladesh has been negative.

- t. Landed price of Bangladesh is higher by 10% as compared to other countries and 20% as compared to Domestic industry.
- u. The price undercutting has been negative for Bangladesh Imports throughout the injury period. That is an important parameter for determining injury. The imports from Bangladesh are 25% of the total imports. Prices of Thailand are almost similar to the prices of Bangladesh and the total imports from Thailand are 46%. Since 71% of the total imports are not undercutting the prices of the domestic industry and above almost 20% above the prices of the domestic industry how can that cause injury to the Domestic Industry.
- v. The petition suggests that there is huge demand-supply gap. The capacity utilization of the DI is 93%. Marginal shortfall in capacity utilization is not due to imports. Such industries cannot achieve 100% capacity utilization. Imports have increased due to demand supply gap.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties post issuance of disclosure statement are as follows:

- a. Number of employees and salaries of the domestic industry increased during the entire injury period.
- b. The exporter reiterated the argument with regard to injury due to plant shut down, long term contract with GAIL, negative price undercutting of Bangladesh and no material injury to the domestic industry.
- c. The interested parties/exporters/importers reiterated the arguments with regard to minimal or almost no imports from Taiwan. Considering the amount of imports from Taiwan as compared to the imports from other subject countries, it will not be justified to cumulate the imports of Taiwan with the imports of other countries.
- d. The Designated Authority should use its discretion keeping in mind the bilateral trade relations with the other country.
- e. The imports from Taiwan were below de-minimis but in the petition it was shown 3.7% and the same has been seen in the disclosure statement as well. Copy of import statement should be provided to the Government of Taiwan for its examination.

74. Submissions made by the Domestic industry

- a. The domestic industry is suffering injury due to dumping. Other factors can be examined by the Authority examining the industry's performance on quarter by quarter basis.
- b. Profitability of domestic industry deteriorated steeply within the POI and after full commercial production started. The Domestic Industry had better profitability when the production was suspended. It became adverse when full commercial production commenced
- c. The domestic industry was able to achieve optimum capacity utilization in next quarter itself. Despite that the domestic industry suffered losses. So there clearly is a link between the decline in profitability and dumping of the product in the country.
- d. It would be relevant and useful to refer the decision of the CESTAT in the matter of Forum of Acrylic Fibre Manufacturers vs. Designated Authority (Final Order Nos. 34-35/2006-AD, dated 2-8-2006, in Appeal Nos. C/848) which underlines that Profits, ROI and cash profits are the most important injury parameters.
- e. Relevant adjustments of costs accounting for shutdown period have been made. The issue was raised by the Directorate prior to initiation of investigation and the same was addressed by the petitioners before initiation itself.
- f. Demand of PUC in the country was always rising and positive.
- g. Dumping should not be the sole reason of injury. Where dumping is one of the factors causing injury along with other factors the Authority will determine injury due to dumping after neutralizing injury caused by other factors.
- h. The impact on production due to suspension can be examined by the Authority by appropriately enhancing production of the domestic industry. Petitioners have already done the same. It is seen that the petitioners would have still faced injury even if then production was not suspended due to shut down.
- i. The natural gas price in Bangladesh is not lower. It is subsidised. Low price of natural gas in Bangladesh does not imply that the Domestic industry should suffer injury from dumping.
- j. Lower cost of production in exporting countries does not address the question of dumping. The finding notified by the Pakistan authorities clearly establishes existence of significant dumping in the product.
- k. Statement of imports and landed price of imports is on record. It is not true that Landed price of Bangladesh is higher by 10% as compared to other countries and 20% as compared to Domestic industry.
- l. A statement of price undercutting from subject countries will show that the price undercutting is positive.

- m. The figures of demand show that there is demand for the product and capacities in India. The Indian producers can meet about 95% of demand for the product in the country. Imports however are occupying 24% of the market, which clearly shows that imports are holding a share far higher than what is justified by demand supply gap.
- n. Downtrend in sale price of PUC claimed by the exporters implies that the dumping of the product is causing injury to the domestic industry. If the downward trends in prices are experienced only in PUC in export markets and not in the domestic markets of the exporters, it must be concluded that dumping of the PUC is causing injury to the domestic industry.
- o. The statement that landed prices of all the countries were below NSR except Bangladesh is on the basis of comparison of weighted average basis and without including freight costs. Since a significant proportion of imports are on the basis of packed condition and further significant Bangladesh imports are occurring only in West Bengal region, whereas a significant proportion of the domestic industry sales are in loose condition and in Northern region, any such price comparison must be done after considering the difference in cost and price of loose and packed product. Further, associated freight must be added. The relevant information is on records. It would be seen that the imports are undercutting the prices of the domestic industry over the entire period.
- p. On analyzing month wise production of the petitioner it would be seen that the petitioners have achieved reasonable capital utilisation immediately after recommencing production. So it is definitely not a case where the fixed costs were high due to start-up operations.
- q. Employment and wages have shown improvement in the injury period. But this is not the sole criteria for determining injury. Increase in wages and employment is due to setting up of new capacities and enhancement of production. Employment and wages don't reflect the performance of the industry.

Submissions made by the domestic industry post issuance of disclosure statement are as follows:

- a. The Non Injurious price calculated by the Authority is not correct. The calculation done by the Authority for the Production for determining per unit capital employed is not correct and the profit considered by the Authority is grossly understated. The Authority has determined capital employed after dividing the figures by 15 months production instead of 12 months.
- b. The enhancement of the capacity of the company (NPL) was commercialized in 2014 and this capacity was available to the petitioner only for part of the Period of investigation. NFA for this plant is required to be divided by production of this period. Considering NFA for this period and dividing by production of 12/15 months is inappropriate.
- c. The CSR expenses have been disallowed while determining NIP.
- d. The depreciation cost taken for HOCL is not correct. There is an error in considering the utilities cost.
- e. The NIP determined is inappropriate and against the object of dumping law as also against the judgement of the Supreme Court in the matter of Reliance industries Ltd. Vs. Designated Authority.
- f. Freight is not included while determining NIP. It is important to add freight in this present case because in case of loose product the freight is very high and such freight cost is included for exporters while determining the landed price.
- g. The Designated Authority must add excise duty to the domestic industry's non injurious price and countervailing duty (additional duty of customs) on the imports for determining injury margin.
- h. Injury margin is understated to the proportionate extent if the sales tax is not added in the non-injurious price.
- i. Since the product under consideration is sold in different concentration and the prices vary accordingly, the Authority is requested to determine injury margin, dumping margin and price undercutting after taking into account the difference in consumption factors.

Examination by the Authority

- 75. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. Specific submissions have been addressed herein below.
- 76. With regard to the argument that decline in profitability parameter does not make difference and cannot become the reason of injury for the domestic industry, the Authority notes that profitability is one of the most important parameters which should be considered while determining injury. Decline in profitability is a major factor which goes on to show that the domestic industry is suffering injury.
- 77. With regard to the argument that injury to the domestic industry is due to other factors, the Authority notes that Rules does not prescribe that the injury should be solely due to dumping. Injury may be caused due to other factors as well. Authority has adjusted the loss of sales due to shut down at appropriate places.

78. The injury examination undertaken shows that there is no decline in demand. The demand has increased during the injury period and the domestic industry has suffered injury due to increased imports.
79. With regard to the argument that there exists demand supply gap, the Authority notes that demand supply gap per se cannot justify the act of dumping by the subject countries. It is further observed that Indian Producers as a whole have the capacity to fulfil 95% of the demand of the market; yet a significant amount of market share is captured by the subject countries and the same cannot be attributed to demand supply gap. Further, the Authority has found adverse price effect of dumped imports on the domestic industry. The conclusion on injury are largely based on material deterioration in performance of the domestic industry in respect of parameters such as profits, return on investments and cash profits.
80. With regard to the argument that imports from Taiwan are minimal, the investigation has shown that imports from Taiwan are above de-minimus limits and the import price is below normal value. The investigation has shown positive dumping margin and injury margin in case of imports from Taiwan. There is no material provided by the interested parties which show that the imports from Taiwan should not be cumulated with the imports from other countries.
81. As regards the argument on the calculation of NIP, the Authority notes that NIP has been determined as per Annexure III and considering past practice of the Authority.

Cumulative Assessment

82. The Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to antidumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that ;
 - i. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article; and
 - ii. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
83. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. The conditions for cumulation of injury laid down under the rules are satisfied in the present case. None of the interested parties have provided any evidence which shows that it would not be appropriate to cumulatively assess effects of dumped imports onto the domestic industry. The issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:
 - i. The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de-minimis limit;
 - ii. The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis;
 - iii. Imports from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market;
- iv. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
84. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product.
85. Annexure-II of the Anti-dumping Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
86. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv)of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

87. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.
88. For the purpose of the injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The volume and price effect of dumped imports have been examined below.

Volume Effect of the dumped imports on the Domestic industry

I. Demand and Market Share

89. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below. The Authority notes that the demand of the product under consideration has increased over the period.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15	Apr14-Jun15
Imports Volume						Annualized
Subject Countries	MT	17,464	33,759	63,286	67,300	53,840
Other Countries	MT	7,404	53	19	-	-
Total	MT	24,868	33,812	63,305	67,300	53,840
Share in Imports						
Subject Countries	%	70.23	99.84	99.97	100.00	100
Other Countries	%	29.77	0.16	0.03	-	-
Demand		100.00	100.00	100.00	100.00	100
Subject Countries	MT	17,464	33,759	63,286	67,300	53,840
Other Countries	MT	7,404	53	19	-	-
DI domestic Sales	MT	70,810	89,139	87,161	109,336	87,469
Other Indian Producers	MT	66,789	63,815	62,781	102,493	81,994
Total	MT	162,468	186,766	213,247	279,128	223,303
Market Share						
Subject Countries	%	10.75	18.08	29.68	24.11	24.11
Other Countries	%	4.56	0.03	0.01	-	-
DI domestic Sales	%	43.58	47.73	40.87	39.17	39.17
Other Indian Producers	%	41.11	34.17	29.44	36.72	36.72
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

90. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. Whereas share of dumped imports from subject countries increased substantially as compared to the base year, it has declined slightly as compared to the previous year. The share of the Domestic Industry has decreased to a significant level during the Period of investigation.

II. Import Volume and Market Share:

91. Imports of the product under consideration have increased from subject countries in absolute terms over the period.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15	Apr14-JUNE15 (Annualized)
Import Volume						
Subject Countries	MT	17,464	33,759	63,286	67,300	53,840
Bangladesh	MT	1,925	4,571	11,862	17,475	13,980
Chinese Taipei		-	-	40	2,495	1,996
Indonesia	MT	2,678	7,066	5,445	4,457	3,566
Korea RP		1	2,815	12,032	3,007	2,405
Pakistan	MT	7,545	4,614	7,930	9,034	7,227
Thailand	MT	5,315	14,693	25,977	30,832	24,666
Other Countries	MT	7,404	53	19	-	-
Total	MT	24,868	33,812	63,305	67,300	53,840
Share in Imports						
Subject Countries	%	70.23	99.84	99.97	100.00	100.00
Bangladesh	%	7.74	13.52	18.74	25.97	25.97
Chinese Taipei		-	-	0.06	3.71	3.71
Indonesia	%	10.77	20.90	8.60	6.62	6.62
Korea RP		0.00	8.33	19.01	4.47	4.47
Pakistan	%	30.34	13.64	12.53	13.42	13.42
Thailand	%	21.37	43.46	41.04	45.81	45.81
Other Countries	%	29.77	0.16	0.03	-	-
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

92. Since interested parties have contended that the increase in imports is due to suspension of production by the domestic industry, the Authority has determined volume of imports from subject countries after reducing imports for the loss of production volumes by the domestic industry due to suspension of production. The volume of imports of the subject goods from the subject countries after adjusting loss of production on account of shutdown is as under. It is observed from the table that even after adjusting imports because of loss of production by the domestic industry, imports from subject countries increased significantly over the injury period with some decline in the Period of Investigation as compared to the previous year.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15	Apr14-JUNE15 (Annualized)
Subject Countries (after deducting loss of sales)	MT	17,464	33,759	63,286	54,200	43,360
Other Countries	MT	7,404	53	19	0	0
DI domestic Sales after adding loss of sales)	MT	70,810	89,139	87,161	122,435	97,948
Other Indian Producers	MT	66,789	63,815	62,781	102,493	81,994
Total	MT	162,468	186,766	213,247	279,128	223,303
Market Share						

Price Underselling

96. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. For this purpose, fair selling price i.e. Non-injurious Price determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. The landed price of imports considered for the purpose of price undercutting has also been adopted for the purpose of determining price underselling. Comparison of weighted average NIP (Non-Injurious Price) of the domestic industry with weighted average landed price of imports is shown as under :

Country		Quantity	Landed Price	NIP	Price Underselling			
			MT	Rs/MT	Rs/MT	Rs/MT	Rs Lacs	%
Range								
Bangladesh	Packed	17,475	****	****	****	****	****	10-20
China Taipei	Packed	2,495	****	****	****	****	****	10-20
Indonesia	Loose	4,437	****	****	****	****	****	0(-10)
Indonesia	Packed	20	****	****	****	****	****	10(-20)
Indonesia	Total	4,457	****	****	****	****	****	0(-10)
Korea RP	Loose	26	****	****	****	****	****	-10(-20)
Korea RP	Packed	2,981	****	****	****	****	****	10-20
Korea RP	Total	3,007	****	****	****	****	****	10-20
Pakistan	Packed	9,034	****	****	****	****	****	30-40
Thailand	Packed	30,832	****	****	****	****	****	0-10
Total		67,300	****	****	****	****	****	10-20

Price Suppression and Depression

97. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15
Cost of Sales	Rs/MT	****	****	****	****
Indexed		100.00	101.19	113.69	120.05
Selling Price	Rs/MT	****	****	****	****
Indexed		100.00	105.48	113.81	99.96

98. The Authority notes that cost of sales has increased during the injury period whereas the selling price has decreased in the injury period. It is thus evident that the imports are depressing the prices of the domestic industry.

G. Economic Parameters of the Domestic Industry

I. Capacity, Production, Capacity utilization and Sales Volume

99. Capacity, production, capacity utilization and sales volume of the Domestic Industry over the injury period is given in the following table. It is noted that capacity of the domestic industry has increased whereas capacity utilization has decreased (even after adjusting loss of production) during the period of investigation as compared to 2012-13 and 2013-14.

Parameters	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15
					Annualized
Capacity	MT	94,450	94,450	94,450	103,250
Production	MT	67,373	88,089	93,288	83,863
Production Adjusted	MT	67,373	88,089	93,288	94,342
Capacity Utilization	%	71.33	93.27	98.77	81.22
Adjusted Capacity Utilization	%	71.33	93.27	98.77	91.37
Domestic Sales	MT	70,810	89,139	87,161	87,469

100. Sales of the domestic industry have increased during the POI as compared to the base year. However, increase in sales volume is less as compared to the increase in the share of dumped imports and increase in demand during the same period.

II. Profit/Loss, Cash Flow, Return on Capital Employed

101. The profitability of the domestic industry is given in the following table. It is seen that profitability of the domestic industry declined over the injury period. Profitability of the domestic industry has declined drastically in Period of investigation. Cash profit and return on investment have also declined in the POI as compared to base year. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. It is seen that the cash profits of the domestic industry declined significantly in the Period of investigation as compared to the previous years as well as base year.

Parameters	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15
Profitability	Rs./MT	****	****	****	****
Indexed		100	125	114	9
ROI	%	****	****	****	****
Indexed		100	175	147	28
Cash Profits	Rs.Lacs	****	****	****	****
Indexed		100	138	125	34

III. Inventories

102. It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15
Inventory – Average Stock	MT	****	****	****	****
Indexed		100	39	96	111

IV. Employment, Wages & Productivity

103. The Authority notes that productivity, employment with the domestic industry and wages paid have increased during the POI as compared to the base year.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15
Wages	Rs Lacs	****	****	****	****
Indexed		100	119	138	176
Wages	Rs/MT	****	****	****	****
Indexed		100	91	100	113
No of Employees	Nos	****	****	****	****
Indexed		100	100	100	106
Productivity per Employee	Nos	****	****	****	****
Indexed		100	131	138	118
Productivity per Day	Nos	192	252	267	240
Indexed		100	131	138	124

V. Magnitude of dumping

104. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined in respect of the subject countries are above de-minimus.

VI. Growth

105. The Authority notes that growth of the domestic industry in respect of profit/loss, ROI, cash flow was adverse.

Particulars	UOM	2011-12	2012-13	2013-14	Apr14-Jun15
Change over preceding period					
Production	%		30.75	5.90	(10.10)
Sales	%		25.88	(2.22)	0.35
Capacity Utilization	%		21.93	5.50	(17.55)
Profit/Loss per Unit	%		24.83	(8.39)	(91.86)
Cash Profit	%		38.14	(9.47)	(73.19)
Return on Capital Employed	%		12.74	(4.66)	(20.39)

VII. Ability to raise capital investment

106. One of the petitioners, M/s. National Peroxide Ltd. expanded capacity during period of investigation. Petitioners have submitted that since capital investment decision is a long term proposition, it does not have any bearing on current ability to raise capital investment. However, if dumping persists it would be difficult for domestic industry to generate sufficient returns for servicing interest and loan instalments of finance institutions.

VIII. Factors affecting Domestic Prices

107. The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price underselling in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period including the POI and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the landed value of the imports of dumped subject goods from subject countries.

108. The injury margin determined for subject countries, during POI as follows:

Country	Exporter/ Producer	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %	Injury Margin % Range
Indonesia	All	****	****	0-(-10)
Taiwan	All	****	****	10-20
Korea RP	All	****	****	10-20
Thailand	Thai Peroxy Limited, Thailand	****	****	0-10
	Non-Co-operative producers/ exporters in Thailand	****	****	10-20
Pakistan	Sitara Peroxide Limited, Pakistan	****	****	10-20
	Descon Oxychem Limited, Pakistan	****	****	10-20
	Non-Co-operative producers/ exporters in Pakistan	****	****	30-40
Bangladesh	Samuda Chemicals, Bangladesh	****	****	10-20
	Tasnim Chemicals, Bangladesh	****	****	10-20
	ASM Chemicals, Bangladesh	****	****	20-30
	Non-Co-operative producers/ exporters in Bangladesh	****	****	20-30

IX. Conclusion on Injury

109. In view of the foregoing analysis, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. Imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market. The imports were suppressing the prices of the domestic industry. The dumped imports are leading to price underselling. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is found that though demand for the subject goods increased significantly, the production and sales of the domestic industry has not increased in proportion to the increase in demand and it's the market share of the domestic industry declined. As a result of significant price depression, performance of the domestic industry declined significantly during POI in respect of parameters such as Profits, Cash Profits and return on capital employed. Growth in respect of price parameters shows an adverse impact on the domestic industry. Even when the decline in capacity utilisation is due to suspension of production, decline in parameters such as profits, cash profits and return on investments is due to price undercutting and price depression caused by the dumped imports. It is thus concluded that the domestic industry has suffered material injury.

H. Causal link

110. Having examined the existence of material injury, effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression effects, leading to deterioration in profits, cash profits and return on investment, parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined: -

a) Volume and prices of imports from third countries

111. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries are negligible in volume. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

112. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

113. The Authority notes that demand for the product showed increase during the injury period and also during POI. The Authority thus concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

d) Development in Technology

114. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry. Nor investigation has shown existence of possible developments in technology as a factor of injury to the domestic industry.

e) Export performance of Domestic Industry

115. There are no significant exports by petitioner companies during period of investigation. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury to the domestic industry.

f) Productivity of the Domestic Industry

116. Productivity of the domestic industry has increased during the POI. However, profitability of the domestic industry showed declining trend.

117. From the foregoing, the Authority concludes that there is no evidence of injury being caused to the domestic industry due to other factors.

I. Factors establishing causal link

118. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- i. The dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India.
 - ii. The imports are suppressing the prices of the domestic industry.
 - iii. Profits, Cash Profits and Return on capital employed has steeply declined in period of investigation.
 - iv. Growth of the domestic industry was negative in respect of profits, return on capital employed and cash profits on account of dumped imports.
 - v. It has been contended that the production and consequently performance of the domestic industry deteriorated due to suspension of production by NPL for capacity expansion. Considering that the suspension of production by a company impacts its production and performance in respect of various other parameters, the Authority has examined the performance in detail. As far as expenses during the period of production suspension are concerned, the same have in any case not been charged to income statement. Further, after commencement of production, the company had achieved reasonable level of capacity utilisation very soon. In any case, the Authority had added production for the suspension period and thereafter determined performance and injury margin. It is also noted that there was significant decline in the selling price during the investigation period on month on month basis. The price depression suffered by the domestic industry could not have been due to suspension of production. The price depression suffered by the domestic industry due to dumping in the Country led to decline in profits, return on investment and cash flows.
119. Thus the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

J. Magnitude of Injury Margin

Injury Margin

120. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries. The weighted average injury margins are as below:

Country	Exporter/ Producer	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %	Injury Margin % Range
Indonesia	All	****	****	0-(-10)
Taiwan	All	****	****	10-20
Korea RP	All	****	****	10-20
Thailand	Thai Peroxy Limited, Thailand	****	****	0-10
	Non-Co-operative producers/ exporters in Thailand	****	****	10-20
Pakistan	Sitara Peroxide Limited, Pakistan	****	****	10-20
	Descon Oxychem Limited, Pakistan	****	****	10-20
	Non-Co-operative producers/ exporters in Pakistan	****	****	30-40
Bangladesh	Samuda Chemicals, Bangladesh	****	****	10-20
	Tasnim Chemicals, Bangladesh	****	****	10-20
	ASM Chemicals, Bangladesh	****	****	20-30
	Non-Co-operative producers/ exporters in Bangladesh	****	****	20-30

K. Indian industry's interest & other issues:

121. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of Anti-dumping

duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

L. Recommendation

122. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
- The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal values.
 - The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject countries.
 - The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.
123. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all the interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Anti-dumping duty equal to the amount indicated in Column 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods originating in or exported from subject countries.

Duty Table

S. No.	Sub-Heading or Tariff Item	Description on of goods	Country of Origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Curren-cy	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	2847	Hydrogen Peroxide *	Bangladesh	Bangladesh	M/s. Samuda Chemicals	Samuda Chemicals	46.90	USD	MT
2	2847	Do *	Bangladesh	Bangladesh	Tasnim Chemicals	Tasnim Chemicals	27.81	USD	MT
3	2847	Do *	Bangladesh	Bangladesh	ASM Chemicals	ASM Chemicals	46.29	USD	MT
4	2847	Do *	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in S.N. 1,2 & 3 above		91.47	USD	MT
5	2847	Do *	Bangladesh	Any country other than those subject to antidumping duty	Any	Any	91.47	USD	MT
6	2847	Do *	Any country other than those subject to antidumping duty	Bangladesh	Any	Any	91.47	USD	MT
7	2847	Do *	Pakistan	Pakistan	M/s. Sitara Peroxide Ltd.	M/s. Sitara Peroxide Ltd.	51.91	USD	MT

8	2847	Do *	Pakistan	Pakistan	Descon Oxychem Ltd.	Descon Oxychem Ltd.	61.05	USD	
9	2847	Do *	Pakistan	Pakistan	Any combination other than mentioned in S.N. 7 & 8 above		117.94	USD	MT
10	2847	Do *	Any country other than those subject to antidumping duty	Pakistan	Any	Any	117.94	USD	MT
11	2847	Do *	Pakistan	Any country other than those subject to antidumping duty	Any	Any	117.94	USD	MT
12	2847	Do *	Thailand	Thailand	M/s. Thai Peroxide Co Ltd.	M/s. Thai Peroxide Co Ltd.	16.91	USD	MT
13	2847	Do *	Thailand	Thailand	Any combination other than mentioned in S.N. 12 above		63.32	USD	MT
14	2847	Do *	Any country other than those subject to antidumping duty	Thailand	Any	Any	63.32	USD	MT
15	2847	Do *	Thailand	Any country other than those subject to antidumping duty	Any	Any	63.32	USD	MT
16	2847	Do *	Korea	Korea	Any	Any	46.16	USD	MT
17	2847	Do *	Korea	Any country other than those subject to antidumping duty	Any	Any	46.16	USD	MT
18	2847	Do *	Any country other than those subject to antidumping duty	Korea	Any	Any	46.16	USD	MT
19	2847	Do *	Taiwan	Taiwan	Any	Any	56.33	USD	MT
20	2847	Do *	Taiwan	Any country other than	Any	Any	56.33	USD	MT

				those subject to antidumping duty					
21	2847	Do *	Any country other than those subject to antidumping duty	Taiwan	Any	Any	56.33	USD	MT

Further procedure

124. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

Dr INDER JIT SINGH, Designated Authority